ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम सिद्धरामैया पिछड़ों के हिमायती नहीं हैं: आर. अशोक @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 15 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-283

जम्मू-कश्मीर में सौ करोड़ से अधिक का शस्त्र लाइसेंस घोटाला

घोटाले में लिप्त 13 आईएएस और तीन केएएस अफसर

नौकरशाहों का 'आतंकवाद'

नई दिल्ली/श्रीनगर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर के गन लाइसेंस घोटाले में लिप्त आठ वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। गृह मंत्रालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से घोटाले में लिप्त आईएएस अफसरों और हथियार डीलरों के लिंक और पैसे के लेनदेन (मनी-ट्रेल) का पूरा ब्यौरा तलब किया है। 2012 से 2016 के बीच करोड़ों के शस्त्र लाइसेंस घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है।

गृह मंत्रालय ने सीबीआई को दिए निर्देश-पत्र में यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या इन अधिकारियों को अवैध हथियार लाइसेंस जारी करने के बदले किसी प्रकार का आर्थिक लाभ मिला था? मंत्रालय ने यह भी पूछा है कि क्या जांच में किसी आईएएस अधिकारी द्वारा हथियार डीलरों के साथ वित्तीय लेनदेन या संपत्ति के सौदे के सबूत मिले हैं? जम्मू कश्मीर शस्त्र लाइसेंस घोटाले की जड़ें 2017 में राजस्थान की एंटी-टेररिज्म स्काड (एटीएस) की एक जांच से जुड़ी हैं। एटीएस ने

अपनी जांच में पाया कि जम्मू-कश्मीर में बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हथियारों के लाइसेंस जारी किए जा रहे हैं। बाद में यह मामला सीबीआई को सौंपा गया। जांच में खुलासा हुआ कि 2012 से 2016 के बीच करीब 2.74 लाख हथियारों के लाइसेंस जारी किए गए, जिनमें से 95 प्रतिशत लाइसेंस ऐसे लोगों को मिले जो जम्मू-कश्मीर के निवासी ही नहीं थे और न ही कभी वहां तैनात थे। सीबीआई के अनुसार, इन लाइसेंसों का अधिकांश हिस्सा आर्म्ड फोर्सेज, पैरामिलिट्री कर्मियों और अन्य बाहरी व्यक्तियों को पैसों के बदले जारी किया गया था। अनुमान है कि यह घोटाला 100 करोड़ से अधिक का है।

सीबीआई ने नौ आईएएस अधिकारियों के खिलाफ जांच की थी, जिनमें से आठ के खिलाफ अभियोजन (प्रोजिक्यूशन) की अनुमति गृह मंत्रालय से मांगी गई है। ये सभी अफसर 2012 से 2016 के बीच जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के विभिन्न जिलों में जिलाधीश या डिप्टी कमिश्नर रहे। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस अरुण पाली और जस्टिस राजनेश ओसवाल की बेंच ने इस मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए गृह मंत्रालय को छह हफ्तों के भीतर अंतिम निर्णय लेने का निर्देश दिया है कि क्या इन आईएएस अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की अनुमति दी जाएगी या नहीं। अदालत ने यह निर्देश उस जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया,

▶10पर

मिस्र शिखर सम्मेलन में ट्रंप ने कहा, भारत एक महान देश

विश्व मंच से भारत की तारीफ पर भौंचक्का पाकिस्तान

शर्म-अल-शेख (मिस्र), 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मिस्र में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा, भारत एक महान देश है, जिसका नेतृत्व उनका एक बहुत अच्छा दोस्त कर रहा है। ट्रंप ने यह बात कह कर मंच पर पीछे खड़े पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से इस पर हामी भी दिलवाई। उसी मंच से ट्रंप ने शहबाज शरीफ को कहा, दोनों देश शांतिपूर्वक रहें।

मिस्र के शर्म-अल-शेख में गाजा को लेकर शांति शिखर सम्मेलन हुआ। इस दौरान

मेरे अच्छे मित्र के हाथ में है भारत का नेतृत्व : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने संबोधन में भारत की प्रशंसा की। इसके अलावा, ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के रिश्तों पर भी उम्मीद जताई और कहा, मुझे लगता है कि पाकिस्तान और भारत साथ मिलकर बहुत अच्छे से रहेंगे। यह कहते हुए ट्रंप ने पीछे खड़े पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर इशारा किया और यह कहते हुए हामी भरवाई कि ये इसे संभव बनाने में मदद करेंगे। शहबाज शरीफ मंच पर ट्रंप के पीछे ही खड़े थे। ट्रंप ने पीछे मुड़कर शहबाज से भारत को लेकर अचानक सवाल पूछ लिया। उन्होंने कहा, भारत महान देश है और मेरे बहुत अच्छे मित्र उसका नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे उम्मीद है कि पाकिस्तान और भारत साथ मिलकर बहुत अच्छे से रहेंगे।

▶10पर

एनएसजी के 41वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोले अमित शाह

आतंकियों को पाताल से भी ढूंढ़ निकालेंगे

मानेसर (गुरुग्राम), 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के 41वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा की एनएसजी ने पिछले चार दशकों में आतंकवाद के खिलाफ बड़ी और सफल लड़ाई लड़ी है। आतंकवादी कहीं भी घुसे हों हमारे जवानों ने यह तय कर लिया है कि आतंकियों को दुनिया में कहीं भी छिपने की जगह नहीं मिल सकती। भारत की सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों को पाताल से भी ढूंढ़कर आतंकवादी कृत्य के लिए दंड देने को तैयार हैं। अमित शाह ने मानेसर में एनएसजी के अत्याधुनिक ट्रेनिंग

सेंटर का भी शिलान्यास किया। इस सेंटर को आठ एकड़ जमीन पर बनाया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, सर्वत्र, सर्वोत्तम, सुरक्षा इन तीन सिद्धांतों के साथ और समर्पण, साहस और राष्ट्रभक्ति को अपनी पहचान बनाकर एनएसजी ने चार दशकों तक इस देश में संगठित अपराध, आतंकवाद के खिलाफ एक कठिन लड़ाई लड़ी है। मानेसर में एनएसजी कमांडो द्वारा किया गया प्रदर्शन यह दिखाता है कि देश की सुरक्षा मजबूत और सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने बताया कि एनएसजी ने न केवल देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी योगदान दिया है। अमित शाह ने कहा कि 1984 में गठन के बाद से एनएसजी ने मुंबई ऑपरेशन से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक हर मिशन में अदम्य साहस दिखाया है। अब देश के अलग-अलग हिस्सों में एनएसजी के नए सेंटर बनाए जा रहे हैं, जिनमें अयोध्या का सेंटर सबसे नया है।

▶10पर

अडाणी और गूगल में हुई मेगा डील

विशाखापट्टनम में बनेगा देश का पहला एआई हब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताई खुशी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप और गूगल भारत में बड़ी साझेदारी करने जा रहे हैं। दोनों कंपनियां मिलकर आंध्र प्रदेश के शहर विशाखापट्टनम में देश का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर कैंपस स्थापित करेंगी। अडाणी एंटरप्राइजेज की संयुक्त उद्यम कंपनी अडाणीकॉनेक्स और गूगल ने इस परियोजना की घोषणा की है। यह साझेदारी भारत में एआई हब और ग्रीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम मानी जा रही है। इस परियोजना के तहत 2026 से 2030 के बीच लगभग 15 बिलियन डॉलर (करीब 1.3 लाख करोड़ रुपए) का निवेश किया जाएगा। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत कर इस परियोजना के बारे में जानकारी दी। इस करार के बारे में सुंदर पिचाई ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से विशाखापट्टनम में गूगल एआई हब की योजनाओं पर बात करके बहुत अच्छा लगा। यह एक ऐतिहासिक विकास का क्षण है। यह एआई हब गीगावॉट-स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता,

▶10पर

निर्णयों में एनडीए आगे-आगे, इंडी घमासान में ही फंसा

भाजपा ने जारी कर दी 71 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट

पटना, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सीटों के बंटवारे से लेकर प्रत्याशियों के चयन तक अव्वल साबित हो रहा है। जबकि इंडी गठबंधन अब तक सीटों के बंटवारे में ही उलझा है, प्रत्याशियों के चयन की तो बात दूर रही। अभी से राजद प्रमुख लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव में टिकट बंटवारे को लेकर मनमुटाव शुरू हो गया है। लालू जिसे पसंद कर रहे हैं, तेजस्वी उसे खारिज कर दे रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपने 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। भाजपा ने उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को तारापुर से टिकट दिया है। वहीं, विजय सिन्हा को लखीसराय से उम्मीदवार बनाया गया है। लोकगायिका मैथिली ठाकुर भाजपा में शामिल हुई हैं, लेकिन प्रत्याशियों की पहली सूची में मैथिली ठाकुर का नाम नहीं है। भाजपा ने स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को सीवान से टिकट दिया है। पहली सूची में भाजपा ने नौ महिलाओं को अपना उम्मीदवार बनाया है। बिहार में 6 नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में विधानसभा चुनाव होना है जिसके नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। एनडीए ने बीते दिनों सीट बंटवारे का भी ऐलान कर दिया। बंटवारे के मुताबिक भाजपा और जदयू दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) 29 सीटों पर और जीतनराम मांझी की हम (से) एवं उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) 6-6 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

लालू ने जिन्हें टिकट दिया, बेटे ने उसे खारिज कर दिया

दूसरी तरफ, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इंडी गठबंधन में सीट बंटवारे पर अब तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने सोमवार 13 अक्टूबर को अचानक अपने पसंदीदा उम्मीदवारों को पार्टी टिकट बांट दिए। पिता की पसंद को नजरअंदाज करते हुए तेजस्वी यादव ने उसे खारिज कर दिया। लालू यादव दिल्ली की कोर्ट में पेशी के बाद पटना पहुंचे और जदयू छोड़ कर राजद में आए सुनील सिंह और नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बोगो को टिकट देने

▶10पर

जैसलमेर के पास हुआ भीषण सड़क हादसा

बस में लगी आग से 20 लोगों की दर्दनाक मौत

जैसलमेर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर जिले में थैयत गांव के पास जैसलमेर से जोधपुर जा रही एक बस में अचानक आग लग गई, जिसमें 20 से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पोकरण के भाजपा विधायक ने अबतक 20 मौतों की पुष्टि की है। हादसा दोपहर करीब 3:30 बजे जैसलमेर से लगभग 20 किलोमीटर दूर थैयत गांव के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस दोपहर करीब 3 बजे जैसलमेर से 50 से ज्यादा यात्रियों को लेकर रवाना हुई थी। थैयत गांव पार करते ही बस के पिछले हिस्से से धुआं उठता दिखा और कुछ ही पलों में पूरी बस आग की लपटों में घिर गई। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। कई लोग खिड़कियों और दरवाजों से किसी तरह बाहर निकले।

गांववालों और राहगीरों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने आसपास के जल स्रोतों से पानी और रेत की मदद से आग बुझाने की कोशिश की। इस बीच सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आग पर

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

पश्चिमी सेना कमान के कमांडर ले. जनरल कटियार ने कहा

ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा हिस्सा घातक और निर्णायक होगा

जम्मू, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सेना कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि पाकिस्तान में भारत से सीधे युद्ध की क्षमता नहीं है, लेकिन वह पहलगाम जैसी आतंकी घटनाएं दोबारा अंजाम दे सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की अगली कार्रवाई पहले से कहीं अधिक घातक और निर्णायक होगी।

पश्चिमी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर 2.0 पहले से अधिक घातक और शक्तिशाली होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान भारत से युद्ध लड़ने की स्थिति में नहीं है, लेकिन वह पहलगाम जैसी कायराना हरकतों की फिर कोशिश कर सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा, इस बार

डीजीएमओ ले. जनरल घई ने दिखाए पाकिस्तान के ध्वस्त ठिकाने

जो कार्रवाई होगी वह पहले से कहीं ज्यादा घातक होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है। पाकिस्तान की हजार घावों से भारत को कमजोर करने की नीति अब भी जारी है और भारतीय सेना इसके खिलाफ पूरी तरह तैयार है।

जनरल कटियार के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने पाकिस्तान के कई पोस्ट और एयरबेस तबाह कर दिए थे। लेकिन वह फिर से कोई साजिश कर सकता है। हमें सतर्क रहना होगा और हम पूरी तरह तैयार हैं। पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, पाकिस्तान फिर से पहले जैसी हरकत करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन उसमें हमारे सामने खुलकर लड़ने की हिम्मत नहीं है। भारतीय सेना पूरी तरह सतर्क है और किसी भी हमले को नाकाम करने के लिए तैयार है। इसके लिए हमें खासकर पूर्व सैनिकों और जनता के सहयोग की जरूरत है।

उन्होंने दोहराया कि जब तक पाकिस्तान की सोच नहीं बदलती,

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,29,980/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,81,630/- (प्रति किलोग्राम)

दिवाली के साथ साथ समृद्धि, कदम-कदम पर सफलता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु साउथ और जीतो बेंगलूरु नॉर्थ अध्यायों ने संयुक्त रूप से दिवाली के साथ साथ समृद्धि, कदम - कदम पर सफलता कार्यक्रम का आयोजन प्रिंसेस गोल्फ में किया, जिसका उद्देश्य सदस्यों और उनके परिवारों के बीच नेटवर्किंग और बंधन को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम को जीतो बेंगलूरु साउथ और जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के पदाधिकारियों और प्रबंध समिति द्वारा प्रायोजित किया गया था, और इसमें 2400 सदस्यों ने भाग लिया। शाम की शुरुआत नवकार मंत्र के पाठ के साथ हुई, जिसके बाद जीतो एपेक्स निर्देशकों, केकेजी जोन टीम, जीतो बेंगलूरु साउथ और जीतो बेंगलूरु नॉर्थ टीम, जेएलडब्ल्यू और जेईडब्ल्यू समिति, पूर्व अध्यक्ष और निर्देशकों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

रणजीत सोलंकी, चेयरमैन, जीतो बेंगलूरु साउथ ने सभी विशिष्ट अतिथियों, सदस्यों और परिवारों का स्वागत किया। उन्होंने पिछले वर्ष में जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा की गई गतिविधियों पर प्रकाश डाला, जिसमें आर्थिक सशक्तिकरण, व्यवसाय विकास, ज्ञान, सेवा और कनेक्ट पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने उल्लेख किया कि अध्याय ने जेबीएन, जेआईआईएफ, जेएफपी, सीएफई, जॉब्स, जेईएपी, जेआईटीईएम, जीतो स्पोर्ट्स, श्रमण आरोग्यम, सेवा, कनेक्ट, जेएटीएफ हॉस्टल और जीतो आवास निवास परियोजना सहित विभिन्न परियोजनाओं के तहत 176 कार्यक्रमों का आयोजन किया था। विमल कटारिया, चेयरमैन, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ ने भी उपस्थित लोगों का स्वागत किया और अपने अध्याय की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने आर्थिक सशक्तिकरण, ज्ञान, सेवा और कनेक्ट पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया, और सदस्यों को आगामी कार्यक्रमों, जिनमें रियल एस्टेट एक्सपो 2.0, जीतो जेवर 2.0, ब्राइडल स्टोरी और नए जीतो कार्यालय का उद्घाटन शामिल है, के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में एमसी भरत जैन और सुष्मिता सेठिया द्वारा आयोजित खेल, और साश द बैंड द्वारा एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला संगीत शामिल था। सदस्यों को अर्ली बर्ड गिफ्ट्स, खेल विजेताओं को गिफ्ट्स और सभी सदस्यों को रिटर्न गिफ्ट दिए गए। इस अवसर पर जीतो एपेक्स निर्देशक नरेंद्र सिंह, प्रवीण शाह, केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, मुख्य सचिव दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, जीतो बेंगलूरु साउथ के उपाध्यक्ष महेंद्र जियानी, महेंद्र रंका, राजकुमार कोठारी, राजेंद्र दांतेवाडिया, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के उपाध्यक्ष कमल पुनमिमया, दिनेश बाफना, जीतो बेंगलूरु साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया और जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के मुख्य सचिव विजय सिंघवी, बेंगलूरु साउथ के कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा और बेंगलूरु नॉर्थ के कोषाध्यक्ष नरेंद्र अच्छा, जीतो बेंगलूरु साउथ और नॉर्थ के प्रबंध समिति के सदस्य, जेएलडब्ल्यू साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसनी और जेएलडब्ल्यू नॉर्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, जेवाईडब्ल्यू साउथ के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमल और जेवाईडब्ल्यू नॉर्थ के चेयरमैन अनीश भोजानी, पूर्व चेयरमैन प्रकाशचंद सिंघवी, श्रीपाल खीवेंसरा, अशोक एस नागोरी, दिनेश बोहरा, इंदरचंद बोहरा, पूर्व एपेक्स निदेशक संजय धारीवाल, गौतम जैन, जयचंद बाफना, पूर्व केकेजी जोन चेयरमैन अशोक सालेचा और जीतो बेंगलूरु के पूर्व मुख्य सचिव किशोर जैन, महेश नाहर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक महेंद्र जियानी, कमल पुनमिया, अशोक भंडारी और कोमल भंडारी थे। इस कार्यक्रम को जीतो बेंगलूरु साउथ के नितिन लुनिया और जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के विजय सिंघवी ने संयुक्त रूप से संचालित किया।

हमारी चेतना इस संसार में परिभ्रमण कर रही: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि हमारी चेतना इस संसार में परिभ्रमण कर रही है। इस कारण मुक्ति नहीं मिल पा रही है। कभी एकांत में अपने जीवन का विश्लेषण व चिंतन करें कि अब तक जो कार्य किए उनकी उपयोगिता क्या है। हम अपनी धारणाओं का निर्माण कर उनको यर्थाथ मान लेते है। जबकि यर्थाथ हमारी धारणा से अलग भी हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है जब तक आत्मचिंतन नहीं करेंगे आत्मा संसार में परिभ्रमण करती रहेगी। बाहरी वस्तुओं से मन हटाना होगा। जड़ व चेतन में अंतर समझ नहीं आने तक कल्याण नहीं होगा। मानव जीवन पाने के लिए तो देवता भी तरसते है। ये हमारा सौभाग्य है कि हमे मानव जीवन प्राप्त हुआ है। हमे इस मानव जीवन का मूल्य समझ उसी अनुरूप आचरण करना चाहिए। खोया हुआ धन, बंगला, गाड़ी वापस मिल सकता है, लेकिन मानव जीवन का बीता हुआ समय लौटकर वापस नहीं आता है। उन्होंने कहा कि यह जो मानव जीवन मिला है वह बड़ा सुंदर है लेकिन इसकी सुंदरता को समझने की, जानने-पहचानने की खास जरूरत है। जो भी इंसान मानव जीवन के वास्तविक सत्य को समझ जाता है वह भगवान बन जाता है।

इसीलिए धर्म व आत्म आराधना में जीवन बिताना ही सार्थकता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि गृहस्थ जीवन में धर्म और धन दोनों की जरूरत होती है। वर्तमान में धन कमाने की होड़ में व्यक्ति धर्म को भूलता जा रहा है। वह पैसे कमाने के लिए अधर्म के मार्ग पर चलने से भी संकोच नहीं करता पर ये नहीं जानता कि धर्म के नाम पर प्रमाद व आलस्य करने पर कभी धन की प्राप्ति नहीं होंगी। धन मिल भी गया तो वह साताकारी नहीं होकर दुःख का कारण बनेगा। धन और धर्म दोनों के मध्य संतुलन बनाने पर ही गृहस्थी की गाड़ी मंजिल तक पहुचेंगी। उन्होंने कहा कि धन का सदुपयोग चार प्रकार का दान आहार दान, औषध दान, ज्ञान दान एवं अभय दान में किया जा सकता है। इस तरह का दान करने पर धर्म की प्राप्ति अवश्य होती है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि बेंगलूरु से मेघराज भंसाली, जयंतीलाल पटियात, हेमराज मोदी, विजयराज, कैलाश जैन, जेठमल जैन ने दर्शन वंदन का लाभ लिया। संघ की ओर से पूनमचंद, भंवरलाल, किशोरमल, मोहनलाल, चंद्रकांत ने स्वागत अभिनन्दन किया।

मास्टेरिंग व्हाट्सऐपिंग 2.0 में महिलाओं ने डिजिटल स्किल्स को निखारा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा मास्टेरिंग व्हाट्सऐपिंग 2.0 नामक एक शिक्षाप्रद एवं इंटरेक्टिव सत्र का सफल आयोजन आदर्श कॉलेज, न्यू ब्लॉक में किया गया। इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में 130 से अधिक उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी डिजिटल स्किल्स को निखारा। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को डिजिटल युग में अधिक दक्ष बनाना तथा व्हाट्सऐप के उन्नत फीचर्स के माध्यम से तकनीकी जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र के मंगलपाठ से हुई, जिसके पश्चात चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने स्वागत उद्बोधन दिया। को-कन्वीनर सिंपल हिंगड़ ने व्हाट्सऐप के विकास और उपयोग पर एक संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया, वहीं कन्वीनर ममता बंटिया ने प्रशिक्षक तनुजा मेहता का परिचय कराया। तनुजा मेहता ने सत्र का संचालन करते हुए व्हाट्सऐप की एडवांस फीचर्स, प्राइवेसी सेटिंग्स तथा नवीनतम मेटा एआई टूल्स के उपयोग पर लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया, जिससे प्रतिभागियों को नई तकनीक के साथ आत्मविश्वासपूर्वक कार्य करने की प्रेरणा मिली। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया। उन्होंने पूरे सत्र को उत्साहपूर्ण और अनुशासित बनाए रखा तथा अंत में आभार प्रदर्शन भी किया। इस अवसर पर जेबीएन एलटी टीम तथा कमेटी सदस्य सुमन रांका, साधना धोका, बिंदु नाहर, नंदा बाफना, अल्का जैन, स्वीटी जैन, संगीता नागोरी, संगीता जैन, प्रेमा रांका, नेहा भंडारी, सरिका जैन, मोना अंचलिया, ऋची कोठारी और अंजु धक्कड़ के समर्पित सहयोग की विशेष सराहना की गई, जिनके संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा।

मनुष्य का कर्म उसका पीछा कभी नहीं छोड़ता: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव के प्रसंग पर प्रभु के भव्य वाणी का रसा स्वादन चल रहा है। जिनव-ाणी का पारायण चल रहा है। उत्तराध्यन सूत्र प्रभु की अंतिम वाणी है।

उसको ग्रहण करने का प्रयास चल रहा है। अगर मनुष्य उसका कुछ हिस्सा भी जीवन में उतार ले तो उसका जीवन सुधार जाएगा। महावीर भगवान अगर तारे तो मानव तीर जाएगा। मानव का यह सुंदर काया उसका साथ देने वाला नहीं है।

इसलिए अगर प्रभु की वाणी के श्रवण का मौका मिला है तो जीवन को तार लेना चाहिए। संसार में रह कर मनुष्य ने सबको परख लिया है। प्रभु के अलावा कोई और तारने वाला नहीं है।

प्रभु वाणी का ही मनुष्य को सहारा है। भव सागर से तिरने का वाणी ही माध्यम है। तेरहवां अध्ययन चित्त संभूति है। जीवन के कांटा निकालने का माध्यम चित्त संभूति होती है। कांटा साधक को धर्म कार्य से रोकता है। माया, मिथ्यात्व और मिदान धर्म कार्य में रुकावट बनते हैं। मानव थोड़ा सा कर्म करके फल की उम्मीद करने लगता है। लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। कर्म करते रहना चाहिए। समय आने पर उसका फल अपने आप ही मिल जाएगा। जब तक मोह, मिथ्यात्व और मिदान से दूर नहीं होंगे धर्म कार्य में लगना मुश्किल है। यह रोड ब्रेकर की तरह अवरोधक पैदा कर रहे हैं। संसार रास्ता है यहां जन्म लेने वाला मारता है। जन्म और मरण के बीच जो जीवन को धर्म कार्य में लगाते हैं, उनका जीवन सफल हो जाता है। ज्ञानी कहते हैं कि ये सब विडंबना है।

संसार में रह कर मनुष्य मोह माया में लगा है। लेकिन यह बहुत बड़ी विडंबना है। वर्तमान में मनुष्य सजने संवरने में लगा है। लेकिन यह अंत समय में साथ देने वाला नहीं है। संसार की सभी विषय वासनाएं दुख कारी होती हैं। आज अच्छा लगता है लेकिन बाद में जानलेवा बन जाएगा। मनुष्य का शरीर पिंजरे जैसा है। सभी द्वार खुले है। फिर भी भीतर चेतन बैठा है जो दुख का मूल कारण है। दुख संकट आने पर दर्द कोई बांट नहीं सकता है। अपना दुख दर्द अपने को ही भोगना पड़ता है। मनुष्य का कर्म उसका पीछा करता रहता है। कर्म किसी को नहीं छोड़ता है। केवल सफेद वस्त्र पहनने से कोई साधु नहीं बन सकता है। साधु का मन पर नियंत्रण होना चाहिए।

साधु बनना बहुत आसान है लेकिन भगवान प्रभु के मार्ग पर चलना मुश्किल होता है। जो उनके मार्ग पर चलते हैं वही स्व भिक्षु होते हैं। सभा में जीतो द्वारा संचालित साधु भंगवंतों के स्वास्थ्य की जांच हेतु भगवान महावीर हॉस्पिटल के सदस्यों के साथ श्रमण आरोग्यम योजना के कन्वीनर दिनेश कुमार खीवेंसरा एवं कमेटी के सदस्य दिनेश लोढा, रूपचंद कुमट, सुनिल लोढ़ा, दिनेश पोरवाड़, चेतन झारमुथा, राकेश दांतेवाड़िया, सुरेन्द्र गुंदेचा और शंकर दक उप-स्थित रहे। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

वृहद् बेंगलूरु स्तरीय उजाला कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी के पावन सानिध्य में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सोमवार को वृहद् बेंगलूरु स्तरीय उजाला कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिसका विषय परंपरा और प्रगति में संतुलन था। साध्वीश्री जी द्वारा नमस्कार मंत्र एवं ओम भिक्षु जय भिक्षु के जप से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। मंडल की बहनों द्वारा सुंदर मंगलाचरण किया गया। अध्यक्ष मंजु बोथरा ने आगंतुकों का भावभरा स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए विषय पर अपने विचार रखें। प्रेरणा गीत का संगान सभी शाखा मंडलों की प्रतिनिधि बहनों द्वारा किया गया। सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने अपने विचार रखें। साध्वी श्री बोधिप्रभा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि परंपरा कभी बंधन नहीं होती। रूढ़िवाद को छोड़कर आत्मविश्वास के साथ जब महिलाएं कार्य करती हैं तो वह हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकती है। साध्वी श्री वर्धमानयशा जी ने सुमधुर गीत का संगान किया। इस विशिष्ट कार्यशाला के मुख्य वक्ता चेन्नई से पधारे अन्तर्राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश खटेड़ रहे। उन्होंने अपने प्रभावशाली वक्तव्य में कहा की परंपरा कभी रूढ़िवाद नहीं होनी चाहिए। जो परंपराएं गलत है उन्हें बढ़ावा नहीं देना चाहिए और जो सही है उन्हें समझ कर आगे बढ़ना चाहिए। पुस्तकीय ज्ञान ही शिक्षा नहीं, संस्कार सच्ची शिक्षा है। उजाला सूर्योदय के अगवानी में आता है। उजाला हमारी सुगती के संदेश का प्रतीक है। अभातेमम की सहमंत्री मधु कटारिया ने केन्द्र की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी तथा बेंगलूरु की सभी शाखा मंडलों का वर्ष में एक कार्यक्रम एक साथ करने की बात रखी। कार्यशाला के प्रायोजक हनुमानमल, संजय बैद परिवार से प्रेम बैद का सम्मान किया गया। मुख्य वक्ता राकेश खटेड़ का भी सम्मान किया गया। गांधीनगर, विजयनगर, राजाजीनगर, हनुमंतनगर, यशवन्तपुर, टी. दासरहल्ली क्षेत्रों से अध्यक्ष बहनें अपनी टीम सहित पधारीं। अभातेमम से रूचिका पटावरी, शशि नाहर की उपस्थिति रही। तेयुप से मंत्री संदीप बैद की उपस्थिति रही। कार्यशाला की संयोजिका मधु कटारिया ने सुनियोजित एवं व्यवस्थित रूप से कार्य संपादन किया। मंच का सुंदर संचालन मंत्री वंदना भंसाली एवं आभार सहमंत्री आशा लोढ़ा ने व्यक्त किया।

ज्ञान और आचरण का संतुलन ही सच्चे धर्म का आधार: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित साध्वी उपासनाजी ने बताया कि 'रथनेमीय' अध्ययन का केन्द्रीय विषय असंयम पर संयम की विजय है। इस अध्ययन में रथनेमि नामक व्यक्तित्व के माध्यम से इस सत्य को साकार किया गया है। रथनेमि, जैन धर्म के बाइसवें तीर्थंकर भगवान अरिष्टनेमि के सहोदर भ्राता थे। साध्वीजी ने कहा कि रथनेमि मुनि ने संसार का त्याग किया था, किंतु काम (विकार) की शक्ति इतनी प्रबल थी कि उसने उन्हें भी विचलित किया।

इससे यह स्पष्ट होता है कि संयम का सबसे बड़ा शत्रु काम है, और उसी पर विजय ही ब्रह्मचर्य की सफलता है। उन्होंने कहा कि काम को जीतना कठिन है, इसलिए जैन दर्शन में ब्रह्मचर्य को सर्वोत्तम तप कहा गया है। ब्रह्मचर्य आत्मा का स्वभाव है, जबकि काम विकार है यह जीवन को विकृत करने वाली और आत्मा को भवसागर में बांधने वाली शक्ति है। साध्वीजी ने कहा कि ब्रह्मचर्य के बल पर ही मनुष्य पतन से पावनता की ओर, शारीरिकता के अंधकार से आत्मिक निर्मलता के प्रकाश की ओर अग्रसर हो सकता है। यही वह विज्ञान है जो जीवन को उन्नति, शुद्धता और मोक्ष के मार्ग पर ले जाता है। रथनेमि और राजीमती दोनों ने साधना के बल से अंततः सिद्धता, बुद्धता और मुक्ति की प्राप्ति की। उनका जीवन सिखाता है कि आत्मसंयम ही विजय का प्रथम और अंतिम सूत्र है। साध्वी उपासनाजी ने इस अवसर पर कहा कि ज्ञान और आचरण का संतुलन ही सच्चे धर्म का आधार है। ज्ञान के बिना आचरण अधूरा है, और आचरण के बिना ज्ञान निष्प्रभ। साध्वी ऋषिता ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया। अंत में साध्वी निर्मलाजी ने मंगलपाठ दिया।

इस अवसर पर यशवंतपुर संघ अध्यक्ष सुमेरसिंह मुणोत, कार्याध्यक्ष नेमीचंद कटारिया, मंत्री रमेश बोहरा व अन्य उपस्थित रहे। आभार संघ अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया ने व्यक्त किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल द्वारा किया गया।

उपदेश वही सार्थक होते हैं जो आचरण में आते हैं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में उत्तराध्ययन सूत्र का विवेचन करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि उपदेश वही सार्थक होते हैं जो आचरण में आते हैं। प्रत्येक जीव में सिद्धत्व विराजमान होता है, इसलिए हम किसी का अपमान नहीं करें। हमारा अहंकार ही दूसरों का अपमान कराता है। गंभीर और धैर्य संपन्न व्यक्ति कभी भी आवेश में नही आता है। गंभीर व्यक्ति के वचन हीरे के समान होते हैं। सहनशक्ति गंभीर व्यक्ति का परिचय होती है। इंदुप्रभा जी ने आगे कहा कि हम अनंत काल से जन्म मरण और भव भ्रमण करते हुए अब मुकाम और किनारे तक पहुंच गए हैं। अब मात्र छलांग लगानी बाकी हैं। अभिमानी, क्रोधी, प्रमादी, रोगी और आलसी व्यक्ति ज्ञान के अयोग्य होते हैं। वैराग्य से वितरागता की साधना होती है। हम सरल बने। मात्र सहानुभूति नहीं बल्कि सामानुभूति रखना सीखें। अपने शब्दों का सोच समझ कर उपयोग करें। गलती हो तो माया रहित क्षमा मांगने का हौंसला भी रखें। प्रवचन सभा में के जी एफ आदि अनेक स्थानों के दर्शनार्थी उपस्थित थे। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर मिल रही धमकी: खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के आईटी-बीटी और ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा है कि पिछले दो दिनों से उन्हें और उनके परिवार को धमकियों, डराने-धमकाने और गंदी गालियों से भरे फोन आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह उत्पीड़न उनके द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को लिखे गए उस पत्र के बाद हुआ है जिसमें उन्होंने सरकारी संपत्तियों के परिसरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। यहां मंगलवार को उन्होंने कहा पिछले दो दिनों से मेरे फोन की घंटी बजना बंद नहीं हुई है। मुझे और मेरे परिवार को धमकियों, डराने-धमकाने और गंदी गालियों से भरे फोन आ रहे हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि मैंने सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक संस्थानों में आरएसएस की गतिविधियों पर सवाल उठाने और उन्हें रोकने की हिम्मत की। लेकिन मैं न तो विचलित हूँ और न ही हैरान। जब आरएसएस ने

महात्मा गांधी या बाबासाहेब अंबेडकर को नहीं बख्शा, तो वे मुझे क्यों बख्शेंगे? उन्होंने कहा अगर उन्हें लगता है कि धमकियाँ और व्यक्तिगत ताने मुझे चुप करा देंगे, तो वे गलतफहमी में हैं। यह तो अभी शुरू हुआ है। अब समय आ गया है कि बुद्ध, बसवन्ना और बाबासाहेब के सिद्धांतों पर आधारित एक ऐसा समाज बनाया जाए जो समानता, तर्क और करुणा पर आधारित हो और इस देश को सबसे खतरनाक वायरस से मुक्त करे। रविवार को, जिस दिन आरएसएस ने बेंगलूरु में कार्यक्रम आयोजित किए (जिनमें से कई स्कूल परिसरों और अन्य सरकारी परिसरों में आयोजित किए गए), खड़गे ने मांग की कि सरकारी संपत्तियों पर ऐसी गतिविधियों की अनुमति न दी जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा देश के बच्चों, युवाओं, जनता और समग्र समाज की भलाई के लिए, मैं विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूँ कि सरकारी संपत्तियों के परिसरों में आरएसएस द्वारा संचालित सभी प्रकार की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाए, चाहे वे शाखा, सांघिक या बैठक के नाम पर हों। सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु सरकार द्वारा आरएसएस की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के लिए उठाए गए कदमों का अध्ययन करने का निर्देश दिया है। इस बीच, मंत्री ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी भी संगठन पर प्रतिबंध लगाने की बात नहीं कही।

उन्होंने कहा मैंने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने के लिए कहां कहा है? वे सरकारी कॉलेजों, स्कूलों, विश्वविद्यालयों, मैदानों और पुरातात्विक स्थलों का इस्तेमाल किस लिए कर रहे हैं? वे छोटे बच्चों के दिमाग में जहर भर रहे हैं। वे उनमें धर्म की शिक्षा भर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे क्या प्रार्थना करनी चाहिए, क्या खाना चाहिए और क्या पहनना चाहिए, यह मेरे माता-पिता मुझे घर पर सिखाएँगे। स्कूलों में, उन्हें सीखना चाहिए। वे वहां शिक्षा के लिए आते हैं ताकि वे गरीबी से बाहर निकल सकें। खड़गे ने सवाल किया कि भाजपा नेताओं के बच्चे आरएसएस की शाखाओं में भाग क्यों नहीं लेते या गौरक्षक और धर्मरक्षक क्यों नहीं बनते। खड़गे ने कहा जब हम राज्य में हैं, तो सरकारी संपत्ति का इस्तेमाल सांप्रदायिक नफरत के बीज बोने के लिए नहीं किया जाएगा। आरएसएस कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शनों के मुद्दे पर, खड़गे ने कहा कि संगठन को केवल निजी स्थानों पर ही काम करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा उन्हें अपने घरों, निजी खेतों, किराए के होटल या जो भी वे चाहें, करने दें, लेकिन सांप्रदायिकता के बीज बोने और लोगों को धमकाने का यह सार्वजनिक प्रदर्शन ठीक नहीं है। वे यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे भारत के संविधान और देश के कानून से बड़े हैं। मुझे खेद है, वे नहीं हैं। खड़गे ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा आदेशित राज्य सरकार की समीक्षा पर भी बात की और कहा हम देखेंगे कि यह कैसे होता है। किसी भी स्थिति में, मुझे नहीं लगता कि आरएसएस के इस तरह के आयोजन को सार्वजनिक स्थानों पर अनुमति दी जानी चाहिए।

काला जादू दूर करने के बहाने चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुलीमावु पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है जो काला जादू दूर करने और खजाना दिलाने का झांसा देकर लोगों को ठगता था और फिर पूजा के बहाने उनके गहने लेकर फरार हो जाता था। गिरफ्तार आरोपी दादापीर (49) कोलार कस्बे का निवासी है। उसके पास से 53 लाख रुपये मूल्य के 485 ग्राम सोने के गहने जब्त किए गए हैं। आरोपी के खिलाफ आंध्र प्रदेश सहित राज्य के विभिन्न थानों में दस मामले दर्ज हैं। पूजा के बहाने वह लोगों घर जाता और अपने सारे गहने पूजा में डालने के लिए कहता। अगर लोगों पास कम गहने होते, तो वह उनको पड़ोस के घर से गहने लाने के लिए मना लेता और ठग लेता। पुलिस को सूचना मिली कि बन्नेरघट्टा मुख्य मार्ग पर कोली फार्म गेट बस स्टैंड के पास एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खड़ा है। पुलिस ने तुरंत मौके पर जाकर उस व्यक्ति से पूछताछ की, तो उसने बताया कि वह कोलार का रहने वाला है। जब उन्होंने उसके बैग की जाँच की और उसमें रखे

सोने के गहनों के बारे में पूछताछ की, तो उसने बताया कि वह चोरी का है और वह इन गहनों को बेचने के लिए ग्राहक की तलाश में था। जब उसे हिरासत में लेकर आगे की पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन ले जाया गया, तो उसने बताया कि उसने लोगों को काला जादू दूर करने और खजाना लूटने के लिए राजी किया था, और फिर गहनों को पूजा के लिए रख दिया और फिर उनकी जानकारी के बिना उन्हें चुरा लिया। उसने बताया कि चोरी के आधे गहने उसने कोलार स्थित अपने घर में रखे थे, और बाकी गहने शहर के बीटीएम लेआउट स्थित एक आभूषण की दुकान और महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एक आभूषण की दुकान में जमा कर दिए थे। जांच जारी रखते हुए, पुलिस ने उन दुकानों से लगभग 53 लाख रुपये के गहने जब्त किए हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के साथ, इंस्पेक्टर कुमारस्वामी और उनकी टीम ने हुलिमावु थाने में चोरी के दो मामलों, भद्रावती और बेल्लारी थानों में चोरी के चार-चार मामलों को सुलझाने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी के खिलाफ आंध्र प्रदेश में तीन मामले, होसकोटे और शिवमोग्गा में एक-एक मामला और गिरिनगर थाने में दो मामले दर्ज हैं।

बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवी के दर्शन के लिए उमड़े

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

हसनम्बा दर्शन महोत्सव के सार्वजनिक दर्शन के पाँचवें दिन, बड़ी संख्या में भक्त देवी के दर्शन करने पहुंचे और शुद्धि प्राप्त की है। इस महान शिष्टाचार का कड़ाई से पालन किया जा रहा है, और दर्शन सुचारू रूप से चल रहा है मानो सभी एक समान हों। राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में भक्त आ रहे हैं, कतारों में खड़े होकर दर्शन कर रहे हैं। खास बात यह है कि ये महान जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आम लोग कतारों में आकर दर्शन कर रहे हैं। जिला कलेक्टर लताकुमारी ने आम लोगों की तरह कुछ घंटों तक कतारों में खड़े होकर दर्शन किए। इसी तरह, फिल्म अभिनेत्री तारा अनुराधा, अंजलि, विधायक स्वरूप प्रकाश सहित कई

गणमान्य लोगों ने शिष्टाचार का पालन किया। सुबह चार बजे से कतारों में खड़े भक्तों को दो-तीन घंटे में दर्शन हुए। इसी तरह, जिन लोगों ने एक हजार रुपये के टिकट खरीदे थे, उन्हें भी एक घंटे के अंदर दर्शन हो गए। इस बार व्यवस्थाएँ बहुत ही चुस्त-दुरुस्त हैं और दर्शन बिना किसी परेशानी के हो रहे हैं, और भक्तों ने अपनी खुशी भी जताई है। यह खुशी की बात है कि दूर-दराज के शहरों से आए भक्तों को भी कुछ ही घंटों में दर्शन मिल रहे हैं। पीने का पानी, शौचालय, कतारें, छाया व्यवस्था, टिकट काउंटर और अन्य सुविधाएँ बहुत ही अनुशासन के साथ रखी जा रही हैं और लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

सीएम सिद्धरामैया पिछड़ों के हिमायती नहीं हैं: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दलितों और पिछड़े वर्गों के हिमायती नहीं हैं। बल्कि, वे दलित और पिछड़े वर्ग के ही हैं जिसको उन्होंने धोखा दिया है।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और सरकार के खिलाफ कई पोस्ट किए। उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि दशहरा के दौरान गुब्बारों का व्यापार करने गुलबर्गा से मैसूरु आई हक्कीपिक्की समुदाय की दस वर्षीय बच्ची के साथ हुई हृदयविदारक घटना ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। घटना के कई दिन बाद भी,

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की सरकार ने अनुसूचित जाति की नाबालिग बच्ची के साथ हुए इस अन्याय के लिए अभी तक कोई मुआवजा नहीं दिया है, न ही कम से कम उसके माता-पिता से मिलकर उन्हें सांत्वना देने का शिष्टाचार दिखाया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, आप खोखले भाषण तो नहीं दे रहे कि हम दलितों और पिछड़ों के पक्षधर हैं, क्या आपको अपने गृह जिले मैसूरु के मध्य में एक अनुसूचित जाति की लड़की के साथ हुआ घोर अन्याय नरजर नहीं आ रहा? एक तरफ तो आपने मैसूरु जिला पूरी तरह से अपने बेटे को सौंप दिया है और उसे तबादलों और कमीशन के धंधे में लगा दिया है। दूसरी तरफ, आप मंत्रियों को वसूली के लक्ष्य देने में ऐसे व्यस्त हैं मानो आप बेंगलूरु में रात्रिभोज और वसूली के लक्ष्य तय करके बिहार चुनाव में धावा बोलने की होड़ में हों और अक्टूबर क्रांति की मार से बच रहे हों। इस स्थिति में अगर राज्य में कानून-व्यवस्था नहीं बिगड़ेगी तो और क्या होगा? एक दलित लड़की की हत्या का खून आपके हाथों पर है। इस पाप का अभिशाप बिना सजा के नहीं रहेगा।

कलबुर्गी के लाइब्रेरियन ने वेतन न मिलने के कारण आत्महत्या कर ली, ठेकेदारों ने बिलों और तबादलों का भुगतान न होने के कारण आत्महत्या कर ली, कमीशनखोरी के कारण पुलिसकर्मियों और सरकारी अधिकारियों ने आत्महत्या कर ली, किसानों ने समय पर बाढ़ और सूखा राहत न मिलने के कारण आत्महत्या कर ली, और निगम-मंडलों से ऋण न मिलने के कारण माइक्रोफाइनेंस उत्पीड़न के कारण गरीबों ने आत्महत्या कर ली।

यह बर्बाद सिद्धरामैया सरकार राज्य को दिवालिया बना रही है और आम जनता को आत्महत्या और मौत की गारंटी का मौका दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि कन्नड़ लोग ऐसी कांग्रेस पार्टी को कभी वोट नहीं देंगे जो राज्य को स्थिर सरकार नहीं दे सकती।

अवैध पटाखों का भंडारण और बिक्री करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: पुलिस आयुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने चेतावनी दी है कि शहर में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण या बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि केवल परमिट प्राप्त करने वालों को ही पटाखों का उचित भंडारण और बिक्री करनी चाहिए और नियमों का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

अवैध रूप से रखे गए पटाखों को पहले ही जब्त कर लिया गया है और उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ इस बारे में चर्चा की है और एक बैठक भी की है। बेंगलूरु शहर में ड्रग्स की आपूर्ति कहाँ से हो रही है, इसका पता लगाने के लिए क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया है। उन्होंने कहा

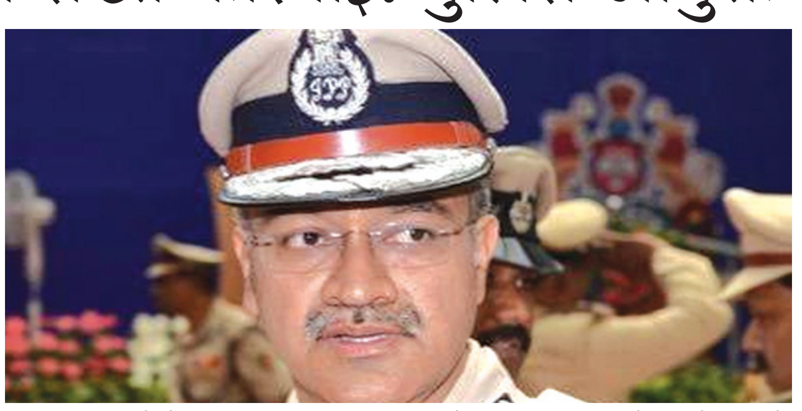

कि यह टीम पहले से ही अभियान चला रही है।

इस सप्ताह मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया और 2 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह 23.84 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए थे। उन्होंने चेतावनी दी कि ड्रग नेटवर्क को गंभीरता से लिया जा रहा है और निरंतर अभियान चलाकर ड्रग्स की आपूर्ति और बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस नामक कारखाने के अलावा प्रियांक खड़गे ने किस राष्ट्रवादी संगठन की सेवा की: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने मंत्री प्रियांक खड़गे पर पलटवार करते हुए उनसे सबूतों के साथ जानकारी देने को कहा है कि कांग्रेस नामक सत्ता-निर्माण कारखाने के अलावा आपने अपने जीवन में किस राष्ट्रवादी संगठन की सेवा की है। अपने सोशल नेटवर्किंग साइट पर मंत्री प्रियांक खड़गे पर तीखा हमला बोलते हुए विजयेंद्र ने सवाल किया कि क्या उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में हिंदू संगठनों के अलावा कभी किसी अन्य सांप्रदायिक संगठनों, आतंकवाद या मुस्लिम कट्टरपंथी संगठनों के कुकृत्यों की आलोचना या टिप्पणी की है? आप, जो सामाजिक संगठनों की पृष्ठभूमि के बिना सत्ता की राजनीति की छाया में रहे हैं, राष्ट्रवादी संगठनों की सेवा और इतिहास को कैसे जान सकते

हैं? आपका इरादा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आलोचना करना नहीं, बल्कि हिंदू धर्म का अपमान करना है। उन्होंने कहा क्योंकि आपको हिंदू धर्म को भूले हुए कई साल हो गए हैं, इसलिए आप हिंदू धर्म के प्रति शत्रुता और घृणा पाल रहे हैं। आपने रजाकारों की संस्कृति की आलोचना नहीं की, बल्कि, इसे पोषित करने वाली कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता के रूप में, आपने केवल राजनीतिक सत्ता का आनंद लेने के उद्देश्य से राष्ट्रवादी संगठन आरएसएस की राष्ट्र-विरोधी संगठनों के प्रतिनिधि के रूप में आलोचना और निंदा करना ही अपने जीवन का मिशन बना लिया है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि आप आरएसएस और राष्ट्रवादी संगठनों के खिलाफ नारे लगाने का काम निष्ठापूर्वक करके आलाकमान की पीठ थपथपाने की होड़ में लगे हुए हैं। प्रदेश भाजपा प्रियांक खड़गे पर तीखा हमला बोल रही है, जिन्होंने सरकारी स्कूलों, कॉलेजों, मंदिरों और अन्य परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा है।

देशपांडे ने सरकार की असलियत उजागर कर दी: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस विधायक आर.वी. देशपांडे द्वारा राज्य में विकास में गारंटियों के कारण आ रही रुकावटों को उजागर करना गलत नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि देशपांडे ने गारंटियों को लेकर विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सरकार की असलियत उजागर कर दी है। राज्य के मुख्यमंत्री ने बड़ा बजट दिया है और कहा है कि गारंटियों के लिए

60 हजार करोड़ रुपये रखे गए हैं, लेकिन अभी तक हर महीने पर्याप्त गारंटियाँ नहीं दी गई हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विकास पूरी तरह से बाधित है। विधायक मुनिरत्न के इस बयान पर कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी पर काला जादू किया गया है, उन्होंने कहा मैं इनमें से किसी भी बात पर विश्वास नहीं करता। हम बस इतना जानते हैं कि कैलाश सबसे ऊँचा पर्वत है। हम शिव के उपासक हैं और उनकी भक्तिपूर्वक पूजा करते हैं।

मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्या कहा। कर्म किसी को नहीं बख्शता। हम जो करते हैं, वही हमें वापस मिलता है। आरएसएस हमारे देश, भारत में समाज को एक अच्छी दिशा में ले जा रहा है। इसने बहुत अच्छा काम किया है। इसने पहले ही सौ साल पूरे कर लिए हैं। इसका इस्तेमाल राजनीतिक बयानों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा पर ईश्वर की कृपा है। उन्हें विश्वास है कि वे किसी भी समस्या पर विजय प्राप्त कर लेंगे। वे बहुत जल्दी ठीक हो गए हैं और घर लौट आए हैं। मणिपाल अस्पताल के डॉक्टरों का भी धन्यवाद। उनके प्रयास भी उतने ही सराहनीय हैं। करोड़ों कन्नड़ लोगों का आशीर्वाद, शुभकामनाएँ, प्यार और स्नेह देवेगौड़ा पर है। छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याएँ दूर हो गई हैं। प्रशंसकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

लोकायुक्त ने उडुपी आरटीओ अधिकारी के आवास पर छापा मारा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकायुक्त अधिकारियों ने मंगलवार सुबह उडुपी जिला सड़क परिवहन अधिकारी (आरटीओ) लक्ष्मीनारायण पी. नाइक के आवास पर अचानक छापा मारा। यह छापा कथित अनियमितताओं की जन शिकायतों के बाद मारा गया। अधिकारियों ने उडुपी के किन्निमुल्की स्थित उनके अपार्टमेंट के साथ-साथ कुमता (उत्तर कन्नड़ जिला) और पाडु अलेवूर

स्थित उनके रिश्तेदारों के आवासों की भी तलाशी ली। कुमता निवासी लक्ष्मीनारायण पी. नाइक वर्तमान में उडुपी में आरटीओ अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। उनके आवास के अलावा, लोकायुक्त टीम ने कथित तौर पर मामले के सिलसिले में पाडु अलेवूर निवासी रवि के घर की भी तलाशी ली। छापे और उसके निष्कर्षों के बारे में आगे की जांच पड़ताल जारी है।

परियोजना अनुमान तैयार करने में देरी से धारवाड़ जिला सचिव नाराज

कार्यकारी अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने का आदेश

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार के पंचायत राज इंजीनियरिंग विभाग के एक कार्यकारी अभियंता द्वारा तीन महीने पहले एक परियोजना को मंजूरी मिलने के बावजूद अनुमान तैयार न करने पर गंभीर आपत्ति जताते हुए, धरवाड़ जिला प्रभारी सचिव डॉ. राम प्रसाद मनोहर ने संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। धारवाड़ के जिला पंचायत हॉल में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, डॉ. राम प्रसाद मनोहर ने बताया कि हालाँकि कार्ययोजना को तीन महीने पहले मंजूरी मिल गई थी, लेकिन कार्यकारी अभियंता अनुमान सूची तैयार करने में विफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप अनावश्यक देरी हुई। उन्होंने बताया कि जिला पंचायत के 20 करोड़ के अनटाइड ग्रांट और 8 करोड़ के लिंक दस्तावेज अनुमान राशि को जुलाई के पहले सप्ताह में मंजूरी दी गई थी। लेकिन अब तक अनुमान सूची तैयार नहीं की गई है। स्वीकृत कार्ययोजना का काम अक्टूबर के अंत तक शुरू होना चाहिए। अन्यथा, संबंधित अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने के लिए कर्नाटक सरकार को सिफारिश की जाएगी। धारवाड़ जिले में उच्च मातृ मृत्यु दर पर चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को इसे कम करने के लिए निवारक उपाय करने के निर्देश दिए। एसएसएलसी छात्रों के उत्तीर्ण प्रतिशत में कमी पर, उन्होंने कहा कि यदि पिछले वर्ष की तुलना में परिणामों में कम से कम 10 प्रतिशत की वृद्धि नहीं हुई, तो सरकारी छात्रावासों के वार्डनों और तालुका स्तर के अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रभारी सचिव ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि चालू वित्तीय वर्ष के सभी चल रहे कार्य और परियोजनाएँ निर्धारित समय के भीतर क्रियान्वित की जाएँ, और अनुदान राशि समाप्त होने पर संबंधित अधिकारी को उत्तरदायी ठहराने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम तालुकावार और इकाईवार कार्यों का निरीक्षण करे ताकि नियमों का अनुपालन सुनिश्चित हो सके। यह बताते हुए कि धारवाड़, उपायुक्त के नेतृत्व में संयुक्त फसल हानि सर्वेक्षण पूरा करने वाला कर्नाटक का पहला जिला बन गया है, उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि किसानों के बैंक खातों में शीघ्र मुआवजा जमा हो। सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण के संबंध में, उन्होंने 18 अक्टूबर तक शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। उपायुक्त दिव्या प्रभु जी.आर.जे. ने बताया कि फसल क्षति सर्वेक्षण पूरा होने के बाद, पात्र किसानों के नाम मुआवजा पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं। उपायुक्त ने बताया कि संयुक्त सर्वेक्षण के अनुसार, 97,000 हेक्टेयर भूमि पर फसल क्षति दर्ज की गई है और 85 करोड़ के मुआवजे की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि कर्नाटक सरकार ने अब तक 22 करोड़ जारी कर दिए हैं और धनराशि वितरित की जा रही है।

सरकार ने महेश शेट्टी के खिलाफ निष्कासन आदेश को कानूनी और न्यायोचित बताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सौजन्या की मौत के लिए न्याय की मांग कर रहे अभियान का नेतृत्व कर रहे महेश शेट्टी को राज्य से बाहर करने के अपने फैसले का राज्य सरकार ने बचाव किया है। सरकार ने कहा है कि यह आदेश पूरी कानूनी प्रक्रिया के अनुसार जारी किया गया था और इसमें प्राकृतिक न्याय के किसी भी सिद्धांत का उल्लंघन नहीं किया गया। शेट्टी को रायचूर जिले के मानवी में एक साल तक रहने का निर्देश देने वाले इस निष्कासन आदेश को उन्होंने कर्नाटक उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। यह याचिका सोमवार को न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज की एकल पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता तारानाथ पुजारी ने दलील दी कि निष्कासन आदेश में कई प्रक्रियागत खामियां हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और गृह विभाग दोनों ही शेट्टी के खिलाफ कार्रवाई करते दिख रहे हैं। पुजारी ने कहा कि शेट्टी के खिलाफ आपराधिक मामलों का कोई विवरण नहीं दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें लगभग दस मामलों में पहले ही बरी किया जा चुका है, जबकि दो अन्य मामलों में 'बी' रिपोर्ट दायर की जा चुकी है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि लोकसभा चुनावों के दौरान शेट्टी द्वारा हिंसा भड़काने के दावों का कोई ठोस सबूत नहीं है और यह दावा कि गवाहों को उनके कारण सामने आने का डर था, झूठा है। इन दलीलों का खंडन करते हुए, महाधिवक्ता के. शशिकिरण शेट्टी ने कहा कि शेट्टी के वकील द्वारा प्रस्तुत दलीलें गलत थीं। उन्होंने कहा कि एक स्थानीय निवासी होने के नाते, सौजन्य आंदोलन के बैनर तले शेट्टी की गतिविधियां लोगों को अच्छी तरह से ज्ञात थीं। महाधिवक्ता ने जोर देकर कहा कि सरकार ने प्राकृतिक न्याय का उल्लंघन नहीं किया है और निष्कासन आदेश बिना किसी प्रक्रियागत चूक के जारी किया गया था। दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इसने पहले जारी किए गए अंतरिम आदेश को भी बढ़ा दिया, जो अधिकारियों को निष्कासन आदेश के संबंध में शेट्टी के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोकता है।

तेयुप विजयनगर को मिला सर्वश्रेष्ठ परिषद् पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के पावन सानिध्य में आयोजित 59वें वार्षिक अधिवेशन एकत्व में तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर को 366 शाखा परिषदों में सत्र 24-25 में कृत कार्यों हेतु सर्वश्रेष्ठ परिषद के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही एमबीडी में उत्कृष्ट कार्य हेतु अभ्यर्थना एक क्रांति जाप 1.0, अभ्यर्थना एक क्रांति जाप 2.0, कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग एलाइन, सम्यक दर्शन कार्यशाला में थर्ड स्थान के लिए, डब्ल्यूएचओ एम आई के आयोजन के लिए, व्यक्तित्व विकास कार्यशाला के लिए, जैन संस्कार विधि में स्टार परफॉर्मेंस परिषद, कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग जूनियर के लिए, आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल की शुरुआत के लिए, एमबीडी में स्पेशल परफॉर्मेंस के लिए, मेक योर मार्क व्यक्तित्व कार्यशाला के लिए, कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग के लिए भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर परिषद् निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चोपडा ने मंत्री संजय भटेवरा को गत कार्यकाल की सम्पूर्ण प्रबंध मंडल, कार्यसमिति सदस्य, परामर्शक गण, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, शाखा प्रभारी रोहित कोठारी, पूर्व अध्यक्ष गण, वर्तमान अध्यक्ष विकास बाँठिया समेत सभी अर्थ सहयोगीयों को सर्वश्रेष्ठ परिषद् का अवार्ड समर्पित करते हुए आभार जताया। साथ ही गत वर्ष में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी, वर्तमान में विजयनगर सभाभवन में विराजित साध्वी संयम लता जी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा हेतु कृतज्ञता ज्ञापित की।

पूरे राज्य में फैला फर्जी ई-चालान घोटाला

साइबर अपराधियों ने ट्रैफिक पुलिस बनकर लाखों लुटे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में साइबर अपराध की एक नई लहर चल रही है, जहाँ ट्रैफिक पुलिस बनकर धोखेबाज सरकारी ई-चालान प्रणाली का फायदा उठाकर आम नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। बेंगलूरु, बेलगावी, शिवमोग्गा और अन्य जिलों के निवासी पहले ही लाखों रुपये गँवा चुके हैं, जो एक व्यापक और चिंताजनक घोटाला बनता जा रहा है। इस ठगी में मोबाइल फोन पर फर्जी ट्रैफिक जुर्माना संदेश भेजना शामिल है, जिसमें अक्सर यह दावा किया जाता है कि उपयोगकर्ता का चालान बकाया है। इन संदेशों में एक एपीके (एंड्रॉइड एप्लिकेशन पैकेज) फाइल का लिंक होता है, जिसे पीड़ितों को जुर्माना देखने या भुगतान करने के लिए डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। एक बार इंस्टॉल हो जाने पर, यह दुर्भावनापूर्ण ऐप पीड़ित के फोन पर पूरा नियंत्रण कर लेता है, जिससे साइबर अपराधियों को बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी और एसएमएस संदेशों सहित संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा तक पहुँच मिल जाती है। बेलगावी में, कई ड्राइवरों ने ऐसे भ्रामक संदेश प्राप्त करने की सूचना दी है। एक मामले में, एक स्थानीय ड्राइवर ने ट्रैफिक पुलिस का ऐप डाउनलोड करने के बाद 40,000 रुपये गँवा दिए। उन्होंने कहा संदेश आधिकारिक लग रहा था। इसमें लिखा था कि मेरे जुर्माने बकाया हैं और उन्हें चुकाने के लिए मुझे ऐप डाउनलोड करना होगा। मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि इससे मेरे फोन पर किसी का नियंत्रण हो जाएगा। शिवमोग्गा के एक निवासी ने हाल ही में अपने ट्रैफिक चालान की पुष्टि के लिए ऐसा ही एक फर्जी ऐप डाउनलोड करने के बाद अपने दो अलग-अलग बैंक खातों से 1.5 लाख रुपये गँवा दिए। उन्होंने कहा ऐप असली लग रहा था। मैं बस यह देखना चाहता था कि कोई जुर्माना बकाया तो नहीं है। कुछ ही मिनटों बाद, मेरे बैंक खाते खाली हो गए। शुरुआती जाँच के अनुसार, ये घोटाले आधिकारिक संचार की नकल करने के लिए सोच-समझकर रचे जाते हैं। धोखेबाज पीड़ितों को चकमा देने के लिए वैध सरकारी स्रोतों से मिलते-जुलते नामों और फॉर्मेट का इस्तेमाल करते हैं। बसवेश्वरनगर और बेलगावी सहित पूरे राज्य में पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज किए हैं और जाँच जारी रखे हुए है। साइबर अपराध प्रकोष्ठों को भी सतर्क कर दिया गया है और वे इन हमलों के स्रोत का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध संदेश या वित्तीय अनियमितताओं की तुरंत सूचना देने का आग्रह किया है। जैसे-जैसे यह घोटाला अपने पैमाने और जटिलता में बढ़ता जा रहा है, आगे होने वाले नुकसान को रोकने के लिए जन जागरूकता और डिजिटल सावधानी जरूरी है। अब जब आम नागरिक भी निशाना बन रहे हैं और लाखों का नुकसान हो चुका है, तो फर्जी ई-चालान घोटाला साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली नई रणनीतियों की एक कड़ी याद दिलाता है और मजबूत डिजिटल साक्षरता की तत्काल आवश्यकता की ओर इशारा करता है।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ राजस्थान संघ कर्नाटका ट्रस्ट द्वारा पिछले 25 वर्षों से दान दाताओं के सहयोग से वर्तमान में 1 मोक्ष रथ व 4 मोक्ष वाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा हेतु बेंगलूरु शहर के विभिन्न इलाकों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। यह सेवा निभाव दानदाताओं के सहयोग से होता हैं। इस क्रम में संघवी श्रीपाल विरमचंद खांटेड परिवार उम्मेदाबाद गोल निवासी शांति श्री मार्केटिंग तिरुचि बेंगलूरु ने 1 वर्ष मोक्ष वाहिनी के राखरखाव का लाभ लिया। ट्रस्ट द्वारा लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट करते हुए मोमेंटो से सम्मान किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, मंत्री कमल पुनमिया, अनिल संकलेचा, जिनेश मेहता, सुरेश धोका, भोपाल सोनवाडिया और आनंदराव आदि लोग उपस्थित रहे।

रोटरी स्कूल में किया पौधारोपण

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पर्यावरण जागृती वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में रोटरी स्कूल परिसर में पौधा रोपण किया गया। अध्यक्ष राजपुरोहित ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षार-ोपण अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह हमें शुद्ध हवा देता है। जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करता है। साथ ही जैव विविधता को बढ़ाता है। पेड़ मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। भूजल स्तर को बढ़ाते हैं और वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करते हैं। वृक्षारोपण से हमारा पर्यावरण हरा-भरा और स्वस्थ बनता है, जो भावी पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करता है। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को सोखते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जो जीवन के लिए आवश्यक है। यह हवा से हानिकारक प्रदूषकों को हटाकर वायु को शुद्ध करते हैं। जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने से ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। ये वातावरण से अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं। पेड़ वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करते हैं और जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं, जो पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को बांधकर रखती हैं, जिससे मिट्टी का कटाव रुकता है। इससे भूजल स्तर में भी वृद्धि होती है। इस अवसर पर विजय कुमार, कृष्ण गौड़ा, होम्बे गौड़ा, सिद्ध राजू, दासे गौड़ा, मरी गौड़ा, नंजुंड स्वामी और गोपी कृष्ण आदि लोग उपस्थित रहे।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज कल्याण कर्नाटक का करेंगी दौरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार से कल्याण कर्नाटक के दो दिवसीय दौरे पर हैं। निर्मला सीतारमण कल्याण कर्नाटक के कलबुर्गी, बीदर, कोप्पल, बल्लारी, रायचूर और यादगिरी जिलों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगी। अपने दौरे के दौरान, वह किसान नेताओं, किसान केंद्रों, कृषि प्रशिक्षण केंद्रों, कृषि उत्पाद प्रसंस्करण केंद्रों का दौरा करेंगी और चर्चा करेंगी। वित्त मंत्री ने राज्य का यह दौरा एनडीआरएफ बाढ़ राहत के लिए राज्य की ओर से केंद्र को पत्र लिखने की तैयारियों के मद्देनजर किया है। उन्होंने कहा मैं बुधवार से कल्याण कर्नाटक के विभिन्न जिलों का दौरा कर रही हूँ। वहाँ कृषि उत्पादों के लिए मूल्य संवर्धन इकाइयां स्थापित की गई हैं, और मैं उक्त किसान प्रशिक्षण केंद्रों और सामान्य सुविधा केंद्रों का दौरा कर उनकी उत्पादन गतिविधियों का अवलोकन करूंगी। निर्मला सीतारमण ने कहा कि मेरे सांसद के स्थानीय क्षेत्र विकास कोष से कल्याण कर्नाटक के सात जिलों में एक-एक इकाई स्थापित की गई है। इस दौरे के दौरान विजयनगर, बल्लारी, कोप्पल और रायचूर जिलों में इकाइयों का उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने लिखा मैं उन किसानों से मिलने के लिए उत्साहित हूं, जिन्हें इन कृषि प्रसंस्करण केंद्रों से प्रशिक्षण मिला है और लाभ मिला है। साथ ही मैं किसान उत्पादक संघों और उनके परिवारों से भी मिलने के लिए उत्साहित हूं।

हाइड्रोपोनिक गांजा ले जाने के आरोप में मेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्री को हिरासत में लिया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ ने एक घरेलू यात्री को उसके चेक-इन सामान में हाइड्रोपोनिक गांजा पाए जाने पर हिरासत में ले लिया। सूत्रों के अनुसार, सूचना मिली थी कि 13 अक्टूबर को शाम 6.10 बजे इंडिगो की उड़ान से मुंबई से आए शंकर नारायण पोद्दार नामक एक घरेलू यात्री के पास मादक पदार्थ हो सकता है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सीआईएसएफ की सीआईडब्ल्यू टीम ने शिफ्ट आईसी और जीओ आईसी के साथ मिलकर यात्री को उसके आगमन पर हिरासत में ले लिया। आगे की पूछताछ में, उसके चेक-इन सामान से लगभग 512 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। इसके बाद सीआईएसएफ ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), बेंगलूरु और स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी। हिरासत में लिए गए यात्री को, लगभग 500 ग्राम वजनी जब्त पदार्थ के साथ, आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए बाजपे पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत, दक्षिण पश्चिम रेलवे (दक्षिण पश्चिम रेलवे) ने छात्रों में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता जैसे मूल मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला आयोजित की। विभिन्न स्कूलों के कुल 102 छात्रों ने इन आयोजनों में उत्साह-पूर्वक भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में 52 छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की, जबकि 24 छात्रों ने चित्रकला प्रतियोगिता में अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया और 26 छात्रों ने निबंध लेखन प्रतियोगिता के माध्यम से नैतिक मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। इन आयोजनों ने युवा मन को नैतिक आचरण के महत्व और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण की सामूहिक जिम्मेदारी पर चिंतन करने का एक मंच प्रदान किया। दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी ए. अन्नादुरई ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। सतर्कता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और छात्रों के साथ बातचीत की, उन्हें जीवन के सभी क्षेत्रों में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा पर दो आतंकवादी मारे गए

जम्मू, 14 अक्टूबर (ब्यूरो)।

सेना ने एलओसी पर घुसपैठ का प्रयास करने वाले दो पाक परस्त आतंकियों को ढेर कर दिया। अन्य घुसपैठियों के साथ अंतिम समाचार मिलने तक मुठभेड़ जारी थी। जबकि सेना ने इसकी पुष्टि की है कि एलओसी के पार सैंकड़ों आतंकी घुसपैठ करने को तैयार हैं जो बर्फबारी से पहले इस ओर आने की कोशिश करेंगें।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार सुबह उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा अर्थात एलओसी पर संदिग्ध गतिविधि के बाद सुरक्षा बलों द्वारा की गई गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए। सुबह उस समय गोलीबारी शुरू हुई जब सैनिकों ने सीमा पर तारबंदी के पास हलचल देखी। जैसे ही घुसपैठियों का दल एलओसी पार करने लगा तो जवानों ने उन्हें ललकारा। इस पर घुसपैठियों ने भागने का प्रयास किया और जवानों का ध्यान भटकाने के लिए गोलीबारी की। भारतीय जवानों ने भी जवाबी फायर किया। दोनों पक्षों के बीच लगभग 40 मिनट तक रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। जब आतंकियों की ओर से गोलीबारी बंद हुई, तो जवानों ने भी जवाबी फायर रोक दिया। जवानों ने गोलीबारी वाले क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया, जो देर रात से जारी है। अधिकारी ने बताया कि आतंकवादी गोलीबारी कर रहे थे और इस मुठभेड़ में दोनों को मार गिराया गया।

राज्यसभा चुनाव में नेकां को समर्थन का संकट

विधानसभा उपचुनाव में अपने ही नहीं करेंगे प्रचार

जम्मू, 14 अक्टूबर (ब्यूरो)।

प्रदेश में सत्ताधारी नेशनल कांफ्रेंस घोर राजनीतिक संकट में फंस गई है। राज्यसभा चुनावों में यहां कांग्रेस सीट शेयरिंग को लेकर नाराज हो चुकी है तो पीडीपी के तीन विधायकों का मूड बदला हुआ है। यही नहीं सरकार को बाहरी समर्थन देने वाले अन्य विधायक भी अब पांसा पलटते नजर आ रहे हैं। यही नहीं अगले महीने 2 सीटों पर होने जा रहे विधानसभा के उप चुनावों में उसके अपने ही प्रचार करने से इंकार कर रहे हैं।

अब यह सामने आ गया है कि जम्मू कश्मीर प्रदेश की राज्यसभा में चार सीटों के लिए होने वाले मतदान से पीपुल्स कान्फ्रेंस दूर रहेगी। इसकी पुष्टि मंगलवार को स्वयं पीसी चेयरमैन सज्जाद गनी लोन ने करते हुए कहा कि कोई कुछ भी कहे, लेकिन मैं नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उम्मीदवार को कभी वोट नहीं दूंगा। लोन ने कहा, मैं कभी भी नेकां को वोट नहीं दूंगा। अगर मैं नेशनल कांफ्रेंस को वोट दूंगा तो अपने कार्यकताओं का, कश्मीर की जनता का सामना कैसे करूंगा। हम नेकां के गुलाम नहीं हैं जो उकसावे और बहकावे में आएं। उन्होंने कहा कि मौजूदा नेशनल कांफ्रेंस की सरकार, जम्मू कश्मीर में अब तक की सबसे विफल सरकार है। अगर अगर कांग्रेस या कोई अन्य पंथनिरपेक्ष दल अपना उम्मीदवार उतारता, तो मैं उसे वोट देता।

यही नहीं निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए मतदान की शर्तों ने कांग्रेस के भीतर क्रास-वोटिंग की संभावना को लेकर चिंताएं पैदा कर दी हैं। एक कांग्रेसी नेता ने सवाल किया कि जब हम सत्ता में नहीं हैं और सिर्फ बाहरी समर्थन दे रहे हैं, तो हम निर्दलीय उम्मीदवारों पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन करने वाले 53 विधायकों में से पांच निर्दलीय हैं। चुनाव नियमों के अनुसार, निर्दलीय विधायकों को अपने चिह्नित मतपत्र दिखाने की आवश्यकता नहीं होती, जबकि पार्टी से जुड़े विधायकों को अपने वोट अधिकृत एजेंटों को दिखाने होते हैं।

इस बीच एक और राजनीतिक झटके के तौर पर बडगाम विधानसभा सीट का उपचुनाव सत्ताधारी नेशनल कांफ्रेंस के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। पार्टी के बागी नेता और श्रीनगर-बडगाम संसदीय क्षेत्र के सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी बातों का जवाब नहीं मिलेगा, वे चुनाव प्रचार में भाग नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि वे केवल एक मतदाता के रूप में चुनाव में भाग लेंगे। उन्होंने अपने राजनीतिक सिद्धांतों और वैचारिक प्रतिबद्धताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वे अपने सिद्धांतों को नहीं तोड़ना चाहते। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर आरोप लगाया कि वह चुनावी वादों को पूरा करने में असमर्थ रहा है। मतदाताओं के साथ जुड़ाव विश्वास और जवाबदेही पर आधारित है। उन्होंने कहा कि वे अपने वोट का मालिक हैं और स्वतंत्र रूप से निर्णय लेंगे। आगा सैयद रुहुल्ला ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी चिंताओं का समाधान नहीं होता, वे चुनाव प्रचार में शामिल नहीं होंगे। उनका निर्णय सिद्धांत पर आधारित है, न कि राजनीतिक रणनीति पर।

बिना गारंटी दस करोड़ का ऋण देगी दिल्ली सरकार : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि उद्यमियों को बिना किसी गारंटी के दस करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध करायेगी।

श्रीमती गुप्ता ने मंगलवार को यहां 'पहले इंडिया फाउंडेशन' द्वारा आयोजित 'भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने' विषय पर रिपोर्ट विमोचन में कहा कि यह रिपोर्ट अनगिनत महिलाओं की जीवंत कहानियों का दस्तावेज़ है जिन्होंने सीमित साधनों में भी अपनी मेहनत, संकल्प और आत्मविश्वास से सफलता की नई मिसालें रची हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत की आधी आबादी केवल सहभागिता नहीं कर रही बल्कि राष्ट्रनिर्माण की अगुवाई कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने उद्यमिता को नई उड़ान देने के लिए बिना किसी कोलेट्रल सिक्योरिटी के दस करोड़ तक का लोन देने की पहल की है। यह योजना विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और व्यापारियों के लिए आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का सशक्त माध्यम बनेगी।

न्याय पाने को भटक रहा है पूरन कुमार का परिवार : प्रियंका

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि आत्महत्या करने वाले हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिवार के सदस्य न्याय पाने के लिए दर दर भटक रहे हैं लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

श्रीमती वाड्रा ने मंगलवार को यहां सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाना चाहिए लेकिन परिवार के लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। वे दर दर की ठोकरें खा रहे हैं मगर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है।

उन्होंने लिखा हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने हाल ही में जातिगत उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। उनका परिवार न्याय के लिए भटक रहा है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह पूरा प्रकरण इस बात का सबूत है कि भाजपा राज में ऊंचे पदों पर पहुंचकर भी दलित समाज के लोग सुरक्षित नहीं हैं और न ही उनके लिए न्याय है। ऐसी शर्मनाक घटनाएं देश और समाज के लिए कलंक हैं।

श्रीमती वाड्रा ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चंडीगढ़ में वाई पूरन कुमार के परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनका दुख साझा करते हुए इस मामले में सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

मंगोलिया के नागरिकों को निशुल्क ई-वीजा देगा भारत: मोदी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को मंगोलिया के विकास में मजबूत और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के मौके पर मंगोलिया के नागरिकों के लिए निशुल्क ई - वीजा की घोषणा की है।

श्री मोदी ने भारत की यात्रा पर आए मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि भारत मंगोलिया के विकास में एक दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हुरेलसुख की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष और रणनीतिक भागीदारी के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह वर्ष के बाद मंगोलिया के राष्ट्रपति का भारत आना अपने आप में एक बहुत विशेष अवसर है।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि भारत मंगोलिया के नागरिकों को निः शुल्क ई-वीजा देगा और हर वर्ष मंगोलिया से युवा 'कल्चरल एम्बेसडर्स' की भारत यात्रा की भी व्यवस्था करेगा।

श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच दस वर्ष पहले हुई रणनीतिक साझेदारी का विस्तार हुआ है और यह प्रगाढ हुई है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा , भारत और मंगोलिया के संबंध केवल राजनयिक नहीं है यह हमारे बीच आत्मीय और आध्यात्मिक बंधन है। हमारे संबंधों की असली गहराई और व्यापकता हमारे लोगों के बीच संपर्क में दिखाई पड़ती है।

प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच अध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों - सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेष भारत से मंगोलिया भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत मंगोलिया की 'गंदन मॉनेस्टेरी' में एक संस्कृत शिक्षक भी भेजेगा ताकि वहां के बौद्ध ग्रंथों का गहराई से अध्ययन किया जा सके और प्राचीन ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाया जा सके

श्री मोदी ने मंगोलिया में बौद्ध धर्म के लिए नालंदा विश्वविद्यालय की अहम भूमिका का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि नालंदा और 'गंदन मॉनेस्टेरी' को साथ जोड़कर हम इस ऐतिहासिक संबधो में एक नयी उर्जा लायेंगे।

इस अवसर पर दोनों नेताओं ने वृक्षारोपण भी किया। श्री मोदी ने कहा , राष्ट्रपति हुरेलसुख ने अपनी स्वर्गीय माताजी के नाम पर जो वटवृक्ष लगाया है, वह आने वाली कई पीढ़ियों तक हमारी गहरी मित्रता और पर्यावरण के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक रहेगा।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार जरूरी, भारत नियम आधारित व्यवस्था का पक्षधर : राजनाथ

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं में सुधारों की पुरजोर वकालत करते हुए कहा है कि विश्वास के संकट का सामना कर रही यह संस्था मौजूदा वास्तविकताओं के अनुरूप नहीं होने के कारण चुनौतियों से निपटने में विफल रही है।

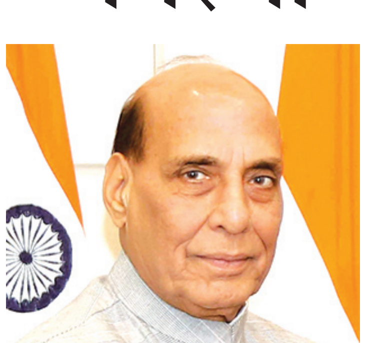

रक्षा मंत्री ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि कुछ देश खुलेआम अंतर्राष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर अपना दबदबा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री सिंह ने मंगलवार को यहां भारतीय सेना द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में यह बात कही। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र में शांति सैनिकों का योगदान देने वाले देशों के सेना प्रमुखों को संबोधित करते हुए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के पुराने बहुपक्षीय ढांचे पर सवाल उठाते हुए इसमें सुधारों की वकालत की। उन्होंने कहा, हम आज की चुनौतियों का सामना पुराने बहुपक्षीय ढांचों से नहीं कर सकते। व्यापक सुधारों के बिना, संयुक्त राष्ट्र विश्वास के संकट का सामना कर रहा है। आज की परस्पर जुड़ी दुनिया के लिए, हमें एक सुधारित बहुपक्षवाद की आवश्यकता है, जो आज की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करे, सभी हितधारकों की आवाज बनें, समकालीन चुनौतियों का समाधान करे और मानव कल्याण पर केंद्रित हो।

कुछ देशों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नियमों की खुलेआम धज्जी उडाये जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत पुरानी अंतर्राष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को मज़बूती से कायम रखने में मज़बूती से खड़ा है। उन्होंने कहा, आजकल, कुछ देश खुलेआम अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, कुछ उन्हें कमज़ोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ अपने नियम बनाकर अगली सदी पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। इन सबके बीच, भारत पुरानी अंतर्राष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए, अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को मज़बूती से कायम रखने में मज़बूती से खड़ा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुरूप सैन्य योगदान देने वाले देशों की अधिक भूमिका की वकालत करने वाली एक आवाज़ है। उन्होंने कहा, जो लोग क्षेत्र में सेवा करते हैं और जोखिम उठाते हैं, उन्हें अपने मिशनों का मार्गदर्शन करने वाली नीतियों को आकार देने में एक सार्थक आवाज़ मिलनी चाहिए।

श्री सिंह ने कहा कि भारत मानता है कि शांति स्थापना की सफलता केवल संख्या पर ही नहीं, बल्कि तैयारियों पर भी निर्भर करती है। यहां स्थित हमारे संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र (सीयूएनपीके) ने 90 से अधिक देशों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है। यह केंद्र व्यापक परिदृश्य-आधारित शिक्षा प्रदान करता है इसमें सशस्त्र समूहों के साथ बातचीत, खतरे में मानवीय अभियानों और संकट के दौरान नागरिक सुरक्षा का अनुकरण शामिल है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में भारत का विश्वास व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, भारत के लिए, यह सिर्फ़ बातचीत का विषय नहीं है, हज़ारों भारतीय संयुक्त राष्ट्र के झंडे तले शांति और विकास के लिए काम करते हैं। यह एक प्रमुख उदाहरण है जो भारत के वादों को प्रदर्शन के साथ जोड़ने के सिद्धांत और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। श्री सिंह ने कहा कि भारत के लिए शांति स्थापना कभी भी एक विकल्प का कार्य नहीं रहा है, बल्कि एक आस्था का विषय रहा है। उन्होंने कहा, अपनी स्वतंत्रता के आरंभ से ही, भारत अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के अपने मिशन में संयुक्त राष्ट्र के साथ दृढ़ता से खड़ा रहा है।

श्री सिंह ने कहा कि भारत महात्मा गांधी की भूमि है, जहां शांति हमारे अहिंसा और सत्य के दर्शन में गहराई से निहित है। महात्मा गांधी के लिए, शांति केवल युद्ध का अभाव नहीं, बल्कि न्याय, सद्भाव और नैतिक शक्ति की एक सकारात्मक स्थिति थी।

देशभर में तेजी से जारी है नक्सलियों का आत्मसमर्पण

शीर्ष नक्सली ने 60 साथियों के साथ किया सरेंडर

मल्लोजुला वेणुगोपाल पर था करोड़ों का इनाम

गढ़चिरौली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में शीर्ष नक्सली नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू ने अपने 60 से अधिक साथियों के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह आत्मसमर्पण नक्सलवाद के खिलाफ चल रही मुहिम के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण सोमवार 13 अक्टूबर की देर रात को हुआ। वेणुगोपाल राव नक्सली संगठन का पोलित ब्यूरो सदस्य था और उसे संगठन का प्रमुख रणनीतिकार माना जाता था। अलग-अलग राज्यों में मल्लोजुला वेणुगोपाल पर करोड़ों रुपए का इनाम घोषित था।

हाल के महीनों में संगठन के शीर्ष नेतृत्व से मतभेद और घटते जन समर्थन के चलते उसने हथियार छोड़ने का फैसला लिया। बताया गया कि भूपति लंबे समय से संघर्ष की बजाय शांति और संवाद के पक्ष में था। गृह मंत्री अमित शाह के नक्सल मुक्त भारत अभियान के तहत यह बड़ी कामयाबी है। भूपति की पत्नी तारका पहले ही आत्मसमर्पण कर चुकी हैं। आत्मसमर्पण से पहले सोनू ने कार्यकर्ताओं को पत्र लिखकर हिंसा छोड़ने और मुख्यधारा से जुड़ने की अपील की थी।

दूसरी तरफ, छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने भाजपा नेता सत्यम पूनेम की गला घोंटकर हत्या कर दी। नक्सलियों ने भाजपा नेता के शव के पास पर्चा लिख कर छोड़ा कि सत्यम पुनेम पुलिस का मुखबिर था। घटना बीजापुर जिले के इलमिडी थाना क्षेत्र के मुजलकनकेर गांव की है। पुलिस ने बताया कि सत्यम की हत्या माओवादी संगठन की माड़ेद एरिया कमेटी ने की है। नक्सलियों ने सत्यम का रस्सी से गला घोंटकर उसे मार डाला और शव के पास एक हाथ से लिखा हुआ पर्चा छोड़ा दिया। इसमें सत्यम को पुलिस का मुखबिर बताया गया है।

पर्चे में लिखा है कि सत्यम कई महीनों से नक्सलियों की निगरानी में था और उसे कई बार चेतावनी दी गई थी कि वह पुलिस को जानकारी देना बंद करे। बार-बार चेतावनी के बावजूद पुलिस से संपर्क जारी रखने पर उसे सजा दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और घटना को नक्सलियों की टारगेट किलिंग के रूप में देखा जा रहा है।

बिहार में सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही बीएसपी ने 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की

पटना , 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करने वाली है। बीएसपी ने मंगलवार को बिहार की 40 विधानसभा सीटों के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट घोषित कर दीऑ। इस लिस्ट में पश्चिम चंपारण, कटिहार, औरंगाबाद समेत कई जिलों के उम्मीदवार शामिल हैं।

बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शंकर महतो ने कहा है कि राज्य की शेष सीटों के लिए उम्मीदवारों की घो-षणा भी जल्द कर दी जाएगी। बीएसपी के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में पश्चिम चंपारण, कटिहार, मधेपुरा, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, जमुई,दरभंगा, मुजफ्फपुर, सिवान, सारण, समस्तीपुर, बेगूसराय,भागलपुर, बांका, भोजपुर आदि के कुल 40 प्रत्याशियों के नाम हैं। बहुजन

समाज पार्टी का कहना है कि बुधवार को भी उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की जाएगी। बीएसपी की पहली लिस्ट में शामिल उम्मीदवारों को पार्टी के सिंबल बांट दए गए हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होंगे। पहले चरण के नामांकन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है। पहले चरण के नामांकन की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने में तेजी लाते जा रहे हैं।

बिहार के चुनाव में मुख्य मुकाबला एनडीए और विपक्षी दलों के महागठबंधन के बीच है। एनडीए में सीटों का बंटवारा हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद दलों के बीच खींचतान जारी है। महागठबंधन में अब तक सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। हालांकि आरजेडी ने अपने कुछ उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं और वामपंथी दल सीपीआई-एमएल ने अपने 18 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। इनमें से कुछ ने मंगलवार को नामांकन भी दाखिल कर दिया है। कांग्रेस की चुनाव कार्यसमिति की बैठक हुई। उम्मीद की जा रही है कि बुधवार को महागठबंधन में सीटों का बंटवारा अंतिम रूप ले लेगा।

यूपी के 14.82 लाख कर्मचारियों को मिलेगा दिवाली बोनस

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी सरकार ने प्रदेश के 14 लाख राज्यकर्मचारियों को बोनस देने का ऐलान किया है। ये बोनस उन्हें दिवाली गिफ्ट के रूप में दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली पर राज्य कर्मचारियों को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बोनस देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के परिश्रम और निष्ठा के प्रति राज्य सरकार की सराहना का प्रतीक है। प्रदेश की प्रगति में सरकारी कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार हर स्तर पर उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार के कर्मचारियों को उत्पादकता असम्बद्ध बोनस अनुमन्य किया गया है। यह बोनस मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा 7,000 रुपए के आधार पर 30 दिनों की परिलब्धियों का आगणन करते हुए दिया जाएगा, जिससे प्रत्येक पात्र कर्मचारी को 6,908 रुपए का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली से पहले यह आर्थिक लाभ कर्मचारियों के परिवारों के लिए आनंद और उत्साह लेकर आएगा तथा शासन-प्रशासन में नई ऊर्जा का संचार करेगा।

इस निर्णय से राज्य सरकार के लगभग 14 लाख 82 हजार कर्मचारी लाभान्वित होंगे, जिस पर कुल व्ययभार लगभग 1,022 करोड़ आएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि पात्र कर्मचारियों को बोनस का भुगतान समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए ताकि सभी परिवार इस पर्व को उल्लासपूर्वक मना सकें। राज्य सरकार द्वारा अनुमन्य बोनस के दायरे में वे पूर्णकालिक अराजपत्रित कार्मिक शामिल हैं जिनके पद का वेतन मैट्रिक्स लेवल-8 है। इसमें राज्य कर्मचारी, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं के कर्मचारी, स्थानीय निकायों और जिला पंचायतों के कर्मचारी, राजकीय विभागों के कार्यप्रभारित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी सम्मिलित हैं।

प्रदेश में खत्म हुई ई कारों-स्कूटरों में मिलने वाली सब्सिडी

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में ई-कार और ई-स्कूटर पर मिलने वाली सब्सिडी 13 अक्टूबर को खत्म हो गई। सब्सिडी आगे जारी रहेगी या नहीं या फिर नीति में कोई बदलाव होगा, इसे लेकर शासन स्तर से अभी कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है। माना जा रहा है कि जल्द इस मामले में बैठक होगी और इस पर फैसला लिया जाएगा। मंगलवार को औद्योगिक विकास विभाग और परिवहन विभाग से सब्सिडी संबंधी किसी तरह के दिशा निर्देश जारी न होने से पूरे प्रदेश में ई वाहनों की बिक्री लगभग ठप्प हो गई।

ई-वाहन प्रोत्साहन नीति के तहत 13 अक्टूबर तक ई-वाहनों पर रोड टैक्स शून्य था। इसके अलावा एक लाख रुपए की सब्सिडी अतिरिक्त थी। यानी एक ई-कार पर ढाई से तीन लाख रुपए तक की सब्सिडी का प्रावधान था। खन्ना हुंडई के एमडी पुनीत खन्ना ने कहा कि सोमवार तक स्टॉक खाली कर दिया। अभी तक कोई गाइडलाइंस नहीं आई हैं इसलिए बुकिंग भी बंद हैं। टाटा मोटर्स के डीलर सुमन कपूर ने कहा कि सब्सिडी पर संशय होने के कारण बुकिंग बंद है।

शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक ई-वाहनों पर सब्सिडी जारी रहेगी या नहीं, इसपर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द इस संबंध में बैठक होगी, इसके बाद ही दिशानिर्देश जारी होंगे। संभावना जताई कि सब्सिडी जारी रहने का फैसला लिया गया तो बैकडेट से प्रभावी हो सकता है लेकिन अभी इस मामले में तस्वीर साफ नहीं है।

आठ साल में उत्तर प्रदेश में ढेर हुए 256 दुर्दांत अपराधी

एनकाउंटर में मेरठ जोन अव्वल 10 हजार अपराधी जख्मी

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने बीते करीब आठ साल में 256 दुर्दांत अपराधियों को एनकाउंटर में ढेर किया है। वहीं मिशन शक्ति के तहत अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला तेज हुआ है। बीते बीस दिनों में अपराधियों के साथ एक दर्जन से अधिक एनकाउंटर की कार्रवाई की गई है। बीते सोमवार को मेरठ में एक बच्ची के साथ दरिंदगी के मामले में 25 हजार के इनामी बदमाश शहजाद उर्फ निक्की को ढेर किया है।

बीते साढ़े आठ वर्षों में पुलिस और अपराधियों के बीच कुल 15,726 मुठभेड़ हुईं, जिसमें 256 अपराधियों को ढेर करने के साथ 31,960 को गिरफ्तार किया गया। वहीं 10,324 अपराधी घायल हुए। अपराधियों से मोर्चा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गए जबकि 1,754 पुलिसकर्मी घायल हुए। सबसे अधिक 4453 मुठभेड़ मेरठ जोन में हुईं हैं। इस कार्रवाई में 8,312 अपराधी दबोचे गए जबकि 3,131 अपराधी घायल हुए। वहीं, 85 कुख्यात अपराधियों को मौके पर ही मार गिराया गया।

इस दौरान 461 पुलिसकर्मी घायल हुए जबकि अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए। इसी तरह, वाराणसी जोन में 1,108 मुठभेड़ हुईं, जिनमें 2,128 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 27 अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर किया गया। इस दौरान 688 अपराधी और 99 पुलिसकर्मी घायल हुए। आगरा जोन में 2,374 एनकाउंटर की कार्रवाई की गईं, जिनमें 5,631 अपराधियों को दबोचा गया। इस दौरान 816 अपराधी घायल हुए जबकि 22 अपराधी मार गिराए गए। मुठभेड़ के दौरान 59 पुलिसकर्मी घायल हुए।

कमिश्नरेट में हुए एनकाउंटर्स पर नजर डालें तो लखनऊ में 138 मुठभेड़ में 12, गौतमबुद्धनगर में 1,117 मुठभेड़ में 9, वाराणसी में 131 मुठभेड़ में 7, कानपुर में 234 मुठभेड़ में 4, आगरा में 458 मुठभेड़ में 7, गाजियाबाद में 736 मुठभेड़ में 13 और प्रयागराज में 141 मुठभेड़ में 6 अपराधियों को ढेर किया जा चुका है।

सपा नेता आजम खां ने ठुकराई वाई श्रेणी सुरक्षा

लिखित आदेश मिलने तक सुरक्षा नहीं लेंगे

रामपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सपा नेता आजम खां ने सरकार की ओर से दी गई वाई श्रेणी सुरक्षा लेने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि जब तक लिखित आदेश नहीं मिलेगा, तब तक वह सुरक्षा स्वीकार नहीं करेंगे। जेल से रिहा होने के बाद आजम ने कहा कि उन्हें सुरक्षा दिए जाने की कोई आधिकारिक जानकारी या दस्तावेज नहीं मिला है।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों से उन्होंने कहा है कि पहले वह सरकार का आदेश लेकर आएं तभी वह इस व्यवस्था को मानेंगे। सपा नेता ने कहा कि जब एक बार के विधायक को केंद्र सरकार के कमांडो मिल सकते हैं तो मुझे केवल वाई श्रेणी की सुरक्षा क्यों दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वाई श्रेणी की सुरक्षा में गाड़ी और अन्य खर्च का प्रावधान होता है, जिसका खर्च वह देने की स्थिति में नहीं हैं। जेल से बाहर आने के बाद से आजम लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब सुरक्षा को लेकर दिया गया यह बयान एक बार फिर राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है।

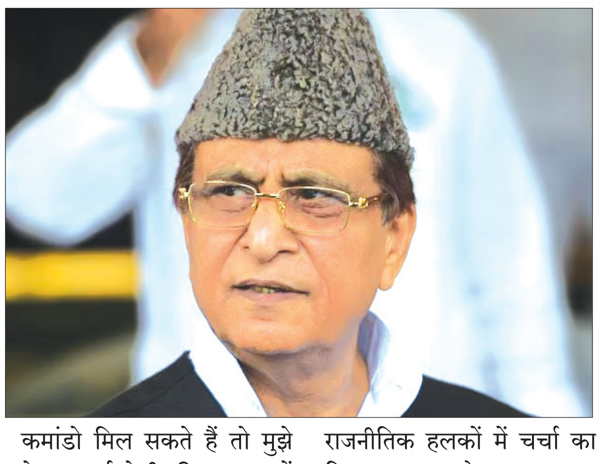

सपा नेता पूर्व में 27 माह तक सीतापुर जेल में रहे थे। उस वक्त जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद उनको सुरक्षा वापस दे दी थी,लेकिन उस वक्त सपा नेता ने सुरक्षा वापस कर दी थी। 23 माह बाद जेल से रिहा होने के सपा नेता आजम खां को पूर्व में दी गई वाई श्रेणी की सुरक्षा को वापस कर दिया गया है। वह छह पुलिस कर्मियों की निगरानी में चौबीस घंटे रहेंगे। सपा नेता आजम खां दस बार के विधायक, एक बार के लोकसभा सदस्य व राज्यसभा के सदस्य के साथ ही पांच बार प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं।

2012-2017 तक कैबिनेट मंत्री रहे आजम खां की मुश्किलें भाजपा सरकार आने के बाद 2019 से बढ़नी शुरू हुई थीं। उन पर कानूनी शिकंजा कसता चला गया। एक के बाद एक सौ से ज्यादा मुकदमे दर्ज हुए। डूंगरपुर, यतीमखाना बस्ती को खाली कराने के नाम पर लूटपाट, चोरी और डकैती के साथ ही मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हुए। 23 माह पहले उन्हें बेटे के जन्म प्रमाणपत्र के मामले में कोर्ट से सजा हुई थी, जिसके बाद बेटे अब्दुल्ला आजम खां व पत्नी डॉ. तंजीन फात्मा के साथ जेल चले गए थे। हालांकि अब सभी जमानत पर रिहा हो चुके हैं। उनको डूंगरपुर केस में भी सजा हो चुकी है। फिलहाल 23 माह बाद 23 सितंबर को सीतापुर जेल से रिहा हो गए थे।

जेल जाने से पहले उन्हें वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी, जिसे अब वापस कर दिया गया है। पुलिस अफसरों के मुताबिक वाई श्रेणी की सुरक्षा के तहत पांच पुलिस कर्मियों की एक गारद आवास पर तैनात होगी, जबकि तीन सुरक्षा कर्मी सपा नेता के साथ रहेंगे। रामपुर के एसपी विद्यासागर मिश्र ने कहा, सपा नेता को पहले से ही वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई थी। इसे खत्म नहीं किया गया था। अब फिर से सुरक्षा बहाल कर दी गई है।

थापरनगर में भारी मात्रा में नकली ऑलआउट व गुडनाइट पकड़ी

मेरठ , 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मेरठ में अब नकली ऑलआउट और गुडनाइट भी भारी मात्रा में बेची जा रही है। थापरनगर में गोडरेज के नकली गुडनाइट व ऑलआउट बेचे जाने की शिकायत पर कंपनी अधिकारियों ने छापा मारा। गोदाम से पुलिस ने नकली 2563 पीस बरामद किए। एक युवक को मौके से पकड़ लिया गया, जबकि मुख्य आरोपी भाग गया। कंपनी के अधिकारी ने सदर बाजार थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि आइपी इन-वेस्टिगेशन सीर्पेस के रीजनल हेड शहबाज आलम ने शिकायत की कि सदर बाजार में गोदरेज कंपनी की नकली ऑलआउट व गुडनाइट बनाकर बेची जा रही है। उन्होंने पूरे मामले की जांच की। जानकारी करने पर पता चला कि थापरनगर में आकाश गुप्ता ही उनको बेचता है।

पुलिस के साथ कंपनी अधिकारियों ने थापरनगर में आकाश गुप्ता के गोदाम पर छापा मारा। यहां से पुलिस ने तीन बोरों में 1740 पीस ऑलआउट अल्ट्रा व गुडनाइट के 823 पीस बरामद किए। गोदाम से पुलिस ने चाणक्य पुरी सदर बाजार निवासी आकाश गुप्ता को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में उसने बताया कि यह सामान उसका भाई विशाल गुप्ता बनाता है और सप्लाई करता है। पुलिस ने माल जब्त कर लिया। एसपी सिटी ने बताया कि सदर बाजार थाने पर शहबाज ने आकाश गुप्ता व विशाल गुप्ता के खिलाफ कॉपी राइट एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कराई है। भागे हुए आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मुत्तकी के देवबंद में स्वागत पर बिफरे जावेद अख्तर

देवबंद को शर्म आनी चाहिए

प्रधानमंत्री से कहें उन्हें भारत क्यों बुलाया: उलेमा

सहारनपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के देवबंद दौरे को लेकर प्रसिद्ध गीतकार जावेद अख्तर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। जावेद अख्तर ने कहा कि आतंकवादी समूह तालिबान का देवबंद में स्वागत किया जाना गलत था। तालीबान ने अपने देश में लड़कियों की शिक्षा पर भी पाबंदी लगा रखी है। जावेद अख्तर के वक्तव्य पर देवबंदी उलेमा ने कड़ा जवाब दिया है।

गीतकार जावेद अख्तर ने कहा कि दुनिया के सबसे खूंखार आतंकवादी समूह तालिबान के प्रतिनिधि को हर तरह के आतंकवादियों के खिलाफ मंच पर बोलने वालों द्वारा दिए गए सम्मान और स्वागत को देखकर मेरा सिर शर्म से झुक जाता है। देवबंद को भी शर्म आनी चाहिए कि उसने अपने उस इस्लामिक हीरो का इतना सम्मानपूर्वक स्वागत किया, जो उन लोगों में से एक हैं, जिन्होंने लड़कियों की शिक्षा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। जावेद अख्तर ने कहा, मेरे भारतीय भाइयों और बहनों, हमारे साथ क्या हो रहा है।

जावेद अख्तर के वक्तव्य पर मदरसा जामिया शेखुल हिंद के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती असद कासमी का कहना है कि जावेद अख्तर का इतिहास हमेशा विवादित बयानों का रहा है। वह कभी सेकुलर बात नहीं करते हमेशा वह फसाद की बातें करते हैं। उन्होंने कहा कि हुकूमत-ए-हिंद (भारत सरकार) उन्हें बुला रही है, सरकार की दावत पर वह मुल्क में आए हुए हैं और हमारे मुल्क के मेहमान हैं।

दारुल उलूम एशिया का प्रसिद्ध दीनी इदारा है। अगर मुत्तकी यहां आ गए तो जावेद अख्तर को इस पर क्या आपत्ति है। यदि उन्हें कोई दिक्कत है तो वह बयान देने के बजाय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री या रक्षा मंत्री से यह सवाल करें कि उन्होंने विदेश मंत्री को क्यों बुलाया है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी यहां आने के बाद मुल्क से समझौते, कारोबार, अमन, इंसानियत और मोहब्बत की बात कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि इस पर किसी को एतराज होना चाहिए।

जमीयत दावतुल मुसलीमीन के संरक्षक एवं प्रसिद्ध आलिम मौलाना कारी इस्हाक गोरा ने कहा कि मेहमान का सम्मान हमारी तहजीब है, तालिबान की नीति नहीं। जावेद अख्तर का बयान हकीकत से से ज्यादा भावनाओं पर आधारित है। देवबंद ने किसी आतंकवादी प्रतिनिधि का नहीं, बल्कि भारत सरकार के बुलावे पर आए एक आधिकारिक मेहमान का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की सरजमीं हमेशा से मेहमान नवाज रही है और देवबंद उसी तहजीब की मिसाल है। हमारे बुजुर्गों ने हमें सिखाया है कि मेहमान चाहे किसी मजहब, जाति या विचार से क्यों न जुड़ा हो, उसका सम्मान करना इंसानियत और हिंदुस्तानियत दोनों की पहचान है।

विवादों के बाद शासन का बड़ा फैसला

वरिष्ठतम शिक्षक को ही मिलेगा विद्यालय का प्रभार

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

परिषदीय विद्यालयों में प्रधानाध्यापक पद को लेकर जारी विवाद और न्यायिक हस्तक्षेप के बीच शासन ने अब स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा ने सभी जिलों में वरिष्ठता के आधार पर विद्यालायों का प्रभारी प्रधानाध्यापक नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। इससे वर्षों से लंबित विवादों और भ्रम की स्थिति पर विराम लगने की उम्मीद है।

अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय में सचिव बेसिक शिक्षा परिषद बनाम त्रिपुरारी दुबे मामले में स्पेशल अपील याचिका में जारी आदेश का अनुपालन किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि वरिष्ठतम शिक्षक को ही पर्यवेक्षणीय दायित्वों के निर्वहन के लिए अधिकृत किया जाए। किंतु इसके लिए कोई अतिरिक्त पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा। उन्होंने सभी बीएसए को यह भी निर्देश दिया है कि जिन विद्यालयों में प्रधानाचार्य का पद खाली है। इस पर प्रभारी प्रधानाध्यापक तैनात करने के लिए जिले के शिक्षकों की वरिष्ठता सूची तैयार की जाएगी। उसी के आधार पर उनको प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात किया जाएगा।

वरिष्ठ के द्वारा लिखित सहमति देने पर कि वह इसके लिए सहमत नहीं हैं, तो उनके ठीक बाद के वरिष्ठ शिक्षक को प्रभारी प्रधानाध्यापक का प्रभार दिया जाएगा। अपर मुख्य सचिव ने इस आदेश का अनुपालन करते हुए एक सप्ताह में शासन को सूचित करने का भी निर्देश दिया है। बता दें कि प्रदेश के कई जिलों व विद्यालयों में प्रधानाध्यापक पद पर तैनाती व वरिष्ठ को चार्ज देने को लेकर विवाद चल रहा था।

पत्रकार की हत्या में युवती व उसके दो भाइयों समेत चार को उम्रकैद

कानपुर , 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एक न्यूज चैनल के पत्रकार की नृशंस हत्या करने में चैनल की न्यूज रीडर व उसके दो भाइयों समेत चार दोषियों को अपर जिला जज 19 राकेश सिंह उम्रकैद और 9.50-9.50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। सबूत मिटाने की दोषी युवती की मां व चाचा को पांच-पांच साल कैद और दो-दो हजार रुपये जुर्माना भुगतना होगा।

वहीं आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाए जाने पर एक दोषी को ढाई हजार रुपये अतिरिक्त जुर्माना देना होगा।

बृजेश गुप्ता एक न्यूज चैनल के महानगर में ब्यूरो हेड थे। 14 जून 2009 को उनका शव उनकी ही कार में लावारिस हालत में रतनलाल नगर स्थित पानी की टंकी के पास मिला था। बृजेश के भाई प्रभात गुप्ता ने गोविंद नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इसमें कहा था कि बृजेश 13 जून की शाम गौशाला मौरंग मंडी के पास अपनी कार से मिले थे। कार में न्यूज रीडर कनिका ग्रोवर, उसके भाई सन्नी, मन्नी व सुरजीत भी बैठे थे। प्रभात के पूछने पर कनिका और उसके भाइयों को घर छोडे के बाद घर आने की बात कही थी। देर रात तक बृजेश घर नहीं पहुंचे तो खोजबीन की गई लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। अगले दिन सुबह गोविंद नगर थाने गया तो पता चला कि सेट पर सूचना आ रही कि रतनलाल नगर पानी की टंकी के पास लावारिस गाड़ी खड़ी हुई है।

प्रभात पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और गाड़ी खोलकर देखी तो उसमे चादर में लिपटा बृजेश का शव मिला था।

बृजेश के शरीर पर धारदार हथियार और गोली के कई निशान थे। बृजेश की लाइसेंसी रिवाल्वर व पांच सोने की अंगूठियां भी गायब थीं। विवेचना के बाद पुलिस ने रतनलाल नगर निवासी कनिका ग्रोवर, उसकी मां अल्का व दो भाई सन्नी व मन्नी ग्रोवर, गोविंद नगर की सेवाग्राम कालोनी निवासी सुरजीत सिंह उर्फ शंटी, गोविंद नगर निवासी बंटी उर्फ राजीव कुमार के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट भेजी थी। अभियोजन की ओर से प्रभात व बृजेश के पहचान वाले और एक केबल ऑपरेटर समेत नौ गवाह कोर्ट में पेश किए। सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने हत्या के दोषी सुरजीत, सन्नी, मन्नी व कनिका को उम्रकैद और 9.50-9.50 हजार रुपये जुर्माने और सबूत मिटाने की दोषी अलका व बंटी को पांच-पांच साल कैद और दो-दो हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाए जाने पर सुरजीत को ढाई हजार रुपये अतिरिक्त जुर्माना देना होगा।

बृजेश गुप्ता एक न्यूज चैनल के ब्यूरो हेड थे और कनिका वहां न्यूज रीडर थी।

दोनों में नजदीकी बढ़ी तो विवाह की बात चलने लगी लेकिन फिर दोनों में अलगाव हो गया और बृजेश ने कनिका को नौकरी से निकाल दिया। इसी बीच कनिका के पिता राजेंद्र को चरस तस्करी में जेल भेज दिया गया। कनिका और उसके घरवालों को लगा कि बृजेश ने ही पिता को जेल भिजवाया है, जिस पर बृजेश की हत्या का मन बना लिया था। डेढ़-दो माह पहले बृजेश ने कनिका को दोबारा नौकरी पर रख लिया था। कनिका ने बृजेश को अपने घर पर लाने और फिर उसकी हत्या के लिए सभी को कहा था।

जिस पर सबने मिलकर बृजेश की हत्या की और फिर कनिका के घर से चादर में शव को लपेटकर गाड़ी में डालकर बाहर ले जाने की कोशिश की लेकिन पकड़े जाने के डर से पानी की टंकी के पास ही गाड़ी छोड़ दी थी। यह बातें पुलिस को दिए बयान में सुरजीत ने बताई थीं।

संपादकीय

पाक-तालिबान जंगी टकराव

पाकिस्तान और अफगान-तालिबान के बीच जंगी टकराव के हालात बन गए हैं। शनिवार गहरी रात में तालिबान लड़ाकों ने पाक चौकियों पर हमले किए। उनका दावा है कि 58 पाक फौजी मार दिए गए और 25 चौकियों पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया। भारी संख्या में हथियार, गोला-बारूद भी लड़ाकों के हाथ लगे हैं। पाकिस्तान का दावा है कि उसके 23 फौजी मारे गए हैं, जबकि पलटवार में ड्रोन हमले किए गए। पाकिस्तान करीब 200 अफगान लड़ाकों को मारने और 19 चौकियां कब्जाने का दावा कर रहा है। पाकिस्तान ने 9 अक्तूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर मिसाइल हमला किया था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का मुखिया मुफ्ती नूर वली उसके निशाने पर था, लेकिन वह बच गया। टीटीपी के 'आत्मघाती फिदायीन' ने पाकिस्तान में हमला कर कई लाशें बिछा दी थीं। यह संगठन बलूचिस्तान, खैबर में भी पाक फौजियों को हलाक करता रहा है। उनके पलटवार में पाक ने काबुल पर हमला किया था। वैसे पाक और अफगान सेनाओं का कोई मुकाबला नहीं है, क्योंकि अफगानिस्तान के पास वायुसेना या जल की ताकत पनडुब्बियां सरीखे आधुनिक हथियार नहीं हैं। जो अत्याधुनिक राइफलें, मशीन गन, रॉकेट लॉन्चर, गोला-बारूद, टैंक आदि अमरीकी सेनाएं छोड़ गई थीं, बस तालिबान लड़ाकों की ताकत वही है। तालिबान के पास करीब 40,000 प्रशिक्षित 'आत्मघाती फिदायीन' की ऐसी ताकत है, जो कहीं भी जाकर मौत का विस्फोट कर सकते हैं। तालिबानी हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी भारत के प्रवास पर हैं। उन्होंने मिसाइल हमले को अफगान संप्रभुता पर हमला करार दिया था, लिहाजा 11 अक्तूबर की गहरी रात वाला हमला तालिबान का पलटबदला माना जा सकता है। यह जंगी टकराव और तनाव दो मुस्लिम देशों के दरमियान पसरा है। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच जो 'नाटो जैसा' समझौता हुआ था, वह भी बेनकाब हो गया और खोखला साबित हुआ। सऊदी अरब पाकिस्तान के समर्थन में जंग में नहीं कूदा। अलबत्ता कतर की तरह अमन-चैन और संवाद का ही बयान दिया। भारत के संदर्भ में यह जंगी टकराव कई मायने रखता है। तालिबानी विदेश मंत्री आमिर खान ने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत की संप्रभुता और एकता-अखंडता का समर्थन किया। भारत-अफगान विदेश मंत्रियों का जो साझा घोषणा-पत्र सार्वजनिक किया गया है, उसमें दोनों देश एक-दूसरे की संप्रभुता, एकता-अखंडता का समर्थन कर रहे हैं। जाहिर है कि पाकिस्तान की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। दरअसल भारत सरकार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अफगानिस्तान भेजकर उनकी संसद का निर्माण कराया। योजना आयोग की तर्ज पर एक खास दफ्तर बनाया गया है। भारत ने अफगानिस्तान में बांध बनाने के अलावा, स्कूल-कॉलेज, सडक़ें, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र आदि का भी निर्माण कराया है। भारत वहां 400 से अधिक परियोजनाएं संचालित कर रहा है और 3 अरब डॉलर से अधिक का निवेश है। दरअसल भारत-अफगान दोस्ती सदियों पुरानी है, लिहाजा भारत ने अफगान के पुनर्निर्माण के मामले में चीन-पाकिस्तान को पछाड़ दिया है। विडंबना और हास्यास्पद है कि पाक राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने तालिबानी हमले के पीछे 'भारत का हाथ' करार दिया है। जबकि दोनों देशों के आपसी तनाव और हमले नैसर्गिक हैं। हालांकि दोनों देशों में आतंकवाद रहा है, लेकिन उस पर भी गहरे, गंभीर मतभेद हैं। जब काबुल में 2021 में तालिबानी हुकूमत बन रही थी, तब पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख काबुल में ही मौजूद थे और खूब प्रसन्न थे। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने उस दौर को 'बेडियों से आजादी' करार दिया था। पाकिस्तान का आकलन था कि तालिबान उसके साथ 'दोस्ती' निभाएगा और दोनों मिल कर भारत के खिलाफ नई आतंकी मुहिम शुरू करेंगे। ऐसा नहीं हो सका, बल्कि 2025 में ही दोनों देशों के दरमियान 6 हमले किए जा चुके हैं। करीब 132 साल पहले 1893 में ब्रिटिश राज ने जो सीमा-रेखा तय की थी, अफगान ने उसे कभी मान्यता नहीं दी। करीब 2640 किमी लंबी यह डूरंड लाइन अफगान-पश्तून इलाकों को दोफाड़ करती है। नतीजतन झड़पें होती रही हैं। पाकिस्तान में करीब 30 लाख अफगान शरणार्थी हैं। इनमें से 14 लाख के पास रजिस्ट्रेशन कार्ड हैं। शेष को अवैध करार देते हुए पाक ने बाहर निकालने की मुहिम चला रखी है। तालिबान हुकूमत इसे 'मानवीय संकट' मानती है। बंदरगाहों के जरिए जो व्यापार होता है, वह भी तनाव और झड़प का बुनियादी कारण है।

तालिबान लड़ाकों ने पाक चौकियों पर हमले किए। उनका दावा है कि 58 पाक फौजी मार दिए गए और 25 चौकियों पर तालिबान ने कब्जा जमा लिया। भारी संख्या में हथियार, गोला-बारूद भी लड़ाकों के हाथ लगे हैं। पाकिस्तान का दावा है कि उसके 23 फौजी मारे गए हैं, जबकि पलटवार में ड्रोन हमले किए गए। पाकिस्तान करीब 200 अफगान लड़ाकों को मारने और 19 चौकियां कब्जाने का दावा कर रहा है। पाकिस्तान ने 9 अक्तूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर मिसाइल हमला किया था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का मुखिया मुफ्ती नूर वली उसके निशाने पर था, लेकिन वह बच गया। टीटीपी के 'आत्मघाती फिदायीन' ने पाकिस्तान में हमला कर कई लाशें बिछा दी थीं। यह संगठन बलूचिस्तान, खैबर में भी पाक फौजियों को हलाक करता रहा है। उनके पलटवार में पाक ने काबुल पर हमला किया था। वैसे पाक और अफगान सेनाओं का कोई मुकाबला नहीं है, क्योंकि अफगानिस्तान के पास वायुसेना या जल की ताकत पनडुब्बियां सरीखे आधुनिक हथियार नहीं हैं। जो अत्याधुनिक राइफलें, मशीन गन, रॉकेट लॉन्चर, गोला-बारूद, टैंक आदि अमरीकी सेनाएं छोड़ गई थीं, बस तालिबान लड़ाकों की ताकत वही है। तालिबान के पास करीब 40,000 प्रशिक्षित 'आत्मघाती फिदायीन' की ऐसी ताकत है, जो कहीं भी जाकर मौत का विस्फोट कर सकते हैं। तालिबानी हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी भारत के प्रवास पर हैं। उन्होंने मिसाइल हमले को अफगान संप्रभुता पर हमला करार दिया था, लिहाजा 11 अक्तूबर की गहरी रात वाला हमला तालिबान का पलटबदला माना जा सकता है।

कुछ अलग

मेरे को नोबेल मांगता...

मेरे को पताइच नहीं कि कबीर अंकल ने क्या सोच कर कहा था कि बिन मांगे मोती मिले, मांगे मिले न भीख। पर अपने गुरु का एकच्च सीख था कि जो चाहिए, न मिले तो छीन कर ले लो। यूएनओ की तरह पुलिस को अपनी जेब में रखो। अगर पुलिस साथ देने से मना करे तो उसका हफ्ता बंद कर दो। बिलकुल उसी तरह जैसे ट्रंप चचा ने यूएनओ की फंडिंग रोक दी है। बेचारी पुलिस क्या करेगी? पैसे देकर तो थाने में पोस्टिंग कराती है। सेटिंग से थाने में आओ। जनता से कमाओ। कुछ सीनियर्स और नेता की जेब में डालो। बाक़ी थाने में मिल बांट कर खाओ। महंगाई इतनी है। तनख्वाह में कहां बापरता है? जीएसटी उत्सव मनाने के लिए भी पैसा मांगता। ज़मीन-घर कितने महंगे हो गए हैं बाबा। इसलिए पुलिस पैसा मांगता और हम पुलिस का साथ।

आपातकाल के खिलाफ बिहार की धरती से जेपी ने फूंका था बिगुल

सोच के स्तर पर बदल रही बिहारी राजनीति

उमेश चतुर्वेदी

जाति और धर्म की राजनीति तब भी होती थी, लेकिन उस पर स्वाधीन भारत को बनाने के लिए सर्वसमावेशी सोच का आवरण बना रहा। लेकिन मंडल आयोग की छाया में उभरी राजनीति के बाद जाति और धर्म का खुला-खेल शुरू हो गया। जातीय गोलबंदी खुलेआम होने लगी। बिहार के वैशाली स्थित लिच्छवी गणराज्य ने जब लोकतांत्रिक मॉडल को अपनाया था, तब शासन सौंपने वाले हाथों की योग्यता उनकी न्याय प्रियता, उनकी प्रशासनिक कुशलता और निष्पक्षता थी। इसे बिडंबना ही कहेंगे कि जिस बिहार की धरती ने छठी सदी ईसापूर्व यानी करीब ढाई हजार साल पहले शासन के बेहतरीन मॉडल को अपनाया, उसी धरती पर वैधानिकता के आधार पर लागू लोकतंत्र ने जाति, धर्म और क्षेत्रवाद को खुद में समाहित कर लिया। लेकिन इस बार के चुनावों में लोकतंत्र का जातीय और धार्मिक मॉडल को किंचित चोट पहुंचती दिख रही है। बिहार गर्व करते नहीं अघाता कि उसकी धरती पर लोकतंत्र का जन्म हुआ।

बिहार की राजनीति जाति और धर्म से कभी अलग नहीं रही। आजादी के फौरन बाद के चुनावों में जाति का असर कम रहा, क्योंकि तब स्वाधीनता संग्राम के दौरान अर्जित नैतिक मूल्यों की आभा और स्मृति बनी हुई थी। लेकिन बाद के दिनों में यह लगातार कम होता चला गया। जाति और धर्म की राजनीति तब भी होती थी, लेकिन उस पर स्वाधीन भारत को बनाने के लिए सर्वसमावेशी सोच का आवरण बना रहा। लेकिन मंडल आयोग की छाया में उभरी राजनीति के बाद जाति और धर्म का खुला-खेल शुरू हो गया। जातीय गोलबंदी खुलेआम होने लगी। बिहार के वैशाली स्थित लिच्छवी गणराज्य ने जब लोकतांत्रिक मॉडल को अपनाया था, तब शासन सौंपने वाले हाथों की योग्यता उनकी न्याय प्रियता, उनकी प्रशासनिक कुशलता और निष्पक्षता थी। इसे बिडंबना ही कहेंगे कि जिस बिहार की धरती ने छठी सदी ईसापूर्व यानी करीब ढाई हजार साल पहले शासन के बेहतरीन मॉडल को अपनाया, उसी धरती पर वैधानिकता के आधार पर लागू लोकतंत्र ने जाति, धर्म और क्षेत्रवाद को खुद में समाहित कर लिया। लेकिन इस बार के चुनावों में लोकतंत्र का जातीय और धार्मिक मॉडल को किंचित चोट पहुंचती दिख रही है। बिहार गर्व करते नहीं अघाता कि उसकी धरती पर लोकतंत्र का जन्म हुआ। इसी लोकतंत्र की छांव में बिहार और प्रकारांतर से देश को आगे बढ़ाने का सपना जयप्रकाश नारायण ने देखा था। जब भारतीय लोकतंत्र पर आपातकाल की काली छाया पड़ी तो जेपी के नाम से विख्यात जयप्रकाश नारायण की अगुआई में बिहार की ही धरती ने बिगुल फूंक दिया। इस बिगुल ध्वनि को देश ने सुना और जेपी के पीछे हो लिया। जिसकी परिणति आपातकाल के काले दिनों के अंत और बाद में आपातकाल थोपने वाले हाथों यानी इंदिरा गांधी की लोकतांत्रिक हार के रूप में देश और दुनिया ने देखा। जेपी की राजनीति में जाति और धर्म का आधार नहीं था। जेपी के पीछे पहले बिहार और बाद में तकरीबन उत्तर भारत जब चल पड़ा, तब देश और धर्म की बातें पीछे छूट गई थीं। तब देश को बनाने और लोकतंत्र को बचाने के लिए हर धर्म, हर जाति और हर समूह ने अपने जातीय, धार्मिक और स्थानीय हितों को किनारे रख दिया और देश के लिए आगे चल पड़े थे। दुर्भाग्यवश उसी दौर में उभरे नेताओं ने जाति का सबसे बड़ा खेल खेला। बिहार की जातीय राजनीति को बढ़ावा देने में उसी दौर में उभरे नेताओं ने सबसे ज्यादा दिया। आज की बिहारी राजनीति के चमकते सितारे लालू यादव, नीतीश कुमार, शिवानंद तिवारी, नंद किशोर यादव, आदि उसी दौर में उभरे चेहरे हैं। बाद के दौर में बिहार के चुनाव की चर्चा जाति और धर्म की बुनियाद को आधार बनाए असंभव मानी जाने लगी। वैसे यह रोग तकरीबन हर राज्य की राजनीति को लगा है। कहीं इसकी तासीर कम दिखती है तो कहीं कम, लेकिन यह हर जगह है।

लेकिन बिहार के इस चुनाव में प्रशांत किशोर के जरिए कम से कम जातीय गोलबंदी की बात को लगाम पहुंची है। प्रशांत किशोर का चाहे सत्ता पक्ष या विपक्ष, जितना भी उपहास उड़ाने की कोशिश करे, उन्होंने बिहारी राजनीति को नया चेहरा जरूर दिया है। प्रशांत ब्राह्मण परिवार के बेटे हैं। उनकी राजनीतिक आभा से परेशान बिहार का सत्ता पक्ष भी है और विपक्ष भी। सत्ता पक्ष की बजाय विपक्ष की ओर से उन्हें ब्राह्मण बताने की कोशिश खूब हुई। लेकिन यह कार्ड चल नहीं पाया। दरअसल मंडलवाद की राजनीति के उभार के बाद सवर्णवाद की बात करने की हिम्मत भी दिखाना मुश्किल है। सवर्ण तबके की जातियां और उनके नेता अपनी जाति की बात कर लें तो उन पर जातिवादी ठप्पा लगाकर ट्रोल किया जाता रहा है। वैसे आज का जो विमर्श है, उसमें सवर्ण तबके की अपनी जाति की बात करना जातिवादी होना है और पिछड़े एवं दलित जातियों की बात करना उनका सशक्तीकरण एवं प्रगतिवाद का बेहतरीन उदाहरण माना जाता है। जेपी के बाद बिहार की तकरीबन हर जातियों में जिस राजनेता की व्यापक स्वीकृति रही, वे कर्पूरी ठाकुर हैं। दिलचस्प यह है कि आज के बिहार के सत्ता पक्ष और विपक्ष के बड़े नेता हैं, सब कर्पूरी ठाकुर का नाम ही जपते हैं। यह बात और है कि कर्पूरी ठाकुर जैसी सादगी, उनके जैसी सर्वसमावेशी राजनीति की राह उनके चेलों ने नहीं अपनाई। बिहार की राजनीति के दोनों दिग्गज चेहरे जेपी और कर्पूरी की राजनीति में संकीर्णता का आधार नहीं नहीं था। वे जातीय गोलबंदी की बजाय सर्वसमावेशी राजनीति की बात करते थे। आज की राजनीति और सामाजिक संतुलन के लिए आरक्षण व्यवस्था की जरूरत को कर्पूरी ठाकुर स्वीकार करते थे, लेकिन उनकी आरक्षण व्यवस्था में किसी खास वर्ग को लक्षित करने और उस पर निशाना साधने का भाव नहीं था। उन्होंने आरक्षण का जो फॉर्मूला दिया था, उसमें पिछड़ा वर्ग को बारह प्रतिशत, अति पिछड़े वर्ग को आठ प्रतिशत, महिलाओं के लिए तीन प्रतिशत और गरीब सवर्णों के लिए तीन प्रतिशत का प्रावधान किया था। चाहे लोहिया की आरक्षण को लेकर सोच रही हो या फिर कर्पूरी का मॉडल, दोनों का मकसत सामाजिक विकास की दौड़ में पीछे रहे वर्ग को आगे रहे वर्गों के समकक्ष खड़ा करना और इस तरह बराबरी का बोध लाना था। यही वजह रही कि इन नेताओं के पीछे समाज का बड़ा हिस्सा खड़ा होता था, जहां जाति और धर्म की सीमाएं टूट जाया करती थीं। इसका यह मतलब नहीं था कि तब जातीय गोलबंदी खत्म हो चुकी थी। लेकिन यह जरूर है कि ऐसा करने वाली ताकतों को बढ़ावा नहीं मिलता था। लेकिन जेपी और कर्पूरी के बाद स्थितियां बदल गईं। बिहार के मौजूदा चुनावों में प्रशांत किशोर के अभ्युदय ने जातीय गोलबंदी की इस रूढ़ि को तोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रशांत किशोर ने अपना दल बनाने के बाद एक गलती जरूर की। उन्होंने तब जरूर कहा था कि मुस्लिम समुदाय को तरजीह देंगे। ऐसा करके वे एक तरह से धार्मिक गोलबंदी की पारंपरिक अवधारणा को जरूर शह दे रहे थे। लेकिन शायद बाद में उन्हें इस गलती का अहसास हुआ और उन्होंने इस सोच का मुजाहिरा फिर नहीं किया। प्रशांत किशोर के बिहार की राजनीति में उभार के बाद मुद्दों की बात हो रही है। महिलाओं को आर्थिक सहयोग देने का मौजूदा नीतीश सरकार का फैसला हो या फिर तेजस्वी द्वारा हर घर को एक सरकारी नौकरी देने का वादा, प्रशांत किशोर की राजनीतिक शैली का दबाव माना जा सकता है। प्रशांत किशोर बार-बार बिहार की बदहाली का सवाल उठाते हैं, वैश्विक स्तर पर मजदूर सप्लाई करने वाले राज्य के रूप में बिहार की स्थापित छवि पर सवाल उठाते हैं, बिहार को नई राह पर लेकर चलने की बात करते हैं, जाति और धर्म की बात नहीं करते हैं, बिहार की शिक्षा व्यवस्था को मुद्दा बनाते हैं तो बिहार के पढ़े-लिखे युवाओं और बिहार की मौजूदा छवि से परेशान लोगों को उनकी बात अपील करती है। पिछली सदी के साठ के दशक तक प्रति व्यक्ति आय के लिहाज से देश का पांचवां बड़ा राज्य रहे बिहार की बदहाली का सवाल जब वे उठाते हैं तो बिहार का हित चाहने वाले लोगों को वह बात अपील करती है। यही वजह है कि उनके साथ हर वर्ग के लोग दिखते हैं। इसलिए बिहार की राजनीति में जाति की चर्चा पीछे छूट जाती है। खास दल के खास जातीय आधार की मान्यता के बीच से उसी जाति के बीच से जब कुछ आवाजें बिहार के पक्ष में उस दल विशेष के विरोध में उभरती हैं तो बिहार की राजनीति पर नजर रखने वालों को हैरत होती है। यह बदलाव प्रशांत किशोर की राजनीति का कमाल कहा जा सकता है। इसका यह मतलब नहीं है कि प्रशांत किशोर के पीछे समूचा बिहार उठ खड़ा हुआ है। दकियानुसी की हद तक जाति और धर्म के खेमे में बंट चुकी बिहार की राजनीति की इस सोच में इस बार के चुनावों में खरोंच लगती दिख रही है। इस लिहाज से प्रशांत किशोर, जेपी और कर्पूरी ठाकुर की परंपरा में खड़े होते नजर आ रहे हैं। बिहार की सोच में बदलाव की यह बयार बनी रही तो तय मानिए, बिहार ही नहीं देश की राजनीति बदलने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

देश दुनिया से

बेहतर इंटरनेट पहुंच से ग्रामीण विकास की राह पर

भारत की विकास गाथा तब तक अधूरी है जब तक इसकी असली ताक़त 'ग्रामीण भारत' डिजिटल हाइवे से पूरी तरह नहीं जुड़ती। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, लेकिन सुलभ इंटरनेट की पहुंच से अब भी दूर है। शहरी भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग और शासन में डिजिटल क्रांति स्पष्ट दिखती है, जबकि गांव आज भी कमज़ोर नेटवर्क और सीमित डिजिटल साक्षरता से जूझ रहे हैं। इस खाई को पाटना ही आने वाले दशक में समावेशी विकास और असमानता दूर करने का निर्णायक कारक बनेगा। यह सच है कि मौजूदा सरकार ने डिजिटल भारत अभियान को केवल शहरों तक सीमित न रखकर उसे गांवों-कस्बों तक पहुंचाने की दिशा में कई कदम उठाए। डिजिटल इंडिया दृष्टि ने तकनीक को विलासिता से सशक्तीकरण के औज़ार में बदल दिया है। आज किसान ऑनलाइन मंडी भाव देख रहे हैं, महिलाएं सीधे लाभ हस्तांतरण योजनाओं से जुड़ रही हैं, विद्यार्थी ई-लर्निंग तक पहुंच रहे हैं और रेहड़ी वाले तक क्यूआर कोड से नकद रहित भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। यह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक क्रांति का प्रतीक है, जो गांवों में अवसरों का विस्तार कर रही है। गांवों की ज़िंदगी में डिजिटल क्रांति से ऑनलाइन पढ़ाई और रोज़गार के कारण शहरों की ओर पलायन में कमी आ रही है। वहीं, इंटरनेट से महिलाएं स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म ऋण और ऑनलाइन प्रशिक्षण के जरिये आर्थिक आत्मनिर्भर बन रही हैं। विश्व बैंक के अनुसार, इंटरनेट तक पहुंच रखने वाली ग्रामीण महिलाओं को 15 प्रतिशत अधिक रोज़गार अवसर मिलते हैं। साथ ही, नेटवर्क के ज़रिए गांव अब राष्ट्रीय विमर्श में भाग ले रहे हैं। अपनी सांस्कृतिक विरासत का डिजिटल संरक्षण भी कर पा रहे हैं। गौरतलब है कि भारतनेट परियोजना के तीसरे चरण पर 1.39 लाख करोड़ रुपये (2023–25) खर्च किए जा रहे हैं। जियो और एयरटेल जैसी कंपनियां 2026 तक 90 प्रतिशत आबादी को 5जी से जोड़ने का दावा कर रही हैं। पहाड़ी क्षेत्रों के लिए सैटेलाइट इंटरनेट एक विकल्प है, लेकिन इसकी लागत 1,200-1,500 रुपये प्रति परिवार प्रतिमाह तक पहुंच सकती है। हालांकि तथ्य यह भी कि भारत हर साल 6.4 लाख करोड़ रु. ग्रामीण विकास पर खर्च करता है। यदि इसका 10

फीसदी भी डिजिटल नेटवर्क विस्तार पर लगाया जाए, तो इससे हर गांव जुड़ सकता है। सवाल उठता है कि गांवों तक नेटवर्क पहुंचना क्यों ज़रूरी है? इसके उत्तर कई हैं। एक तो ऑनलाइन कक्षाएं, डिजिटल लाइब्रेरी और ई-लर्निंग एप्स ग्रामीण छात्रों के लिए वरदान हैं। यूनिसेफ़ के अनुसार, इससे गांवों में बच्चों की सीखने की क्षमता 20–25 प्रतिशत बेहतर रही है। इस समय ग्रामीण भारत की 65 फीसदी आबादी 35 वर्ष से कम की है। डिजिटल नेटवर्क से उन्हें स्किल ट्रेनिंग, ऑनलाइन कोर्स और रिमोट जॉब्स के अवसर मिल सकते हैं। वहीं इंटरनेट सुविधा के चलते कृषि और अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिला है। नीति आयोग के अनुसार, किसान मौसम, फसल मूल्य और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर 8-10 प्रतिशत अधिक आय अर्जित कर रहे हैं। यही नहीं, स्वास्थ्य क्षेत्र में जहां ग्रामीण इलाकों में प्रति 10,000 लोगों पर केवल एक डॉक्टर है, ऐसे में 'ई-संजीवनी' जैसे टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म ने अब तक दो करोड़ से अधिक परामर्श प्रदान किए हैं। इंटरनेट के माध्यम से सीधे लाभ अंतरण (डीबीटी) से पेंशन, मज़दूरी और सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रही हैं, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आई है और शासन में पारदर्शिता बढ़ी है। पिछले दशक में उल्लेखनीय सुधार के बावजूद ट्राई के 2025 के आंकड़ों के अनुसार, केवल 52 प्रतिशत ग्रामीण घरों में इंटरनेट की पहुंच है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 95 प्रतिशत है। भारतनेट के तहत 6.5 लाख ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फ़ाइबर से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। अभी तक 60 प्रतिशत से कम गांवों में ही कार्यशील हाई-स्पीड नेटवर्क पहुंच पाया है। यह भी कि भारत अब कनेक्टिविटी बढ़ाने की दौड़ में विदेशी कंपनियों पर निर्भर नहीं रहा। बीएसएनएल की स्वदेशी 4जी स्टैक पहल ऐतिहासिक उपलब्धि है। सी-डॉट, तेजस नेटवर्क और टीसीएस के सहयोग से विकसित यह तकनीक महज़ 22 महीनों में तैयार हुई। भारत अब उन पांच देशों में शामिल हो गया है जो यह क्षमता रखते हैं। वहीं, बीएसएनएल अब तक 92,000 साइटें स्थापित कर चुका है, जिससे 2.2 करोड़ से अधिक लोग—जिनमें बड़ी संख्या ग्रामीण उपभोक्ताओं की है—इंटरनेट से जुड़े हैं। यह न केवल तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की जीवंत मिसाल भी है। यही नहीं, स्वदेशी स्टैक से स्थानीय रोज़गार, सप्लाई चेन और तकनीकी कौशल का विकास हुआ है। यह तकनीक निर्यात योग्य भी है, जिससे भारत केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि टेलीकॉम उत्पादक राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। इस सबके बावजूद अब भी चुनौतियां शेष हैं। सस्ता डेटा होने पर भी स्मार्टफ़ोन और मासिक खर्च गरीब परिवारों पर बोझ हैं। दूसरी ओर, 60 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण वयस्क अब भी डिजिटल ज्ञान से वंचित हैं।

आप का नजरिया

कितने खुरदरे पन्नों पर चर्चा

कसौली में देश की नब्ज, अतीत के झरोखे और समय की अनुगूंज का सार यही कि हमारे कदमों में कीचड़ भरता रहा और भर रहा है। आश्चर्य यह कि साहित्यिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक संवाद की परिपाटी में जुर्म के फैसले आज भी कांग्रेस को कठघरे में रखते हैं, जबकि लोकतंत्र के बचाव में पिछले एक दशक की गणना कमजोर रही। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के दौर से निकले ब्लू स्टार आपरेशन और श्रीलंका में शांति अभियान के खुरदरे पन्नों ने चर्चा को फिर कहीं जख्मी किया। कसौली लिटफेस्ट में पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम का मुकाबला हरिंदर बावेजा की किताब से हो रहा, तो जाहिर है कि परतें शर्मिंदा होने की जिरह में मजबूर रहीं, लेकिन कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने अपनी ही पार्टी के निकम्मेपन की कब्र खोद दी। यानी लिटफेस्ट की उपलब्धि देखें, तो कांग्रेस बैकफुट पर अपने ही अतीत की बोली लगा रही है। पार्टी के केंचुए दौड़ तो रहे, लेकिन रीढ़विहीन संगठन की तलाशी में नेताओं के किंतु-परंतु और निशाने असमंजस में हैं। कसौली जितना अतीत में, उतना आज को नहीं देख पाया और भविष्य की संगत के लिए यह भीड़ मुनासिब नहीं थी। धारा 370 हटाने से शब्दों की चित्रकारी का सुकून देखा नहीं गया, लेकिन पूर्व रॉ प्रमुख ए एस दुलत ने घाटी से फरेब की कसौटियां खोलकर देश को फिर से पुराने चश्मों की याद दिलाई। माहौल में छाई नफरत और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के कंकाल टांगने के बजाय राजनय को फिर से काम पर लगाने की सोहबत सिखाई गई। सोनम वांगचुक क्या राष्ट्रीय दुश्मन हैं या उनके खिलाफ खड़ा होकर देश लद्दाख से चीन को सबक सिखाएगा। यह तिनके बराबर चर्चा है कि हम ऐसे विषयों के हाशियों पर एक पूरे लिटफेस्ट की सुर्खी ढूंढ लाते हैं। साहित्य की बैसाखियों में कसौली लिटफेस्ट कितना चला। जाहिर है इंदिरा और राजीव गांधी के कार्यकाल की वैचारगी आज भी कुंठित व वर्तमान व्यवस्था के अंधेरों को फुसफुसाने का एक बहाना दे गई, वरना राष्ट्र भी अब ऐसी संभ्रांत चर्चाओं के आकाश में अपनी लाठियां उसी तरह भांज रहा है, जिस तरह सत्ता के फिकरे मीडिया की जुबान में दर्ज हुए। राहत हुई कि कुछ बहस हुई, वरना कसौली का 'वॉयस ऑफ टुमॉरो' थीम कहीं पैदा ही न होता। कल के लिए आज की बहस का मसौदा क्या श्रीलंका, आपरेशन ब्लू स्टार से कुछ नया हासिल कर पाया या पिछले दशक के कदमों के नीचे सोए हुए विचार को जगाया गया। हम हाल के सालों में नोटबंदी से गुजरे हैं, तो आर्थिक मंदी के बावजूद जीएसटी की सतह पर हारते रुपए की अस्मिता को देखने लगे हैं। हम युद्धक्षेत्र में हैं तो दुश्मन घर से पड़ोस तक खोज लाए, लेकिन आज का भारत अपनी दहलीज से बाहर श्रीलंका, मालदीप, नेपाल, म्यांमार, बांग्लादेश, चीन और पाकिस्तान से कैसे दिखाई देता है, यह कौन देख रहा। संभ्रांत चर्चाओं में भारत के गांव में लगी आग, किसान के खेत में छाया कोहराम और विश्वविद्यालयों में ठहर सा गए युवा की वकालत को इस लिटफेस्ट में कौन सुन पाया। कौन कह पाया कि भारतीय मीडिया अब कह नहीं पाता और कौन सुन पाया कि देश में बुलडोजर ने समाज के भीतर भी एक पाकिस्तान पैदा कर दिया है। फिल्मों के अमोल पालेकर अपने चित्रकार होने की तूलिका से वो रंग देख पाए जो 'वैमनस्य की फाइल' से वीभत्स रंग चुरा कर फिल्में बना रहे हैं। क्या कसौली लिटफेस्ट पूर्व रॉ प्रमुख के साथ खड़ा होकर अतीत के पिंजरों से बाहर नए भारत की भूमिका में पाक से बातचीत का तर्क समझ पाया।

इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के दौर से निकले ब्लू स्टार आपरेशन और श्रीलंका में शांति अभियान के खुरदरे पन्नों ने चर्चा को फिर कहीं जख्मी किया। कसौली लिटफेस्ट में पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम का मुकाबला हरिंदर बावेजा की किताब से हो रहा, तो जाहिर है कि परतें शर्मिंदा होने की जिरह में मजबूर रहीं, लेकिन कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने अपनी ही पार्टी के निकम्मेपन की कब्र खोद दी। यानी लिटफेस्ट की उपलब्धि देखें, तो कांग्रेस बैकफुट पर अपने ही अतीत की बोली लगा रही है। पार्टी के केंचुए दौड़ तो रहे, लेकिन रीढ़विहीन संगठन की तलाशी में नेताओं के किंतु-परंतु और निशाने असमंजस में हैं। कसौली जितना अतीत में, उतना आज को नहीं देख पाया और भविष्य की संगत के लिए यह भीड़ मुनासिब नहीं थी। धारा 370 हटाने से शब्दों की चित्रकारी का सुकून देखा नहीं गया, लेकिन पूर्व रॉ प्रमुख ए एस दुलत ने घाटी से फरेब की कसौटियां खोलकर देश को फिर से पुराने चश्मों की याद दिलाई। माहौल में छाई नफरत और दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के कंकाल टांगने के बजाय राजनय को फिर से काम पर लगाने की सोहबत सिखाई गई। सोनम वांगचुक क्या राष्ट्रीय दुश्मन हैं या उनके खिलाफ खड़ा होकर देश लद्दाख से चीन को सबक सिखाएगा। यह तिनके बराबर चर्चा है कि हम ऐसे विषयों के हाशियों पर एक पूरे लिटफेस्ट की सुर्खी ढूंढ लाते हैं। साहित्य की बैसाखियों में कसौली लिटफेस्ट कितना चला। जाहिर है इंदिरा और राजीव गांधी के कार्यकाल की वैचारगी आज भी कुंठित व वर्तमान व्यवस्था के अंधेरों को फुसफुसाने का एक बहाना दे गई, वरना राष्ट्र भी अब ऐसी संभ्रांत चर्चाओं के आकाश में अपनी लाठियां उसी तरह भांज रहा है, जिस तरह सत्ता के फिकरे मीडिया की जुबान में दर्ज हुए।

दृष्टि कोण

ट्रंप टैरिफ के बाद भारत, अमरीका और विश्व

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में विश्व अर्थव्यवस्था में एक बड़ी उथल-पुथल लाने वाले साबित हो रहे हैं। अर्थशास्त्री, व्यापार विशेषज्ञ, भू-राजनीतिक विशेषज्ञ और आम आदमी, शायद हर कोई राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरिफ संबंधी तीखे हमले की चर्चा कर रहा है। हम जानते हैं कि 2 अप्रैल 2025 से राष्ट्रपति ट्रम्प दुनिया भर के देशों पर अत्यधिक उच्च टैरिफ, जिसे वे पारस्परिक टैरिफ कहते हैं, लगा रहे हैं। तर्क यह है कि अन्य देश उच्च टैरिफ लगा रहे हैं, इसलिए वे भी उन पर पारस्परिक टैरिफ लगा रहे हैं। हम समझते हैं कि उच्च जीडीपी के साथ, अमेरिका जो दुनिया में सबसे अधिक है, में लगभग कोई उत्पादन नहीं होने के कारण, यह दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है जहां लगभग हर देश निर्यात कर रहा है। चीन अमेरिका का सबसे बड़ा निर्यातक है, और यद्यपि भारत चीन की तुलना में संयुक्त राज्य अमेरिका को बहुत कम निर्यात करता है, फिर भी, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार रहा है। वित्तीय वर्ष 2025 में, भारत का अमेरिका को निर्यात 86.5 बिलियन डॉलर था, जबकि आयात 45.3 बिलियन डॉलर था, जिसके परिणामस्वरूप भारत के लिए 41 बिलियन डॉलर का वस्तु व्यापार अधिशेष था। वित्तीय वर्ष 2025 में, भारत का अमेरिका के साथ सेवा व्यापार अधिशेष भी लगभग 3.2 बिलियन डॉलर था, जिसमें 28.7 बिलियन डॉलर का निर्यात और 25.5 बिलियन डॉलर का आयात था। इससे वित्तीय वर्ष 2025 में भारत का कुल व्यापार अधिशेष लगभग 44.4 बिलियन डॉलर हो गया। लेकिन वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार हमें पूरी तस्वीर नहीं दे सकता। कुछ विश्लेषण बताते हैं कि शिक्षा (जहां भारतीय छात्र सालाना अरबों डॉलर खर्च करते हैं), डिजिटल सेवाओं और रॉयल्टी जैसी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए, अमेरिका का भारत के साथ वास्तव में एक महत्वपूर्ण समग्र अधिशेष हो सकता है। अगर आप ट्रंप के टैरिफ से प्रभावित देशों पर नजर डालें, तो उनकी प्रतिक्रिया एक जैसी नहीं है। कुछ देश

ऐसे हैं जो पहले ही अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर चुके हैं, जबकि कुछ ऐसे भी हैं जो भविष्य में किसी समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं और कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प चुना है, और वे अमेरिका के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं, भले ही इससे उन्हें अमेरिकी बाजारों का नुकसान उठाना पड़े। भारत दूसरी श्रेणी में आता है, जो अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है, लेकिन अभी तक अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं हुआ है। चीन तीसरी श्रेणी में आता है, जो शुरू में अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा था, लेकिन अब अमेरिका के खिलाफ जवाबी रुख अपना रहा है। भारत की रणनीतिक और नीतिगत प्रतिक्रियाएं : भारत ने दबाव, कूटनीति, आंतरिक समर्थन और पुनर्निर्देशन के बीच संतुलन बनाते हुए एक संतुलित और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है। अपने कूटनीतिक और बातचीत के विकल्प खुले रखते हुए और बातचीत करने, मुद्दों को सुलझाने और तुरंत जवाबी कार्रवाई करने के बजाय अमेरिका से बातचीत करने की इच्छा का संकेत देते हुए, भारत ने बढ़ते व्यापार युद्ध से बचने और रणनीतिक संबंधों को बनाए रखने की कोशिश की है। इस संदर्भ में भारत ने लचीलापन और सद्भावना दिखाई है। भारत ने अमेरिकी दबाव कम करने के लिए कुछ अमेरिकी वस्तुओं (जैसे व्हिस्की, मोटरसाइकिल) पर शुल्क भी कम किया है। लेकिन साथ ही, भारत अपने निर्यात (विशेषकर वस्त्र) को नए बाजारों की ओर बढ़ा रहा है, ताकि अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम हो सके।

डॉ. महरंग बलुचिस्तान व अन्य महिलाओं के खिलाफ दर्ज केस की क्वेटा जेल में सुनवाई

क्वेटा,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बलोचिस्तान की प्रसिद्ध मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ. महरंग बलोच और बलोच सॉलिडेरिटी कमेटी (बीवाईसी) की अन्य महिला नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों की ताजा सुनवाई आतंकवाद विरोधी अदालत के बजाय क्वेटा जिला जेल में हुई। बीवाईसी ने इसे प्रशासनिक दमन का एक भयावह उदाहरण बताया है।

रिपोर्ट के अनुसार, बलोच सॉलिडेरिटी कमेटी ने एक्स पर एक बयान में कहा कि हिरासत में ली गई महिलाओं की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई है। डॉ. महरंग बलोच, सिबगतुल्लाह बलोच, बेबो बलोच, बैबर्ग बलोच और गुलजादी बलोच को मार्च में पब्लिक ऑर्डर ऑर्डिनेंस (एमपीओ) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वे वर्तमान में हिरासत में हैं। इनकी रिमांड कई बार बढ़ाई जा चुकी है।

डॉ. महरंग बलोच के वकील इसरार बलोच ने बताया कि मामले की सुनवाई शनिवार को आतंकवाद निरोधक अदालत संख्या एक के न्यायाधीश मोहम्मद अली मुबीन ने क्वेटा जिला जेल में की। सुनवाई के दौरान अभियोजक चालान पेश करने में विफल रहा। इसके कारण आरोप नहीं लगाए जा सके और औपच **जेनेवा,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।** सकी। जज ने सुनवाई 18 अक्टूबर तक स्थगित कर दी गई। बीवाईसी का कहना है कि जेल में सुनवाई करना पारदर्शिता को दबाने, सार्वजनिक जांच को समाप्त करने और बलोचिस्तान में शांतिपूर्ण राजनीतिक असंतोष को आपराधिक बनाने की एक गंभीर और सोची-समझी योजना है। जो पाकिस्तान के अपने संविधान और निष्पक्ष सुनवाई तथा कानून की उचित प्रक्रिया के अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का स्पष्ट उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि बलोच यकजेहती समिति की नेता हैं। वह बलोचिस्तान में ...र किए जाने, गैर-न्यायिक हत्याओं और अन्य मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ शांतिपूर्ण संघर्ष के लिए जानी जाती है। उन्हें 2025 में नोबेल शांति पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया। उन्होंने 2019 में इस समिति की स्थापना की थी। उन्होंने 2023 में बलोच लॉन्ग मार्च का नेतृत्व किया। इसमें लाखों लोगों ने हिस्सा लिया। महरंग बलोच ने अपने पिता के अपहरण और भाई के जबरन गायब होने के बाद मानवाधिकारों के लिए आंदोलन शुरू किया।

न्यूज ब्रीफ

वेनेजुएला ने नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपनी दूतावासें बंद करने का किया ऐलान

काराकास। वेनेजुएला की सरकार ने सोमवार को घोषणा की है कि वह नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपने दूतावास को बंद करेगी। इसके स्थान पर बुर्किना फासो और जिम्बाब्वे में नए दूतावास खोले जाएंगे। यह कदम अमेरिकी तनावों के बढ़ने के बाद वेनेजुएला के विदेश सेवा ढांचे के पुनर्गठन का हिस्सा है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार ने एक बयान में कहा कि यह बंदी संसाधनों के रणनीतिक पुन:आवंटन का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले वेनेजुएला नागरिकों के लिए वाणिज्यिक सेवाएं अन्य कूटनीतिक मिशनों के माध्यम से प्रदान की जाएंगी, जिसके विवरण आने वाले दिनों में साझा किए जाएंगे। काराकास ने कहा कि बुर्किना फासो और जिम्बाब्वे में नई दूतावासें दो बहन राष्ट्रों में खोली जाएंगी, जो उपनिवेशवाद के खिलाफ और प्रभुत्ववादी दबावों के खिलाफ संघर्ष में रणनीतिक सहयोगी हैं। ये नई दूतावासें कृषि, ऊर्जा, शिक्षा, खनन और अन्य साझा हितों में संयुक्त परियोजनाओं को शुरू करने में मदद करेंगी। यह घोषणा उस समय हुई है जब ओस्लो में नोबेल समिति ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना माचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया है। वेनेजुएला और अमेरिका के बीच बढ़ते तनावों के बीच यह कदम लिया गया। काराकास ने कहा है कि वह अपने कैरेबियन तट के पास अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद संयुक्त राष्ट्र से समर्थन की मांग कर रहा है। मादुरो ने आरोप लगाया है कि अमेरिका देश में सरकार बदलने की कोशिश कर रहा है। जिम्बाब्वे और बुर्किना फासो की सरकारें रूस के करीब हैं, जिसने संयुक्त राष्ट्र में वेनेजुएला का समर्थन किया और अमेरिका पर पहले गोली मारो सिद्धांत के अनुसार कार्य करने का आरोप लगाया।

सेनेगल में फैला रिफ्ट वैली फीवर, 18 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा संक्रमित, यह जानवरों से इंसानों में फैलता है, गाय, भेड़, बकरी को करता है प्रभावित

डकार। पश्चिमी अफ्रीकी देश सेनेगल एक खतरनाक वायरल महामारी की चपेट में है। देश के उत्तरी हिस्सों में रिफ्ट वैली फीवर फैल गया है जिससे अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 100 से ज्यादा संक्रमित हैं। सेनेगल के स्वास्थ्य मंत्रालय के निगरानी प्रमुख डॉ. बोली डियोप ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में मरीज पहली बार दर्ज किए गए हैं। रिफ्ट वैली फीवर एक जूनोटिक बीमारी है जिसका अर्थ है कि यह जानवरों से इंसानों में फैलती है। यह मुख्य रूप से भेड़, बकरी और गाय जैसे पालतू पशुओं को प्रभावित करती है। इस वायरस की पहचान पहली बार 1931 में केन्या की रिफ्ट वैली में हुई थी। तब से यह अफ्रीका और कभी-कभी मध्य-पूर्व तक भी फैल चुकी है। इसका फैलाव अक्सर भारी बारिश या बाढ़ के बाद होता है, क्योंकि इससे मच्छरों की संख्या बढ़ती है। एडीज और क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छर इस वायरस के मुख्य वाहक हैं। इंसानों में यह संक्रमण संक्रमित पशुओं के खून या अंगों के संपर्क में आने से भी फैल सकता है खासकर जब बीमार जानवर को काटा जाता है या उसका मांस तैयार किया जाता है। रिफ्ट वैली फीवर के लक्षण और खतरा ज्यादातर मामलों में यह बीमारी हल्की होती है जिसके लक्षण फ्लू या वायरल बुखार जैसे होते हैं। तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों की रोशनी धुंधली, जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, थकान, दिमाग में सूजन, उल्टी या मतली, हैमरेजिक फीवर, आंतरिक रक्तस्राव, लिवर को नुकसान और 50 फीसदी तक मौत की संभावना।

हमास ने इजराइल को सौंपा नेपाली छात्र विपिन जोशी का शव, पोस्टमार्टम के बाद स्वदेश लाने की तैयारी

काठमांडू। हमास ने सोमवार को गाजा में बंधक नेपाली छात्र विपिन जोशी का शव को रेडक्रॉस के मार्फत इजराइल को सौंप दिया। तीन अन्य बंधकों के साथ सौंपे गए विपिन के शव को पोस्टमार्टम के बाद नेपाल लाने की तैयारी है। रेडक्रॉस की टीम सोमवार रात चार शव इजराइल डिफेंस फोर्स को सौंपे। इजराइल में नेपाल के राजदूत धन बहादुर पंडित ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद विपिन का शव दूतावास को सौंपा जाएगा। उसके बाद उसे नेपाल भेजा जाएगा। राजदूत पंडित ने बताया कि विपिन जोशी के परिवार को इसकी जानकारी दे दी गई है। उनके शव को काठमांडू होते हुए उनके पैतृक निवास स्थान धनगढ़ी तक पहुंचाया जाएगा। विपिन जोशी की मौत की खबर से नेपाल में शोक है। विपिन जोशी के भाई ने कहा कि यह परिवार के लिए हृदयविदारक है।

अब मेडागास्कर में युवाओं ने किया तख्तापलट राष्ट्रपति आंद्रे राजोएलिना देश छोड़कर भागे

एंटानानारिवो,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नेपाल के बाद अब मेडागास्कर में भी विद्रोह की आग फैल गई। यहां जेन-जेड आक्रोश इतना ज्यादा बढ़ गया कि राष्ट्रपति आंद्रे राजोएलिना को देश छोड़कर भागना पड़ा। इससे पहले यहां युवाओं ने आंदोलन किया और उनका आक्रोश बढ़ा जो थमने का नाम नहीं ले रहा था। राष्ट्रपति राजोएलिना ने एक दिन पहले ही रविवार को दावा किया था कि सेना की मदद से देश में तख्तापलट की कोशिशें हो रही हैं। जेन-जेड के ताजा विद्रोह और सत्ता में शीर्ष पद पर बैठे अधिकारी द्वारा पद छोड़ने का यह नवीनतम उदाहरण है। पिछले महीने नेपाल में भी जेन-जेड ने इसी तरह का भारी विरोध-प्रदर्शन किया था, जिसके बाद वहां के पीएम ने कुर्सी छोड़ दी थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर प्रसारित राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में राजोएलिना ने कहा कि उन्हें अपनी जान बचाने के लिए किसी सुरक्षित स्थान पर जाना होगा। उन्होंने अपने ठिकाने का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए अपनी बात रखी कि वह मेडागास्कर को बर्बाद नहीं होने देंगे। भाषण के बाद राजनयिक सूत्र ने कहा कि राजोएलिना पद छोड़ने से इनकार कर रहे हैं।

संसद में विपक्ष के नेता, सितेनी रैंड्रियानासोलोनियाइको ने बताया कि राष्ट्रपति एंड्री राजोइलिना रविवार को मेडागास्कर छोड़कर चले गए, जब सेना की कुछ टुकड़ियां प्रदर्शनकारियों में शामिल हो गईं। सितेनी ने कहा, हमने राष्ट्रपति कार्यालय के कर्मचारियों से बात की और उन्होंने पुष्टि की कि वह देश छोड़कर चले गए हैं। उन्होंने कहा कि राजोएइलिना का वर्तमान ठिकाना अज्ञात है। राष्ट्रपति कार्यालय ने टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। सैन्य सूत्र ने बताया कि रविवार को फ्रांसीसी सेना कासा विमान मेडागास्कर के सैंटे मैरी हवाई अड्डे पर उतरा। सूत्र ने कहा, पांच मिनट बाद एक हेलीकॉप्टर आया और अपने यात्री को कासा में ले गया और बताया कि राजोएलिना ही वह यात्री था। 25 सितंबर को पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश में पानी और बिजली की कमी को लेकर प्रदर्शन शुरू हुए थे, लेकिन जल्द ही यह भ्रष्टाचार, कुशासन और बुनियादी सेवाओं की कमी जैसी व्यापक शिकायतों को लेकर विद्रोह में बदल गया। सैन्य सूत्र ने बताया कि राजोएलिना रविवार को एक फ्रांसीसी सैन्य विमान से पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश मेडागास्कर से रवाना हुए।

मस्क के स्पेस एक्स ने लॉन्च की मेगा स्टारशिप रॉकेट की टेस्ट फ्लाइट

वॉशिंगटन। अरबपति एलन मस्क के स्पेस एक्स ने टेक्सास के स्टारबेस से अपना 11वां स्टारशिप रॉकेट लॉन्च किया है। ये अब तक का सबसे बड़ा और शक्तिशाली रॉकेट स्टारशिप टेक्सास के दक्षिणी सिरे से लॉन्च हुआ। इसका मकसद दुनिया के आधे हिस्से में पहुंचकर नकली सैटेलाइटों को लॉन्च करना है। लॉन्च के बाद बूस्टर रॉकेट अलग हो गया और मेक्सिको की खाड़ी में नियंत्रित रूप से प्रवेश किया। यह हिंद महासागर की ओर उतरने से पहले अंतरिक्ष में घूमता रहा। इससे पहले अगस्त में स्टारशिप का 10वां इंटीग्रेटेड टेस्ट फ्लाइट लॉन्च किया गया था। मस्क ने कहा कि हमेशा की तरह लॉन्च कंट्रोल के अंदर रहने के बजाय, वह पहली बार बाहर जाकर देख रहे थे। स्टारशिप की अगस्त में हुई पिछली परीक्षण उड़ान कई विस्फोटक विफलताओं के बाद सफल मानी गई थी। इस बार विशेष रूप से अंतरिक्ष यान के लिए अधिक पैंतरेबाजी की गई। स्पेसएक्स ने प्रक्षेपण स्थल पर वापस उतरने में हिंद महासागर में अंतरिक्ष यान के प्रवेश के दौरान कई परीक्षणों की योजना बनाई थी। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने इस रॉकेट को बनाया है। इस उड़ान का मकसद अगली जेनरेशन सुपर हेवी बूस्टर के लिए डेटा कलेक्ट करना, हीटशील्ड का स्ट्रेस टेस्ट और फ्यूचर रिटर्न टू लॉन्च साइट मैन्यूवर्स का प्रदर्शन है। भविष्य में रॉकेट को उड़ान भरने वाली जगह पर ही वापस लाना इसका उद्देश्य है। इसका इस्तेमाल स्पेसएक्स के संस्थापक और सीईओ एलन मस्क लोगों को मंगल ग्रह पर भेजने के लिए करना चाहते हैं। अंतरिक्ष एजेंसी अपने इस 403 फुट (123 मीटर) लंबे स्टारशिप के बिना दशक के अंत तक अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर नहीं उतार सकती। ऐसे में यह एक प्रयोज्य वाहन (रीयूजेबल व्हीकल) है, जो उन्हें चंद्रमा की कक्षा से सतह तक और वापस ऊपर ले जाने के लिए बनाया गया है। इससे पहले 29 जून के टेस्ट में स्टैटिक फायर के दौरान स्टारशिप में ब्लास्ट हो गया था। इस टेस्ट में रॉकेट को जमीन पर रखकर उसके इंजन को चालू किया जा रहा था। टेस्ट के दौरान रॉकेट के ऊपरी हिस्से में अचानक विस्फोट शुरू हुआ। इसके बाद कुछ ही सेकंड में पूरा रॉकेट आग के गोले में बदल गया था।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के रक्षामंत्री और आईएसआई प्रमुख का वीजा आवेदन खारिज किया

काबुल,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अफगान सरकार ने पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ, इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक और दो अन्य जनरलों के वीजा आवेदनों को खारिज कर दिया है। पिछले तीन दिन में इस्लामाबाद ने तीन अलग-अलग अनुरोध भेजे। तीनों को काबुल ने अस्वीकार कर दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, अफगान विदेश मंत्रालय या तालिबान सरकार ने इस मामले पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की। सूत्रों ने वीजा आवेदन खारिज करने की पुष्टि की। हाल के महीनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है। इस्लामाबाद ने अफगानिस्तान पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को अपनी जमीन का प्रयोग करने का आरोप लगाया है।

तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद के इन आरोपों का खंडन किया है। हाल ही में खबरें आईं कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल सहित विभिन्न क्षेत्रों में हवाई हमले किए। अफगान बलों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तानी बलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को भारी क्षति हुई।

हालांकि बाद में अफगान सेना ने युद्धविराम की घोषणा कर दी। भारत में अफगान सरकार के विदेश मंत्री ने पुष्टि की कि सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात के अनुरोध पर युद्धविराम का फैसला लिया गया।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ पहले भी अफगान नेतृत्व से मिल चुके हैं। हालिया घटनाक्रम के बाद वह तालिबान सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ सुरक्षा पर चर्चा करने के लिए काबुल जाना चाहते थे। अफगान सरकार के इनकार करने से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव और भी स्पष्ट हो गया है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, उच्चस्तरीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के वीजा आवेदनों को अस्वीकार करना एक असामान्य कदम है। यह दर्शाता है कि तालिबान सरकार अब इस्लामाबाद के दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं है।

जेम्स वेब टेलीस्कोप ने खोजा विशाल कॉस्मिक ट्रेल

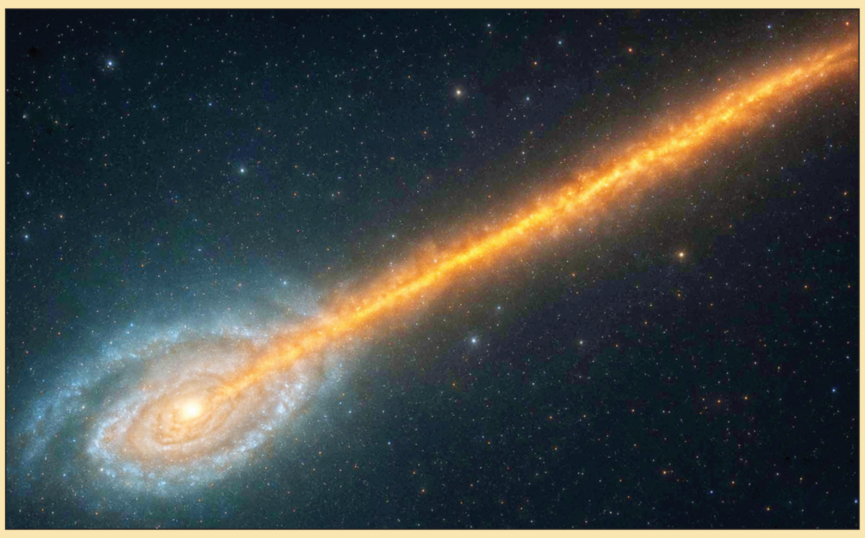

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जेम्स वेब टेलीस्कोप (जेडब्ल्यूएसटी) ने खगोल विज्ञान की एक रोमांचक खोज की है। जेडब्ल्यूएसटी और चिली स्थित एएलएमए की संयुक्त ऑब्जर्वेशन में एनजीसी 3627 नामक एक दूरस्थ स्पाइरल गैलेक्सी में एक विशाल कॉस्मिक ट्रेल का पता चला है। यह गैलेक्सी लियो (सिंह) नक्षत्र में स्थित है और पृथ्वी से लगभग 31 मिलियन लाइट ईयर दूर है। यह ट्रेल लगभग 20,000 लाइट ईयर लंबा और 650 लाइट ईयर चौड़ा है, जो अब तक देखी गई सबसे बड़ी और स्पष्ट कॉस्मिक लकीरों में से एक माना जा रहा है। चीन की नानजिंग यूनिवर्सिटी के खगोल वैज्ञानिक मेंगके झाओ ने बताया कि यह खोज पीएचएएनजीएस सर्वे के दौरान सामने आई, जिसका उद्देश्य ब्रह्मांड में गैस, तारों के निर्माण और गैलेक्सी के ढांचे को समझना है। जेडब्ल्यूएसटी से प्राप्त डेटा ने संकेत दिया कि यह ट्रेल महीन धूल के कणों से भरी हुई है, जबकि एएलएमए के अवलोकन में इसमें कार्बन मोनोऑक्साइड गैस की प्रचुरता भी देखी गई।

नेपाल में संसद विघटन और अंतरिम सरकार गठन को कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी

काठमांडू,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नेपाल के तीन प्रमुख दल संसद विघटन और सरकार गठन के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में रिट दायर करने की तैयारी कर रहे हैं। भंग की गई प्रतिनिधि सभा के स्पीकर देवराज घिमिरे ने मंगलवार को तीनों प्रमुख दलों की बैठक बुलाकर संसद विघटन और सरकार गठन को चुनौती देने के लिए एक साथ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने को कहा है। इस बैठक में स्पीकर घिमिरे ने कहा कि अलग-अलग रिट दाखिल करने से बेहतर है सभी संयुक्त रूप से इसे दाखिल करें।

इस बैठक में नेपाली कांग्रेस के तरफ से प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत,नेकपा एमाले के तरफ से पूर्व कानून मंत्री पद्मा अर्याल और माओवादी के तरफ से राष्ट्रीय सभा के सांसद और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता खिमलाल देवकोटा की उपस्थिति रही। इसके अलावा नेपाल बार एसोशिएशन के तरफ से भी अलग से रिट दाखिल करने की तैयारी हो रही है।

नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा कि उनकी पार्टी के तरफ से संसद विघटन के अंतरिम सरकार के फैसले को कोर्ट में चुनौती देने के लिए पूरी तैयारी की जा चुकी है। नेकपा एमाले की नेता तथा पूर्व कानून मंत्री पद्मा अर्याल ने कहा कि संविधान के दायरे से बाहर जाकर अंतरिम सरकार द्वारा संसद विघटन का फैसला किए जान के खिलाफ कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। साथ ही इस सरकार का गठन भी संविधान की धारा के मुताबिक नहीं होने के कारण उसकी वैधता पर भी सवाल खड़ा किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में नियमित सुनवाई शुरू होने जा रहीं है। जेन जी आंदोलन के दौरान आगजनी के कारण खंडहर बन चुके अदालत परिसर में 35 दिन के बाद नियमित सुनवाई होने जा रही है। साथ ही रिट दाखिल करने को कहा गया है।

शांति वार्ता : दो राज्य समाधान तर्क से सहमत नहीं ट्रंप

शर्म अल-शेख (मिस्र),14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिलिस्तनी संघर्ष के समाधान में मिस्र की राय से सहमत नहीं हैं। ट्रंप ने गाजा शांति शिखर सम्मेलन से लौटते समय पत्रकारों से बातचीत में मिस्र को राष्ट्रपति के विचार पर कोई टिप्पणी नहीं की। एक पत्रकार ने ट्रंप से मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी तर्क पर पूछा था। सीसी ने कहा था कि इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में शांति का एकमात्र रास्ता दो-राज्य समाधान है। ट्रंप ने जवाब दिया, मैं गाजा के पुनर्निर्माण का पक्षधर हूं। एकल राज्य, दो राज्य से मेरा कोई लेना देना नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि बहुत से लोगों को मिस्र के राष्ट्रपति का विचार पसंद होगा। उन्होंने अभी तक इस पर सोचा नही है। उल्लेखनीय है कि हाल में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और ट्रम्प ने फिलिस्तीनी राज्य के आह्वान की निंदा की है। राष्ट्रपति ट्रंप के 20-सूत्री गाजा शांति प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से फिलिस्तीनी राज्य का आह्वान नहीं किया गया है, लेकिन यह राज्य के दर्जे को फिलिस्तीनी लोगों की आकांक्षा कहता है। इस बीच व्हाइट हाउस ने शर्म अल-शेख सम्मेलन पर राष्ट्रपति ट्रंप, मिस्र, कतर और तुर्किये के नेताओं द्वारा हस्ताक्षरित एक शांति घोषणापत्र जारी किया है। इस दस्तावेज में ट्रंप के गाजा में युद्ध समाप्त करने के ईमानदार प्रयासों की सराहना की गई है। फिलिस्तीनियों और इजराइलियों सहित क्षेत्र के सभी लोगों के लिए शांति, सुरक्षा, स्थिरता और अवसर का आह्वान किया गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि भविष्य के विवादों को बल प्रयोग या लंबे संघर्ष के बजाय कूटनीतिक बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए।

खास बात यह है कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजराइल और हमास के बीच हुए युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की सराहना की।

बाइडेन ने एक्स पर लिखा, इस समझौते तक पहुंचने का रास्ता आसान नहीं था। मेरे प्रशासन ने बंधकों को घर वापस लाने, फ़िलिस्तीनी नागरिकों को राहत पहुंचाने और युद्ध समाप्त करने के लिए अथक प्रयास किया। मैं राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम की इस नए युद्धविराम समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सराहना करता हूं। मिस्र पहुंचने से पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को इजराइली संसद (नेसेट) को संबोधित किया। ट्रंप को एक घंटे से अधिक लंबे भाषण के दौरान इजराइली सांसद से बार-बार खड़े होकर तालियां मिलीं। ट्रंप ने मध्य पूर्व में एक नए युग की शुरुआत और इजराइल में शांति की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि बंधकों को सोमवार तड़के गाजा स्थित रेडक्रॉस को सौंप दिया गया और फिर उन्हें इजराइल में उनके परिवारों से मिलवाया गया। ट्रंप ने कहा, अंधेरे और कैद में बिताए दो कष्टदायक वर्षों के बाद 20 साहसी बंधक अपने परिवारों के बीच लौट रहे हैं। यह गौरवशाली पल है।इतने वर्षों के अनवरत युद्ध और अंतहीन खतरे के बाद आकाश शांत है। बंदूकें शांत हैं। सायरन शांत हैं। सूर्य एक ऐसी पवित्र भूमि पर उदय हो रहा है जो अंतत: शांतिपूर्ण है। एक ऐसी भूमि और एक ऐसा क्षेत्र जो ईश्वर की इच्छा से अनंतकाल तक शांति से रहेगा। गाजा शांति शिखर सम्मेलन भारत का प्रतिनिधित्व विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने किया। उन्होंने मध्य पूर्व में शांति के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की।

पर्थ वनडे से बाहर हुए एडम ज़म्पा और इंग्लिस, कूहनेमन और फिलिप को मौका

पर्थ,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम ज़म्पा और विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंग्लिस भारत के खिलाफ पर्थ में होने वाले पहले वनडे मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह मैथ्यू कूहनेमन और जॉश फिलिप को टीम में शामिल किया गया है।

ज़म्पा पारिवारिक कारणों से टीम से बाहर हैं क्योंकि उनकी पत्नी हैरियट गर्भावस्था के अंतिम चरण में हैं और डिलीवरी की तारीख नज़दीक है। पर्थ से घर वापस लौटना कठिन होने के कारण ज़म्पा ने न्यू साउथ वेल्स में ही रहने का फैसला किया है। वे संभवत: एडिलेड और सिडनी में होने वाले दूसरे और तीसरे वनडे में टीम से जुड़ेंगे। इसके बाद होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज़ में उनके खेलने की पूरी संभावना है। वहीं, इंग्लिस पिंडली (काफ़) की चोट से उबर नहीं पाए हैं, जो उन्हें न्यूजीलैंड दौरे से पहले लगी थी। इसी कारण वे पहले वनडे से बाहर हैं। इंग्लिस एडिलेड में होने वाले दूसरे वनडे से भी बाहर रहेंगे, लेकिन टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वे 25 अक्टूबर को सिडनी में होने वाले तीसरे वनडे तक फिट हो जाएंगे।

कूहनेमन की वापसी

मैथ्यू कूहनेमन तीन साल बाद वनडे टीम में वापसी करेंगे। उन्होंने आखिरी बार 2022 में श्रीलंका में वनडे खेला था। वे पूरे विंटर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ विभिन्न दौरों पर रहे, लेकिन इस दौरान उन्हें केवल एक ही टी20 मैच में मौका मिला। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने हाल ही में बेहतरीन प्रदर्शन किया है, उन्होंने तीन वनडे मैचों में 4 विकेट लिए और 56 रनों की शानदार पारी खेली।

फिलिप को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी।

जॉश फिलिप को पर्थ वनडे में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दी जाएगी क्योंकि एलेक्स कैरी शील्ड मैच खेलने के लिए एडिलेड में रहेंगे। फिलिप ने आखिरी बार 2021 में वेस्टइंडीज दौरे पर वनडे खेला था। वे घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में हैं और उनके चयन से टीम को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

खिलाड़ियों का प्रबंधन और ऐशेज की तैयारी – ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं को तीनों प्रारूपों में खिलाड़ियों के बोझ को संभालते हुए ऐशेज की तैयारी भी करनी है। कैमरन ग्रीन पहले दो वनडे खेलेंगे लेकिन तीसरे वनडे में शील्ड मैच की तैयारी के चलते उन्हें आराम दिया जा सकता है। ग्रीन गेंदबाजी की लोड को शील्ड मैच में धीरे-धीरे बढ़ाएंगे।

भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), ज़ेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कॉनॉली, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कूहनेमन, मिचेल ओवेन, जॉश फिलिप (विकेटकीपर), मैट रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क, एडम ज़म्पा।

न्यूज़ ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद रोती दिखीं बांग्लादेश की महिला क्रिकेटर

नई दिल्ली। बांग्लादेश टीम की खिलाड़ी महिला विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका के हाथों मिली हार के बाद हताश होकर रोनी लगीं। इससे पहले बांग्लादेश ने पाकिस्तान को हराकर सभी का ध्यान खींचा था। उसने इंग्लैंड टीम को भी कड़ी टक्कर दी थी। दक्षिण अफ्रीका के साथ हुए मैच में हार से निराश टीम की कप्तान निगार सुल्ताना ने कहा कि उनकी टीम को करीबी मुकाबले में 3 गेंदें शेष रहते 3 विकेट से हार झेलनी पड़ी। वहीं एक समय बांग्लादेश की 232 रनों के स्कोर का बचाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका की आधी टीम को 78 रनों के स्कोर पर ही पेवेलियन भेज दिया था हालांकि वह निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट नहीं कर पायी। निगार ने मैच के बाद कहा, , मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है कि उन्होंने मैच की अंतिम गेंद तक प्रयास किया पर दुख इस बात का है कि सफलता नहीं मिली। इसी कारण खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में रो रही थीं। सकारात्मक बात ये है कि उन्होंने मैदान पर अपना 110 फीसदी योगदान दिया और हर रन के लिए संघर्ष किया। इससे पहले ऐसा इंग्लैंड के खिलाफ मैच में भी टीम कड़े मुकाबले में हार गयी थी।

प्रियंका ने उज्बेकिस्तान किकबॉक्सिंग विश्व कप में स्वर्ण व मनप्रीत ने कांस्य जीता

जालंधर। भारत की प्रियंका ठाकुर ने उज्बेकिस्तान किकबॉक्सिंग विश्व कप मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। प्रियंका ने उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को सीनियर वर्ग में 3-0 से हराकर ये स्वर्ण पदक जीता। वहीं भारत की ही मनप्रीत कौर ने कांस्य पदक जीता। प्रियंका ने कहा कि यह कड़े मुकाबले के बाद मिली सफलता से उत्साहित हैं। प्रियंका ने कहा कि अब उनका लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में जीत दर्ज करना है। इसके लिए वह अपनी ओर से कड़ा प्रयास करेंगी। प्रियंका ने इस सफलत का श्रेय अपने कोच को दिया है। साथ ही कहा कि उज्बेकिस्तान और तुर्की के खिलाड़ियों के साथ मुकाबला काफी कठिन रहा था। वहीं मनप्रीत ने कहा कि ये उनकी विदेश में पहली स्पर्धा थी। इसमें उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। मनप्रीत ने भी का कि अब वह विश्व चैंपियनशिप के लिए प्रयास करेंगी। इन दोनों महिला खिलाड़ियों के कोच खेमचंद भी उनकी इस सफलता पर गर्व का अनुभव कर रहे हैं।

जब टीम में जगह नहीं मिलने पर भड़क गये थे सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रहे वीरेंद्र सहवाग के लिए साल 2008 काफी खराब रहा है। तब ऑस्ट्रेलिया दौरे में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल रही थी। जिससे वह टीम के कोच गैरी क्रिस्टन और कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी पर भड़क गये थे और यहां तक कहा था कि मैं यहां पानी पिलाने नहीं आया हूं। अंतिम ग्यारह में नहीं रखना है तो मुझे बाहर कर किसी अन्य को अवसर दो। सहवाग ने स्वयं एक शो में ये बात बतायी है। सहवाग के लिए साल 2008 बेहद खराब रहा था। उन्होंने टीम से बाहर किए जाने के बाद संन्यास तक लेने का फैसला कर लिया था पर सचिन तेंदुलकर से समझाने के बाद अपना फैसला बदल दिया था। इसके बाद उन्होंने 2011 विश्व कप में शानदार पारी खेली थी। सहवाग के अनुसार वो चाहते थे अगर टीम में हैं तो उनको मैच खेलने का मौका दिया जाए नहीं तो किसी और खिलाड़ी को उनकी जगह टीम में शामिल कर लिया जाए। सहवाग की जगह पर कप्तान धोनी ने पहले गौतम गंभीर और फिर बाद में रॉबिन उथप्पा को अंतिम ग्यारह में जगह दी थी। शुरु सहवाग ने कहा, जब मैं 2008 में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर था और एकदिवसीय टीम के बीच टूर्नामेंट के दौरान बाहर कर दिया गया तो। मुझे बेहद खराब लगा। मैंने जाकर बोला, देखो मैं बाहर बैठने के लिए नहीं आया हूं, पानी पिलाने के लिए नहीं आ सकता हूं।

भारत ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया, 2 मैचों की सीरीज 2-0 से जीती

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केएल राहुल (58) के बेहतरीन नाबाद अर्धशतक की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को यहां अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में पांचवें दिन मंगलवार को 7 विकेट से हराकर 2 मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। भारत ने अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट में एक पारी और 140 रन से शिकस्त दी थी। पांचवें दिन जीत के लिए भारत को 58 रन की जरूरत थी। भारत को साईं सुदर्शन और और केएल राहुल ने धीमी शुरुआत दिलाई। हालांकि 88 के कुल स्कोर पर सुदर्शन 39 रन बनाकर रोस्टन चेज की गेंद पर आउट हुए, स्लिप में शे होप ने उनका बेहतरीन कैच पकड़ा। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल ने तेजी से रन बनाकर जल्दी से मैच खत्म करने की कोशिश, इस दौरान राहुल ने अपना अर्धशतक पूरा किया। टीम जब लक्ष्य से 13 रन दूर थी, गिल बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में रोस्टन चेज का शिकार बने। गिल ने 13 रन बनाए।

इसके बाद ध्रुव जुरेल और राहुल ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया। राहुल ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। केएल राहुल 58 और जुरेल 6 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत ने 3 विकेट पर 124 रन बनाकर जीत हासिल की।

वेस्टइंडीज के लिए रोस्टन चेज ने 2 और जोमेल वारिकन ने 1 विकेट लिया।

चौथे दिन का खेल

इससे पहले चौथे दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 121 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 63 रन पर 1 विकेट खो दिया था। साई सुदर्शन 30 और केएल राहुल 25 रन बनाकर नाबाद थे। वॉरिकन ने यशस्वी जायसवाल को 7 रन पर आउट किया।

इससे पहले भारत ने पहली पारी 518/5 पर घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 248 रन पर सिमटी। फॉलोऑन के बाद मेहमान टीम ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए दूसरी पारी में 390 रन बनाए। जॉन कैंपबेल ने शतक (115) और शाई होप ने 103 रन की पारी खेली। आखिरी विकेट के लिए ग्रेव्स (50*) और सील्स ने 79 रनों की साझेदारी कर भारत को चौथे दिन मैच खत्म करने से रोक दिया। भारत ने पहली पारी में वेस्टइंडीज को जल्दी समेटकर फॉलोऑन थोप दिया था और उम्मीद की थी कि चौथे दिन ही जीत हासिल हो जाएगी। लेकिन कैरेबियाई बल्लेबाजों ने पिच का पूरा फायदा उठाते हुए डटकर मुकाबला किया।

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने नई गेंद से होप का अहम विकेट झटका, वहीं कुलदीप यादव ने ताबड़तोड़ तीन विकेट लेकर वेस्टइंडीज की पारी को लड़खड़ा दिया। जसप्रीत बुमराह और कुलदीप दोनों ने इस मैच में 3-3 विकेट लिए।

वेस्टइंडीज के अंतिम विकेट ने भारत को काफी देर तक परेशान किया। ग्रेव्स और सील्स ने थके हुए भारतीय गेंदबाजों को रोके रखा। आखिर में बुमराह ने सील्स को आउट कर पारी समाप्त की।

121 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत आक्रामक रही। जायसवाल ने जल्दी खत्म करने की कोशिश में बड़ा शॉट खेला और लॉन्ग ऑन पर कैच दे बैठे। इसके बाद राहुल और सुदर्शन ने संयम से पारी संभाली।

संजू सैमसन की केरल रणजी टीम में वापसी, लाल गेंद क्रिकेट में नए अध्याय की शुरुआत

तिरुवनंतपुरम,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन की रणजी ट्रॉफी में वापसी ने केरल क्रिकेट में उत्साह और उम्मीदों की नई लहर ला दी है। करीब एक साल बाद वह फिर से लाल गेंद क्रिकेट में उतरने जा रहे हैं। केरल की टीम 15 अक्टूबर से महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन का पहला मुकाबला खेलेगी और सैमसन की वापसी इस मैच का सबसे बड़ा आकर्षण होगी।

संजू सैमसन ने आखिरी बार पिछले साल कर्नाटक के खिलाफ पहला श्रेणी (फर्स्ट क्लास) मैच खेला था। पिछले एक साल से राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी और भारतीय टी20 टीम का हिस्सा रहने के कारण वे ज्यादातर टी20 और वनडे प्रारूपों पर फोकस कर रहे थे, लेकिन अब एक बार फिर वह केरल की सफेद ड्रेस में मैदान पर उतरेंगे। इस सीजन में केरल की कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन के हाथों में होगी, जबकि बाबा अपराजित को उपकप्तान बनाया गया है। टीम मैनेजमेंट ने सैमसन को फ्री रोल देते हुए राष्ट्रीय टीम में उनके आगामी चयन को भी ध्यान में रखा है।

संजू की वापसी क्रिकेट से बढ़कर एक भावनात्मक क्षण है। पिछले वर्ष उनका केरल क्रिकेट संघ (केसीए) से टकराव सुर्खियों में रहा था। विजय हजारे ट्रॉफी टीम से बाहर किए जाने के बाद विवाद गहराया था।

उनके पिता ने केसीए पर पक्षपात के आरोप लगाए थे, तो राजनीतिक नेता शशि थरूर ने भी इस मुद्दे पर सवाल उठाए थे। वहीं केसीए ने अनुशासनहीनता को आधार बताते हुए अपने फैसले का बचाव किया था। इस विवाद ने न सिर्फ सैमसन के लिए मुश्किलें खड़ी कीं, बल्कि केरल की घरेलू टीम पर भी असर डाला। केरल क्रिकेट लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद सैमसन और संघ के बीच दूरियां कम होती दिखीं। रणजी टीम में उनकी वापसी को एक तरह से नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है — जहां प्रतिभा और प्रबंधन के बीच सुलह की झलक दिखती है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से हो जाएगा रोहित और विराट के भविष्य का फैसला : शास्त्री

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी महत्वपूर्ण रहेगा। शास्त्री का मानना है कि इस सीरीज़ से ही विराट और रोहित का भविष्य तय होगा। साथ ही कहा कि अगर ये दोनो अपने फार्म और फिटनेस में खरे उतरे तभी 2027 विश्व कप के लिए इनके नाम पर विचार हो सकता है। वहीं असफल रहने पर इनका बाहर होना तय है। शास्त्री ने सिडनी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा वे दोनो ही जानते हैं कि ये सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है। इसी लिए यहां आये हैं। उनका आगे बना रहता फिटनेस, भूख और फॉर्म पर निर्भर करेगा। सीरीज़ के अंत तक उन्हें स्वयं पता चल जाएगा कि वह अपने कैरियर में किस जगह पर है। इसके बाद आगे क्या करना है ये उन्हें ही तय करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस उम्र में अनुभव बहुत मायने रखता है पर वही खिलाड़ी खेल सकता है जिसके भीतर भूख बची हुई हो। साथ ही कहा कि जब बड़े मैच आते हैं, तो बड़े खिलाड़ी ही आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सेहरावत ने डब्ल्यूएफआई से एक साल का प्रतिबंध हटाने की अपील की

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक विजेता पहलवान अमन सेहरावत ने अपने ऊपर लगाए गए एक साल के प्रतिबंध को हटाने की अपील की है। विश्व चैंपियनशिप में वजन बनाने में विफल रहने के बाद डब्ल्यूएफआई (डब्ल्यूएफआई) ने उन पर यह कार्रवाई की थी।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में अमन ने स्वीकार किया कि उनसे गलती हुई और यह उनकी पहली चूक है। उन्होंने कहा कि वे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मिलकर निर्णय पर पुनर्विचार करने की व्यक्तिगत अपील करेंगे।

अमन ने कहा, मैं उनसे (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष) मिलकर अनुरोध करूंगा। यह मेरी पहली गलती है, दोबारा नहीं होगी। डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर 2025 को अमन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। 29 सितंबर को उनका जवाब असंतोषजनक पाए जाने के बाद अनुशासन समिति ने एक साल का प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की।

अमन ने बताया कि प्रतियोगिता से एक दिन पहले अचानक पेट दर्द के कारण वे वजन घटाने की प्रक्रिया जारी नहीं रख पाए। उन्होंने कहा, मेरे पास केवल 600-700 ग्राम वजन घटाना बाकी था। लेकिन अचानक पेट में दर्द हो गया और मैं सीधा कमरे में चला गया। दवाइयां लेने के बाद भी तबीयत में सुधार नहीं हुआ।,

22 वर्षीय अमन विश्व चैंपियनशिप में 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में भारत की पदक उम्मीद थे, लेकिन 1.7 किग्रा अधिक वजन होने के कारण प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित कर दिए गए। इसके बाद डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर से शुरू होकर एक साल के लिए उन पर प्रतिबंध लगा दिया। अमन ने कहा कि इस प्रतिबंध से उनके करियर पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, आने वाले साल में एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप जैसे बड़े टूर्नामेंट हैं। एशियाई खेल चार साल में एक बार होते हैं। इस मौके को गंवाना मेरे लिए बहुत बड़ी हानि होगी। उन्होंने कहा कि वे डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष से मुलाकात के साथ-साथ खेल मंत्रालय से भी मदद मांगने की योजना बना रहे हैं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने की ट्रैक एथलीट ऑफ द ईयर अवार्ड्स के लिए खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने सोमवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स अवॉर्ड्स 2025 के तहत विमेंस ट्रैक एथलीट ऑफ द ईयर और मेंस ट्रैक एथलीट ऑफ द ईयर श्रेणियों के लिए नामित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इन दोनों श्रेणियों में पांच-पांच खिलाड़ियों को नामित किया गया है। अब वोटिंग प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्येक श्रेणी में दो-दो फाइनलिस्ट चुने जाएंगे। यह नामांकन साल 2025 में विश्व एथलेटिक्स में दर्ज कुछ शानदार प्रदर्शनों को दर्शाता है, जिनमें सबसे अहम रहा वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025।

नामित खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है:

विमेंस ट्रैक एथलीट ऑफ द ईयर 2025 के लिए नामांकित खिलाड़ी (क्रमानुसार):

फेम्के बोल (नीदरलैंड्स):

वर्ल्ड और डायमंड लीग 400 मीटर हर्डल्स चैंपियन।

400 मीटर हर्डल्स में पूरे सीजन अजेय, साल के शीर्ष तीन प्रदर्शन इन्हीं के नाम।

बीट्रिस चेबेट (केन्या):

वर्ल्ड 5000 मीटर और 10,000 मीटर चैंपियन

वर्ल्ड 5000 मीटर रिकॉर्ड।

मेलिसा जेफरसन-वूडेन (यूएसए)

वर्ल्ड 100 मीटर, 200 मीटर और 4×100 मीटर चैंपियन

100 मीटर में पूरे सीजन अजेय, साल के शीर्ष पांच प्रदर्शन।

फेथ किपयेगॉन (केन्या):

वर्ल्ड 1500 मीटर चैंपियन और 5000 मीटर सिल्वर

वर्ल्ड 1500 मीटर रिकॉर्ड

सिडनी मैकलॉफलिन-लेवरॉन (यूएसए):

वर्ल्ड 400 मीटर और 4×400 मीटर चैंपियन

400 मीटर और 400 मीटर हर्डल्स में अजेय, इतिहास का दूसरा सबसे तेज 400 मीटर समय।

मेंस ट्रैक एथलीट ऑफ द ईयर 2025 के लिए नामांकित खिलाड़ी (क्रमानुसार):

राय बेंजामिन (यूएसए)

वर्ल्ड 400 मीटर हर्डल्स चैंपियन

साल के तीन में से दो शीर्ष प्रदर्शन

जिमी ग्रेसियर (फ्रांस)

वर्ल्ड 10,000 मीटर चैंपियन और 5000 मीटर ब्रॉन्ज मेडलिस्ट

डायमंड लीग 3000 मीटर चैंपियन

नोआ लायल्स (यूएसए)

वर्ल्ड 200 मीटर और 4×100 मीटर चैंपियन, 100 मीटर ब्रॉन्ज

200 मीटर में पूरे सीजन अजेय

कॉर्डेल टिंच (यूएसए)

वर्ल्ड और डायमंड लीग 110 मीटर हर्डल्स चैंपियन

इमैनुएल वान्योनी (केन्या)

वर्ल्ड और डायमंड लीग 800 मीटर चैंपियन

वोटिंग और अगला चरण, इन श्रेणियों में फाइनलिस्ट का चयन वर्ल्ड एथलेटिक्स के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स — फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स — पर चल रहे मतदान से होगा। मतदान की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

वहीं, फील्ड एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामांकन 20 अक्टूबर को और आउट ऑफ स्टेडियम एथलीट ऑफ द ईयर के लिए नामांकन 27 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

अंतिम रूप से वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर (पुरुष और महिला) का चयन इन तीनों श्रेणियों के विजेताओं में से किया जाएगा।

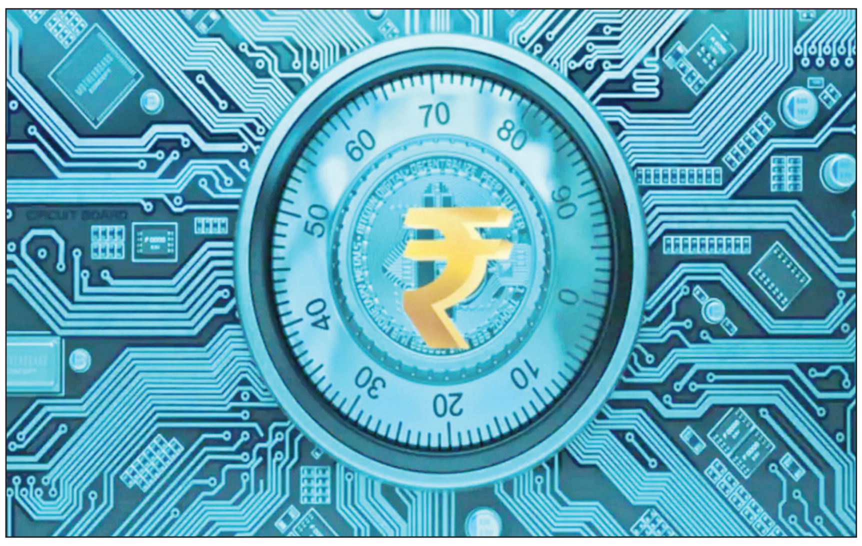

आरबीआई ने ऑफलाइन डिजिटल रुपया लांच किया

ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे

मुम्बई,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के दौरान ऑफलाइन डिजिटल रुपया की शुरुआत की है। इस नई सुविधा से देश के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। यह फीचर उपयोगकर्ताओं को डिजिटल नकद जैसा अनुभव देता है, जिससे डिजिटल भुगतान का दायरा और पहुंच दोनों बढ़ेंगे। डिजिटल रुपया भारतीय मुद्रा का डिजिटल रूप है जिसे सीधे आरबीआई जारी करता है।

यह एक सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी है जो असली रुपये की तरह ही मान्य है। इसे बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरक्षित डिजिटल वॉलेट में रखा जाता है। उपयोगकर्ता द्द वॉलेट से यूपीआई क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान कर सकते हैं और लेनदेन के लिए बैंक खाता जरूरी नहीं है। फिलहाल 15 बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, फेडरल बैंक, पीएनबी, यस बैंक, कर्नाटक बैंक, केनरा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और इंडसइंड बैंक अपने ग्राहकों को डिजिटल रुपया वॉलेट की सुविधा दे रहे हैं।

ये ऐप्स गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध हैं। वॉलेट में न तो कोई शुल्क है, न न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता, और मोबाइल खो जाने की स्थिति में इसे पुन: प्राप्त किया जा सकता है। इस डिजिटल रुपये की सबसे बड़ी खासियत इसका ऑफलाइन फीचर है। यह फीचर विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया है जहां नेटवर्क या इंटरनेट की कमी है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि डिजिटल रुपया भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा। उन्होंने बताया कि आधार, यूपीआई और डिजी लॉकर जैसे डिजिटल ढांचे ने पहले ही वित्तीय समावेशन को गति दी है, और अब डिजिटल रुपया उस प्रणाली को और सशक्त बनाएगा।

न्यूज ब्रीफ

महिंद्रा की बोलेरो और बोलेरो नियो की नई रेंज लॉन्च

नई दिल्ली। हाल ही में स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने 2025 बोलेरो और बोलेरो नियो की नई रेंज लॉन्च की है। कंपनी की मशहूर एसयूवी बोलेरो पिछले 25 वर्षों से भारतीयों के दिलों पर राज कर रही है और अब यह एक नए रूप में वापस आ गई है। लॉन्चिंग के मौके पर महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी खास पसंद का खुलासा किया। उन्होंने लिखा कि महिंद्रा की सभी गाड़ियों में उन्हें बोलेरो चलाना सबसे ज्यादा पसंद है, जिसे वे प्यार से ब्लैक बीस्ट कहते हैं। आनंद महिंद्रा ने नई बोलेरो की तस्वीरें शेयर करते हुए बताया कि जबसे महिंद्रा की पहली हार्ड-टॉप एसयूवी 'आर्माडा' लॉन्च हुई थी, तब से उन्होंने किसी दूसरी कंपनी की कार नहीं चलाई। उन्होंने कहा कि आज भले ही वे एक्सईवी 9ई जैसी एडवांस इलेक्ट्रिक गाड़ी इस्तेमाल करते हों, लेकिन अगर उन्हें खुद ड्राइव करनी हो तो उनकी पहली पसंद हमेशा बोलेरो ही रहेगी। बोलेरो की मजबूती और सादगी को उन्होंने पुराने स्कूल का असली रोड वॉरियर बताया। उन्होंने यह भी साझा किया कि बोलेरो भारत का दूसरा सबसे पुराना कार ब्रांड है जो लगातार प्रोडक्शन में है वैगन आर के बाद। साल 2000 में लॉन्च हुई बोलेरो, मारुति ऑल्टो से सिर्फ एक महीना बड़ी है। कई बार इसे बंद करने पर विचार हुआ, लेकिन बोलेरो ने हर बार खुद को नए अंदाज में पेश किया और कभी हार नहीं मानी। नई बोलेरो को अब आधुनिक डिजाइन और फीचर्स के साथ पेश किया गया है। इसमें नई ग्रिल, अपडेटेड बम्पर, क्रोम इन्सर्ट्स और 15 इंच के ड्यूल-टोन अलॉय व्हील्स हैं। बोलेरो में 7 इंच और बोलेरो नियो में 9 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, लेदरेट सीटें और स्टीयरिंग माउंटेड कंट्रोल दिए गए हैं। बोलेरो में 1.5-लीटर एमहॉक 75 डीजल इंजन है जो 75 एचपी पावर देता है, जबकि बोलेरो नियो में 100एचपी की पावर और 260 एनएम टॉर्क वाला इंजन है।

निसान की एसयूवी एक्स-ट्रेल का प्रदर्शन निराशाजनक

नई दिल्ली। निसान इंडिया कंपनी के लिए भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हालात लगातार चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। सितंबर 2025 में इस मॉडल की एक भी यूनिट नहीं बिकी, जो लगातार चौथा महीना है जब एक्स-ट्रेल शून्य बिक्री दर्ज कर रही है। निसान की एसयूवी मैग्नाइट कुछ हद तक बिक्री को संभाले रखती है, लेकिन प्रीमियम एसयूवी एक्स-ट्रेल का प्रदर्शन निराशाजनक है। निसान ने एक्स-ट्रेल को भारतीय बाजार में फुली लोडेड 7-सीटर प्रीमियम एसयूवी के रूप में पेश किया था, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत रुपए 49.92 लाख है। इसमें 7 एयरबैग, 4 डब्ल्यूडी सिस्टम और एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। इसके बावजूद उच्च कीमत और सीमित डीलर नेटवर्क ने इसे प्रतिस्पर्धा में कमजोर कर दिया है। जनवरी और फरवरी में शून्य बिक्री के बाद मार्च में 15, अप्रैल में 76 और मई में 20 यूनिट बिकी। जून से सितंबर तक फिर से बिक्री शून्य रही। पूरे साल अब तक सिर्फ 111 यूनिट ही बिक पाई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बिक्री कमजोर होने के पीछे निसान ब्रांड की भारत में कमजोर उपस्थिति, सीमित डीलर और सर्विस नेटवर्क, और उच्च कीमत प्रमुख कारण हैं।

अफगान विदेश मंत्री ने भारतीय उद्योग को किया आमंत्रित , फिक्की के साथ बैठक में अफगान मंत्री ने बताया निवेश के लिए अनुकूल माहौल

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और उनके साथ आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अहम बैठक का आयोजन किया। बैठक का उद्देश्य भारत-अफगानिस्तान के आर्थिक संबंधों को मजबूती देना था। अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान में अब शांति और स्थिरता स्थापित हो चुकी है, जिससे व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बना है। उन्होंने बताया कि भारत और अफगानिस्तान का द्विपक्षीय व्यापार पहले ही 1 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। साथ ही, भारतीय कंपनियों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विमानन, बैंकिंग और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

अब किराया नहीं बढ़ेगा, एलायंस एयर की फेयर से फुर्सत स्कीम शुरू

पायलट प्रोजेक्ट 13 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चुनिंदा रूट्स पर लागू

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश की रीजनल एयरलाइन एलायंस एयर ने यात्रियों को राहत देने के लिए एक नई और अनोखी पहल की शुरुआत की है, जिसका नाम है 'फेयर से फुर्सत'। इस योजना के तहत अब यात्रियों को टिकट की बुकिंग कब की जा रही है, इसका किराए पर कोई असर नहीं होगा। चाहे यात्री महीनों पहले टिकट लें या उड़ान से एक दिन पहले, किराया एक समान रहेगा। इस पहल की घोषणा केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने की।

उन्होंने बताया कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'उड़े देश का आम नागरिक' विजन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आम और मध्यमवर्गीय लोगों को हवाई यात्रा के लिए प्रेरित करना है। यह योजना 13 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ चुनिंदा मार्गों पर लागू की गई है। परिणामों के आधार पर इसे आगे बढ़ाने पर निर्णय लिया जाएगा। एलायंस एयर के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार यह स्कीम यात्रियों के बीच भरोसा बढ़ाने और विशेष रूप से टियर-2 व टियर-3 शहरों से यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए लाई गई है। वहीं, एयरलाइन के अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में एविएशन सेक्टर डायनामिक प्राइसिंग पर चलता है, जिससे अंतिम समय में टिकट महंगे हो जाते हैं। त्योहारों और छुट्टियों के दौरान जब किराए आसमान छूते हैं, 'फेयर से फुर्सत' स्कीम यात्रियों को एक निश्चित किराए पर टिकट उपलब्ध कराएगी, जिससे वे बिना तनाव के अपनी यात्रा की योजना बना सकेंगे।

ईपीएफओ के नए नियम से निकासी आसान, लेकिन पैसे तक पहुंच हुई सीमित

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7 करोड़ से ज्यादा खाताधारकों को बड़ी राहत देते हुए पीएफ निकासी के नियमों में अहम बदलाव किए हैं। अब नौकरीपेशा लोग बीमारी, पढ़ाई, शादी या घर खरीदने जैसे जरूरी कारणों से सिर्फ 12 महीने की सेवा के बाद आंशिक निकासी कर सकेंगे। पहले अलग-अलग कारणों के लिए अलग-अलग सेवा अवधि तय थी। हालांकि, कुछ फैसले चिंता बढ़ाने वाले भी हैं। ईपीएफओ ने यह तय किया है कि आपके पीएफ खाते का 25 फीसदी हिस्सा अब हमेशा संगठन के पास रहेगा। यह रकम आपकी अपनी जमा पूंजी में से होगी, जिसे अब आप पूरी तरह से कभी नहीं निकाल सकेंगे। आंशिक निकासी संभव, लेकिन पूरी निकासी और पेंशन निकालने में अब लंबा इंतजार करना होगा संगठन का कहना है कि इससे रिटायरमेंट के लिए बचत सुरक्षित रहेगी और आपको 8.25 फीसदी का ब्याज मिलता रहेगा। इसके अलावा बेरोजगारी की स्थिति में भी अब पूरी पीएफ राशि निकालने के लिए 12 महीने का इंतजार करना होगा, जबकि पहले यह अवधि केवल दो महीने थी। वहीं, पेंशन निकासी के नियमों को भी सख्त कर दिया गया है, अब इसके लिए 36 महीने की सेवा आवश्यक होगी। ईपीएफओ ने डिजिटल सेवाओं को बेहतर करने के प्रयास में पेपरलेस क्लेम प्रोसेस शुरू किया है और विश्वास योजना के तहत देरी से पीएफ जमा करने पर मुकदमेबाजी कम करने का वादा किया है। साथ ही, पेंशनधारकों को घर बैठे डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की सुविधा भी दी गई है।

केनरा बैंक की स्पेशल एफडी स्कीम में मिल रहा ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली,14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केनरा बैंक अपने ग्राहकों के लिए बेहतरीन फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) स्कीम पेश कर रहा है। इनमें सबसे ज्यादा आकर्षण बैंक की 3 साल की एफडी स्कीम और 444 दिनों की स्पेशल एफडी स्कीम में देखा जा रहा है, जो ग्राहकों को अच्छा रिटर्न दे रही हैं। बैंक की एफडी योजनाएं 7 दिन से लेकर अधिकतम 10 साल तक की अवधि के लिए उपलब्ध हैं, जिन पर ब्याज दरें 3.25 प्रतिशत से लेकर 7.00प्रतिशत तक हैं।

केनरा बैंक की 3 साल की एफडी स्कीम पर सामान्य नागरिकों को 6.25प्रतिशत, सीनियर सिटीजन को 6.75प्रतिशत और सुपर सीनियर सिटीजन को 6.85प्रतिशत ब्याज दर मिल रही है। वहीं, बैंक की 444 दिनों वाली स्पेशल एफडी स्कीम में ब्याज दरें और भी अधिक हैं सामान्य नागरिकों को 6.50प्रतिशत, सीनियर सिटीजन को 7.00प्रतिशत और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.10प्रतिशत तक का ब्याज मिल रहा है।

अगर कोई निवेशक केनरा बैंक की 3 साल की एफडी स्कीम में रुपए 2 लाख जमा करता है, तो मैच्योरिटी पर उसे अच्छा रिटर्न मिलेगा। सामान्य नागरिकों को 6.25प्रतिशत ब्याज दर पर कुल रुपए 2,42,682 मिलेंगे, जिससे रुपए 42,682 का लाभ होगा। सीनियर सिटीजन को 6.75प्रतिशत ब्याज पर रुपए 2,44,479 और सुपर सीनियर सिटीजन को 6.85प्रतिशत ब्याज पर रुपए 2,45,201 मिलेंगे, यानी लगभग रुपए 45,000 तक का निश्चित फायदा। फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश का सबसे बड़ा लाभ इसकी स्थिरता और सुरक्षा है। इसमें निवेशक को बाजार के उतार-चढ़ाव का कोई जोखिम नहीं होता और ब्याज दरें तय रहती हैं। इसलिए यह उन लोगों के लिए उपयुक्त विकल्प है जो स्थिर रिटर्न चाहते हैं या रिटायरमेंट के बाद नियमित आय की योजना बना रहे हैं। खासकर वरिष्ठ और सुपर सीनियर सिटीजन के लिए यह स्कीम एक भरोसेमंद विकल्प मानी जा रही है। केनरा बैंक की यह एफडी स्कीम न केवल आकर्षक ब्याज दरों की वजह से लोकप्रिय हो रही है, बल्कि इसकी लचीलापन और आसान निवेश प्रक्रिया भी निवेशकों को आकर्षित कर रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नौकरशाहों ...

जो वकील शेख मोहम्मद शफी और अन्य द्वारा दाखिल की गई थी। याचिका में कहा गया है कि आरोपी अधिकारी आज भी महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं और प्रभाव का उपयोग कर सकते हैं, इसलिए अदालत की निगरानी जारी रहनी चाहिए।

गृह मंत्रालय ने अपने पत्र में सीबीआई से पूछा है कि क्या किसी अधिकारी ने घूस की रकम अपने या परिवार के बैंक खातों में जमा की थी? उदाहरण के तौर पर एक अधिकारी पर अपनी मां के खाते में 12-18 लाख रुपए स्थानांतरित करने का आरोप है, जबकि दूसरे अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने नोटबंदी के दौरान दो महिलाओं के खातों में 2.8 लाख रुपए जमा कर बाद में पैसा खुद को ट्रांसफर किया। मंत्रालय ने यह भी पूछा कि जांच सिर्फ 2012-2016 तक सीमित क्यों रखी गई, जबकि कुछ अधिकारी इससे पहले भी उन्हीं जिलों में पदस्थ थे।सीबीआई ने अपनी जांच पूरी कर अपनी स्टेटस रिपोर्ट में कहा कि अधिकांश लाइसेंस फर्जी दस्तावेजों पर जारी किए गए। जांच एजेंसी का कहना है कि इन लाइसेंसों को जारी करने में कई बिचौलिए, डीलर और प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे। 2021 में जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने कश्मीर प्रशासनिक सेवा (केएएस) अधिकारियों और न्यायिक क्लर्कों के खिलाफ अभियोजन की अनुमति दे दी थी, जिसके बाद चार्जशीट दाखिल की गई। लेकिन आईएएस अधिकारियों पर फैसला लंबित रहा। गृह मंत्रालय के अधिकारी बताते हैं कि यह फैसला इसलिए अटका है क्योंकि केंद्र सरकार वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की अनुमति देने में अत्यंत सावधानी बरतती है। लेकिन अब अदालत के सख्त निर्देशों के बाद गृह मंत्रालय पर इस पर आखिरी फैसला लेगा।

इस घोटाले ने न केवल जम्मू-कश्मीर की प्रशासनिक ईमानदारी पर सवाल उठाए हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी यह एक गंभीर मुद्दा बन गया है। अवैध हथियार लाइसेंस देश के विभिन्न हिस्सों में गलत हाथों में जा सकते थे, जिससे आतंकवाद या अपराध को बढ़ावा मिल सकता था। याचिकाकर्ता के वकील शेख शकील अहमद ने कहा, यह सिर्फ भ्रष्टाचार का मामला नहीं है, बल्कि यह देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। हजारों हथियारों के लाइसेंस फर्जी तरीके से जारी करना कोई साधारण प्रशासनिक गलती नहीं हो सकती।

हाईकोर्ट ने 8 अगस्त 2025 को गृह मंत्रालय को छह हफ्तों में स्पष्ट स्थिति रिपोर्ट देने का निर्देश दिया था। इसके बाद गृह मंत्रालय ने 1 सितंबर को सीबीआई से नई जानकारी मांगी। अब अगली सुनवाई में मंत्रालय को यह बताना होगा कि क्या वह इन अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की अनुमति देगा। इस बीच, सीबीआई और गृह मंत्रालय के बीच संवेदनशील सबूतों को लेकर लगातार बातचीत चल रही है. मामले से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह मामला न केवल आईएएस अधिकारियों के करियर का सवाल है, बल्कि यह प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही की असली परीक्षा भी है।

जम्मू-कश्मीर का गन लाइसेंस घोटाला बताता है कि कैसे प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार और ढिलाई मिलकर एक ऐसी प्रणाली बना सकती है, जो अंततः देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन जाती है। अदालत ने अब सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है और आने वाले हफ्तों में यह साफ होगा कि केंद्र सरकार सचमुच जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलती है या फिर यह घोटाला भी राजनीतिक और नौकरशाही संरक्षण की भेंट चढ़ जाएगा।

गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन के तीन अधिकारियों, यशा मुद्गल, शाहिद इकबाल चौधरी और नीरज कुमार के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। यह कार्रवाई राजस्व सचिव कुमार राजीव रंजन पर राज्य में हथियार लाइसेंस में कथित अनियमितताओं के लिए मुकदमा चलाने की अनुमति देने के दो महीने बाद मांगी गई है। गन लाइसेंस स्कैम में आठ वरिष्ठ आईएएस अधिकारी घेरे में हैं। अब गृह मंत्रालय ने सीबीआई से पूछा है कि यशा मुर्दल, शाहिद इकबाल और नीरज कुमार समेत तमाम अधिकारियों के खिलाफ हथियार डीलरों से जुड़ने के पर्याप्त सबूत मौजूद हैं या नहीं। गृह मंत्रालय में अवर सचिव सीपी विनोद कुमार ने एक पत्र जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव को लिखा था। इसमें बताया गया कि तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति देने की सिफारिश करने वाले पत्रों के साथ न तो केंद्रीय जांच ब्यूरो के पत्र/प्रस्ताव और डीवीडी थे और न ही जम्मू-कश्मीर के कानून विभाग की कोई कानूनी राय।इस घोटाले में 16 पूर्व जिलाधिकारी (13 आईएएस अधिकारी और तीन केएएस अधिकारी) शामिल हैं। इनमें ये तीनों अधिकारी भी शामिल हैं, जिनको लेकर सवाल पूछे गए हैं। सभी पूर्व जिलाधिकारियों पर तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य के अलग-अलग जिलों में तैनाती के दौरान लाखों अवैध हथियारों के लाइसेंस जारी करने के आरोप हैं। सीबीआई ने अपनी जांच में पाया कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ज्यादातर हथियारों के लाइसेंस जारी किए गए। लाइसेंस जारी करने में कई डीलर, बिचौलिए और प्रशासनिक अधिकारियों की संलिप्तता थी।

विश्व मंच से ...

अहम बात यह है कि ट्रंप ने अपनी बात कहने के बाद शहबाज शरीफ से हामी भी भरवाई। शहबाज शरीफ थोड़ा असहज हुए, लेकिन मंच पर हंसते हुए उन्होंने हामी भरी।शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश और शुभकामनाएं प्रेषित कीं। भारत ने इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम और गाजा में शांति के लिए समझौते का स्वागत किया है। भारत ने उम्मीद जताई कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। दो राष्ट्र समाधान के प्रति भारत ने दीर्घकालिक समर्थन को दोहराया और कहा कि वह क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए सभी प्रयासों का समर्थन करेगा। भारत ऐतिहासिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत करता है और आशा करता है कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित होगी।

भारत ने यह भी संदेश दिया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की गाजा शांति योजना का समर्थन करता है और इसे प्राप्त करने और शांति के मार्ग को आगे बढ़ाने में मिस्र और कतर की बहुमूल्य भूमिका की सराहना करता है। शांति शिखर सम्मेलन का उद्देश्य क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के प्रयासों को मजबूत करना था, जो क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह बातचीत के जरिये द्विराष्ट्र समाधान के लिए भारत के दीर्घकालिक समर्थन के अनुरूप भी है। भारत क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए सभी प्रयासों का समर्थन करेगा।ट्रंप अब तक भारत और पाकिस्तान विवाद समेत सात विवादों को सुलझाने का दावा करते रहे हैं. हालांकि, अब उन्होंने इजराइल-गाजा विवाद को जोड़कर इसे आठ कर दिया है। ट्रंप पहले भी कई बार दावा कर चुके हैं कि 10 मई 2025 को हुआ भारत-पाकिस्तान सीजफायर उनके दखल से संभव हुआ था। उन्होंने इसे इजराइल की संसद (नेसेट) में दिए गए भाषण में भी अपने सुलझाए गए आठ बड़े विवादों में से एक बताया। भारत ने बार-बार स्पष्ट किया है कि यह सीजफायर दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) की सीधी बातचीत से हुआ था, और इसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी।

आतंकियों को...

इसका उद्देश्य यह है कि देश के किसी भी हिस्से में आपात स्थिति आने पर एनएसजी तुरंत पहुंच सके। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि एनएसजी अब आकस्मिक आतंकी घटनाओं के लिए एक विशेष डेटाबेस भी तैयार कर रही है ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

विशाखापट्टनम में ...

अंतरराष्ट्रीय सबसी गेटवे और बड़े पैमाने पर ऊर्जा अवसंरचना को जोड़ता है। इसके जरिए हम अपनी उन्नत तकनीक को भारत के एंटरप्राइजेज और यूजर्स तक पहुंचाएंगे, जिससे एआई नवाचार और विकास को नई गति मिलेगी।सुंदर पिचाई के वक्तव्य पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आंध्र प्रदेश के गतिशील शहर विशाखापट्टनम में गूगल एआई हब के लॉन्च पर मुझे खुशी हुई। यह बहुआयामी निवेश, जिसमें गीगावॉट-स्तरीय डेटा सेंटर अवसंरचना शामिल है विकसित भारत के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह टेक्नोलॉजी के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो सभी के लिए एआई की सुविधा सुनिश्चित करेगा, नागरिकों को अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराएगा, डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देगा और भारत को वैश्विक प्रौद्योगिकी नेता के रूप में स्थापित करेगा।

भाजपा ने जारी कर...

का ऐलान कर दिया और बाकायदा पार्टी सिम्बल भी थमा दिया। लालू यादव के इस निर्णय से तेजस्वी नाराज हो गए और उन्होंने दोनों नेताओं से पार्टी सिम्बल लौटवा लिया। तेजस्वी ने अपने पिता से कहा कि टिकट देने की तस्वीरें और वीडियो सामने आने से गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ चल रही बातचीत पर असर पड़ सकता है, क्योंकि सीट बंटवारा अभी तय नहीं हुआ है।यह पहली बार नहीं है जब लालू यादव ने गठबंधन की सहमति से पहले टिकट दिए हों। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले भी उन्होंने कुछ नेताओं को टिकट दे दिए थे। हालांकि बाद में कांग्रेस, वाम दल और राजद के बीच समझौता हो गया था। तेजस्वी यादव ने सोमवार की शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात की। बैठक में के सी वेणुगोपाल और कृष्णा अल्लावरू भी मौजूद थे। इसमें बिहार के सीट बंटवारे पर चर्चा हुई। लेकिन इसकी घोषणा कब होगी, यह अभी तक अनिश्चित है। जबकि तेजस्वी बुधवार 15 अक्टूबर को राघोपुर सीट से नामांकन भरने वाले हैं। इस बार कांग्रेस को पिछली बार से कम सीटें मिलने की संभावना है, क्योंकि 2020 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 70 सीटों पर लड़ा था, लेकिन सिर्फ 19 सीटें जीतीं। वहीं राजद ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ा और 75 सीटें जीती थीं।

बस में लगी...

काबू पाने में करीब एक घंटे का समय लगा। नगर परिषद के दमकलकर्मी और असिस्टेंट फायर ऑफिसर पृथ्वीपाल सिंह राठौर ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम लगभग 10 मिनट में मौके पर पहुंच गई थी, लेकिन तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। उन्होंने कहा, जब हम पहुंचे तो कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जिसे हम जिंदा निकाल पाते।सभी घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से तीन एम्बुलेंसों के जरिए जवाहर अस्पताल, जैसलमेर पहुंचाया गया। गंभीर रूप से झुलसे मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया। जैसलमेर की घटना पर पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताते हुए कहा, राजस्थान के जैसलमेर में हुए हादसे में हुई जान-माल की हानि से व्यथित हूं। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

हादसे के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जैसलमेर पहुंचे। उन्होंने जैसलमेर में हादसे में नष्ट हुई बस का भी निरीक्षण किया। सीएम ने आर्मी के जवानों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा इस हादसे में की गई मदद एवं सहायता के लिए सभी का आभार जताया। इस दौरान पोकरण के विधायक प्रताप पूरी एवं विधायक सांग सिंह भाटी सहित प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना की गंभीरता एवं दुखांतिका के कारण कल पटना में प्रचार का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जैसलमेर से जोधपुर जा रही बस में भीषण आग लगने से कई लोगों के हताहत होने का चिंताजनक समाचार मिला है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस हादसे में कम से कम जनहानि हो एवं झुलसे हुए लोगों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले।

अधिकारियों का कहना है कि आग लगने का सटीक कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, हालांकि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या इंजन के अधिक गर्म होने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

ऑपरेशन सिंदूर...

तब तक इस तरह की हरकतें होती रहेंगी, लेकिन भारतीय सेना हर मोर्चे पर मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तत्पर है।

दूसरी तरफ भारतीय सेना के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि अगर हम मुरिदके की बात करें, तो यह लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य आतंकी ठिकाना है। स्क्रीन पर जो भारतीय वायुसेना की स्ट्राइक दिख रही है, वह वहीं की है। इसमें पहले और बाद की तस्वीरें हैं, जिनमें कुछ अहम आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह किया गया है। उन्होंने बताया कि ये हमले सात मई की सुबह के शुरुआती घंटों में किए गए थे। इन स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया। इसके अलावा, बहावलपुर में भी ऐसे ही हमले किए गए। उन्होंने वहां की पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरें दिखाईं, जिनमें साफ देखा जा सकता है कि रॉकेट और मिसाइलें कहां जाकर लगीं।लेफ्टिन जनरल राजीव घई ने कहा कि इन इलाकों में आतंकियों और पाकिस्तानी सेना के बीच का खुला गठजोड़ साफ दिखाई दिया। यह इतनी स्पष्टता से दिखा कि हमें भी हैरानी हुई कि उन्होंने कोई एहतियात नहीं बरती। तस्वीरें खुद सारी कहानी बयान कर रही हैं। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित एक आतंकी को मारे गए आतंकियों की जनाजे की नमाज पढ़ाते हुए देखा गया। इतना ही नहीं, पाकिस्तान सेना की चार कोर के जीओसी (जनरल ऑफिसर कमांडिंग) और कई अन्य बड़े अधिकारी भी इस जनाजे में शामिल हुए थे।

चंद्रमा का स्वराशि कर्क में गोचर, मिथुन और कर्क सहित अन्य राशियों की पलटेगी किस्मत

आज यानी 15 अक्टूबर 2025 को मन के कारक चंद्रमा अपनी स्वराशि कर्क में गोचर कर रहे हैं, जिससे शशि योग का निर्माण हो रहा है। यह गोचर कुछ राशियों के लिए अत्यंत शुभ रहने वाला है। चंद्रमा का कर्क राशि में गोचर उनके प्रभाव को दोगुना कर देता है, जिससे मन, भावनाएं और अंतर्ज्ञान मजबूत होता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति के मानसिक तनाव में कमी आती है और मानसिक शांति प्राप्त होती है। इस दौरान माता-पिता के आशीर्वाद से वृष राशि वालों के सांसारिक सुखों में विस्तार होगा। मिथुन और कर्क राशि के जातकों को प्रमोशन मिल सकता है। वहीं, सिंह और वृश्चिक राशि वालों को इस दौरान आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना बनती हुई दिख रही है।

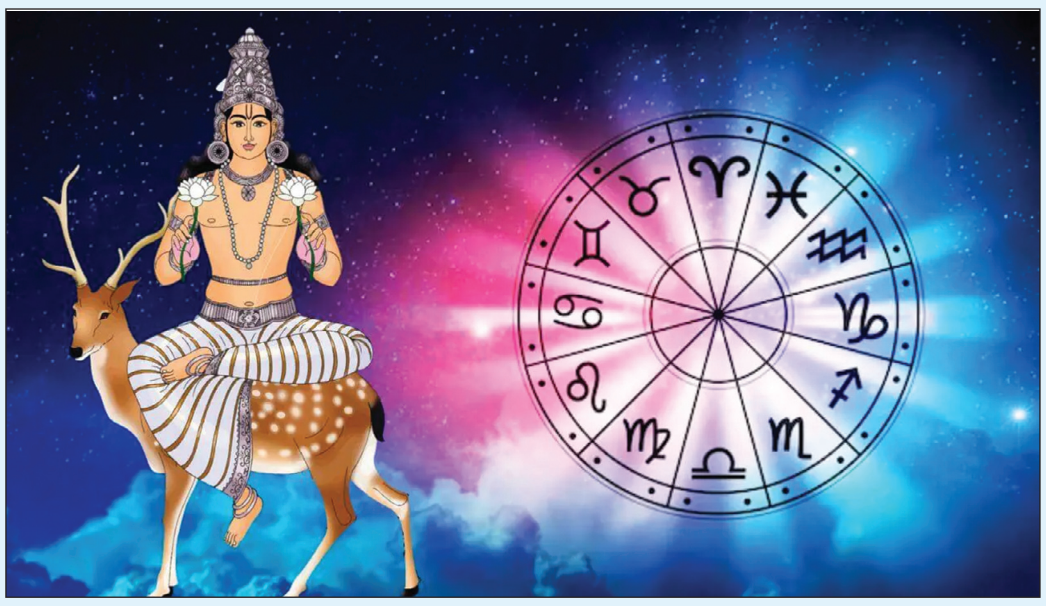

मेष – धार्मिक कार्यों में भागीदारी होगी

मेष राशि के जातकों का आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है। आपके निर्णय लेने की क्षमता के कारण आज आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे और परिवार में आपका गौरव बढ़ेगा। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी भागीदारी से आपका व्यक्तित्व और निखारेगा। हालांकि, शाम के समय से रात तक हल्की स्वास्थ्य समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। ऐसे में आपको अपने स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखना होगा।

वृष – आमदनी के मार्ग खुलेंगे

आज वृष राशि के जातकों को संतान पक्ष से शुभ समाचार प्राप्त होगा। घर से निकलने से पहले माता-पिता का आशीर्वाद अवश्य ले लें। इससे कोई विशेष उपलब्धि आपको हासिल हो सकती है। आपके जीवन में सांसारिक सुखों का विस्तार होता दिख रहा है। आर्थिक दृष्टि से ये समय आपके लिए शुभ रहने वाला है। इस दौरान नए अवसर प्राप्त होंगे और आमदनी के मार्ग खुलेंगे। शाम का समय पुण्य कार्यों में व्यतीत होगा। पारिवारिक माहौल भी आज आपका सुखद नजर आ रहा है।

मिथुन – नुकसान उठाना पड़ सकता है

मिथुन राशि के लोगों के लिए बुधवार का दिन थोड़ा चुनौतियों से भरा रहने वाला लग रहा है। कोई मुकदमा या कानूनी विवाद आपके लिए थोड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है। आज के दिन आपको आपने कार्यों में जल्दी निर्णय लेने की जरूरत पड़ सकती है। देरी के कारण आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा लोग के प्रमोशन के आसार बन रहे हैं। शाम से लेकर रात तक का आपका समय मनोरंजन और मौज-मस्ती में बीतेगा।

कर्क – अटका प्रमोशन आज प्राप्त होगा

आज का दिन कर्क राशि वालों के लिए खुशियां लेकर आ रहा है। लंबे समय से अटका प्रमोशन आज आपको प्राप्त हो सकता है। आज आपकी वाक्पटुता और बुद्धिमत्ता किसी बड़े अधिकारी को आकर्षित करेगी। स्वास्थ्य को लेकर आज थोड़ी राहत मिलती हुई दिख रही है। आंख से संबंधी परेशानियों में आराम मिलेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता आज मजबूत रहेगी। रात में अधिक तीखा भोजन करने से बचें।

सिंह – आर्थिक लाभ का अनुभव होगा

सिंह राशि वाले व्यापारी वर्ग के लोगों को आज नए बदलाव के अवसर मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारों में वृद्धि और आर्थिक लाभ का अनुभव होगा। परिवार से शुभ समाचार मिलेंगे। शाम के समय आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। हालांकि अधिक धन लाभ के कारण अभिमान की भावना भी पैदा हो सकती है। आज के दिन आपके मान-सम्मान में उन्नति होगी।

कन्या – शान-शौकत पर धन खर्च होगा

आज के दिन कन्या राशि वालों का अधिक खर्च होने वाला है। अपनी शान-शौकत के लिए धन खर्च कर सकते हैं। आपके भलाई के कार्यों का लाभ आपकी संतान को मिलता हुआ नजर आ रहा है। रात के समय में दूध, दही और मिष्ठान में आपकी रुचि बढ़ेगी, लेकिन दही के सेवन करना आपके लिए बेहतर रहेगा। राशि स्वामी के तृतीय अस्त होने के कारण स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है।

तुला – जोखिम भरे कामों से दूरी बनाए

तुला राशि के जातकों को आज सोच-समझकर किए गए प्रयासों के बावजूद नुकसान की संभावना बनी रह सकती है। अचानक कोई सरकारी बाधा आपको घेर सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि जोखिम भरे कामों से दूरी बनाए रखें। शाम से रात तक के समय के दौरान छोटे-मोटे कष्ट की संभावना बनी रहेगी। शरीर में खून की कमी और वायु विकार आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है।

वृश्चिक – अधिकारों में वृद्धि हो सकती है

आज वृश्चिक राशि के जातकों को कोई बहुमूल्य वस्तु से लाभ मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। आज के दिन पद और अधिकारों में वृद्धि हो सकती है। आपके साहस और पराक्रम से विरोधी नतमस्तक होंगे। संतान के प्रति प्रेम और स्नेह में वृद्धि होगी। शाम के समय में धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आपके सुख सुविधाओं में वृद्धि होती दिख रही है।

धनु – संतान से कष्ट होने की संभावना

आज आपका दिन गुरु के प्रति निष्ठा और भक्ति से पूर्ण रहेगा। आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति और नई बुद्धिमत्ताओं का विकास होगा। रुके हुए धन की प्राप्ति आज के दिन होती हुई दिख रही है। सायंकाल में संतान से कष्ट या चिंता होने की संभावना है। भरोसेमंद लोग और नौकर-चाकर विश्वासघात कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। आज का दिन आपकी मानसिक और आत्मिक शक्ति को बढ़ाएगा।

मकर – कुछ अनावश्यक खर्चे हो सकते

आज आपकी शारीरिक ऊर्जा और उत्साह अधिक रहेगा। कुछ अनावश्यक खर्चे हो सकते हैं। कुछ कामों को अनिच्छा के बावजूद भी करना पड़ेगा। अगर प्रोन्नति रुकी हुई थी तो आज उसे सफलता मिल सकती है। आपके हाथ में बड़ी राशि आने से आनंद होगा। शाम के समय और रात्रि में शुभ खर्च में वृद्धि होगी। तेज रफ्तार से चलने वाले वाहनों में सावधानी रखें। आज का दिन करियर और आर्थिक मामलों में संतोषजनक रहने वाला है।

कुंभ – जल्दबाजी में कोई कार्य न करें

आज के दिन कुंभ राशि के जातकों को धैर्य और सोच-समझकर कार्य करना चाहिए। जल्दबाजी में किए गए कार्य से हानि हो सकती है। भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। नए कार्यों में सावधानी बरतें, जिससे भविष्य में लाभ होगा। संतान की नौकरी, विवाह या अन्य मंगल कार्यों में किए गए प्रयास सफल होंगे। आज का दिन संयम और समझदारी के साथ बिताना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

मीन – स्वास्थ्य की तरफ ध्यान देना होगा

मीन राशि वालों को आज स्वास्थ्य की तरफ ध्यान देना होगा। पाचन संबंधी परेशानियां और पेट में वायु विकार हो सकते हैं। अगर आप कोई लोन लेने की योजना बना रहे हैं तो आसानी से धन प्राप्ति संभव है। नई योजनाओं को सफल बनाने के लिए प्रयास करें। साहस और पराक्रम से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आज का दिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता और योजनाओं को लागू करने में फायदेमंद रहेगा।

दिवाली की सफाई में न करें ये गलती वरना साल भर पछताना पड़ेगा

हर साल कार्तिक मास की अमावस्या तिथि पर दीवाली का त्योहार मनाया जाता है। इस बार 20 अक्टूबर को दिवाली मनाई जाएगी। दिवाली के नज़दीक आते ही घर में साफ-सफाई और सजावट का काम शुरू हो जाता है। शास्त्रों में साफ सफाई को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। कहा जाता है कि दिवाली से पहले घर की सफाई से नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और मां लक्ष्मी का आगमन होता है। हालांकि दिवाली की सफाई के दौरान की गई कुछ छोटी-छोटी गलतियों से आपको पूरे साल पछताना पड़ सकता है। ये चीजें आपके लिए आर्थिक परेशानियों का कारण बन सकती है।

फटे और पुराने कपड़े

दिवाली के अवसर पर नए और साफ कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। ऐसे में घर की साफ सफाई के दौरान सबसे पहले फटे-पुराने कपड़ों को घर से बाहर निकाल दें। जो कपड़े अब आपके पहनने लायक नहीं हैं, उन्हें घर में रखने से आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। वास्तु के अनुसार, पुराने और फटे कपड़े घर में दरिद्रता और दुर्भाग्य को न्योता देते हैं।

टूटा हुआ शीशा

घर में रखा टूटा हुआ आईना या कोई भी शीशे का सामान दुर्भाग्य को आकर्षित करता है। दिवाली की सफाई में ध्यान रखें कि कोई शीशे का कोई भी टूटा हुआ सामान घर में न रहे। शास्त्रों के अनुसार, टूटा हुआ शीशा घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है और संबंधों में तनाव लाता है। ऐसे सामान को तुरंत बाहर निकाल देना आपके लिए शुभ साबित होगा।

खराब और बंद घड़ी

घर की अलमारी में काफी समय से बंद में पड़ी घड़ियां आपके जीवन की तरक्की को रोक सकती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, बंद घड़ियां रुकावट और तरक्की में बाधा उत्पन्न करती हैं। इसलिए दिवाली की सफाई के दौरान खबरा और बंद पड़ी घड़ियों को तुरंत ठीक करवा लें या फिर घर से बाहर कर दें। खराब घड़ियों को घर में रखने से दरिद्रता और दुर्भाग्य का वास होता है।

खंडित मूर्तियां

दिवाली से पहले सबसे जरूरी काम घर के मंदिर की सफाई का होता है। इस समय यदि कोई मूर्ति टूटी हुई या खंडित हो गई है तो उसे तुरंत घर से हटा दें। वास्तु और धार्मिक दृष्टि से इसे बेहद ही अशुभ माना जाता है। इस मूर्तियों को भूलकर भी कभी कूड़े में न फेंकें। आपके लिए बेहतर होगा कि किसी नदी, तालाब या साफ बहते जल में इन मूर्तियों को विसर्जित कर दें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

टूटा फर्नीचर

दिवाली की सफाई करते समय घर में रखा हुआ टूटा फर्नीचर हटाना न भूलें। वास्तु के अनुसार, टूटा हुआ या दीमक लगा हुआ लकड़ी का सामान घर में रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। इससे घर में वास्तु दोष उत्पन्न होता है और परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में या तो इन्हे ठक करवा लें या घर से बाहर निकाल दें।

जूते-चप्पल

अक्सर घर में हर व्यक्ति के पास कई जोड़ी जूते होते हैं। जूते फटने या इस्तेमाल में नहीं होने के बाद भी घर के किसी कोने में पड़े रहते हैं। दीपावली की सफाई के दौरान,फटे और पुराने जूते-चप्पल घर से हटा देना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार इससे दुर्भाग्य आता है और मां लक्ष्मी आपसे नाराज हो सकती हैं।

बेकार पड़े सामान

दिवाली की सफाई में घर से सभी जंग लगे या बेकार पड़े सामान को बाहर निकालना बेहद जरूरी है। जंग लगा हुआ लोहा, पुराने बर्तन, खोटे सिक्के या टूटी चीजें नकारात्मक ऊर्जा को फैलाती हैं। वास्तु के अनुसार, ऐसे अनुपयोगी सामान से घर की ऊर्जा रुक जाती है और धन की हानि का योग बढ़ता है। इसलिए जो भी चीज लंबे समय से इस्तेमाल में नहीं आ रही है, उसे घर से बाहर कर दें।

दिवाली पर लक्ष्मी और गणेश की मूर्ति खरीदने से पहले जान लें ये बातें

पंचदिवसीय दीवाली के त्यौहार की शुरुआत जल्द ही होने वाली है ऐसे में लोग इसकी तैयारी में लग गए हैं। दिवाली से कुछ दिनों पहले ही घर की सफाई, खरीदारी आदि शुरू हो जाती है। इसके बाद, दिवाली के अवसर पर पूरा परिवार एक साथ मिलकर लक्ष्मी माता और भगवान गणेश की पूजा करते हैं व धूमधाम से त्योहार मनाते हैं। ऐसे में अगर आप दिवाली पूजन के लिए आप लक्ष्मी और गणेशजी की मूर्ति खरीदने वाले हैं तो कुछ विशेष बातों का ध्यान जरूर रखें। इससे माता लक्ष्मी और गणेशजी की कृपा प्राप्त होती है।

दिवाली पूजन के लिए गणेशजी की मूर्ति खरीदने के नियम

भगवान गणेश की मूर्ति खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि उनकी सूंड बाएं यानी लेफ्ट की तरफ मुड़ी होनी चाहिए। दाईं ओर गणेशजी की सूंड मुड़ी होना शुभ नहीं माना जाता है। साथ ही, इस बात का भी ध्यान रखें की सूंड में दो घुमाव न आ रहे हों।

दिवाली के लिए माता लक्ष्मी और गणेशजी की मूर्ति खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि उनकी प्रतिमा एक साथ न जुड़ी हों। ऐसी मूर्ति खरीदना सही नहीं माना जाता है। सबसे उत्तम है कि मूर्तियां अलग-अलग हों।

जब भी आप गणेशजी की मूर्ति खरीदे हैं तो इस बात का ख्याल जरूर रखें कि उनके हाथ में मोदक जरूर हो। इस प्रकार की मूर्ति घर लाने से सुख-समृद्धि आती है। मूर्ति में यह भी जरूर देखें कि भगवान गणेश के साथ उनका वाहन मूषक भी हो।

दिवाली पूजन के लिए मां लक्ष्मी की मूर्ति खरीदने के नियम

कभी भी माता लक्ष्मी की ऐसी मूर्ति नहीं खरीदनी चाहिए, जिसमें देवी खड़ी हुई हों। ऐसी प्रतिमा मां लक्ष्मी के जाते हुए मुद्रा को दर्शाती है। यही कारण है कि हमेशा देवी की बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति खरीदनी चाहिए।

माता लक्ष्मी की प्रतिमा में इस बात का ख्याल जरूर रखें कि देवी अपने वाहन उल्लू पर विराजमान न हों। मां लक्ष्मी की ऐसी प्रतिमा काली मूर्ति का प्रतीक माना गया है।

दीवाली पूजन के लिए मां लक्ष्मी की मूर्ति ऐसी लेनी चाहिए जिसमें वो कमल के फूल पर विराजमान हों। साथ ही, उनका हाथ वरमुद्रा में हो और धन की वर्षा करते नजर आ रहा हो।

दिवाली पूजन के लिए हर साल बदलें लक्ष्मी-गणेशजी की मूर्ति

माना जाता है कि दिवाली पूजन के लिए हर साल माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा को बदलते रहना चाहिए। हर बार एक ही मूर्ति से पूजा करना सही नहीं माना जाता है। ऐसे में दिवाली आने पर पुरानी लक्ष्मी-गणेशजी की मूर्ति का विसर्जन कर दें और नई मूर्ति घर पर स्थापित करें। हालांकि, अगर आप पर चांदी या पीतल की गणेशजी की मूर्तियां हैं तो उन्हें गंगाजल से साफ करके प्रयोग किया जा सकता है।

मिट्टी की मूर्ति लेना है सबसे उत्तम

दिवाली पूजन के लिए हमेशा मिट्टी से बनी मूर्तियों का प्रयोग करना शुभ माना जाता है। धर्म शास्त्रों में भी मिट्टी से बनी मूर्ति की पूजा करने का विधान बताया गया है। मान्यता है कि गंगाजी, कुएं, गौशाला आदि की मिट्टी से लक्ष्मी और गणेशजी की मूर्ति बनाकर उनकी पूजा करने से बेहद शुभ फल प्राप्त होता है। वहीं, आप चांदी से बनी मूर्तियों को गंगाजल से शुद्ध करके प्रयोग कर सकते हैं।

धनतेरस पर कौड़ी के उपाय से होगी देवी लक्ष्मी की कृपा

दिवाली के त्योहार की शुरुआत धनतेरस के साथ होती है, जो हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन खरीदारी करने और भगवान धन्वंतरि, कुबेर देवता व लक्ष्मी माता की पूजा करने का विधान होता है। ऐसा करने से अरोग्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। वहीं, अगर आप धनतेरस के दिन कौड़ी से जुड़े कुछ उपाय कर लें तो इससे देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और धन-दौलत में भी वृद्धि हो सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें धनतेरस के लिए कौड़ी के उपाय...

धन-दौलत में वृद्धि के लिए कौड़ी का उपाय

धनतेरस के दिन शाम के समय धन में वृद्धि के लिए आप एक छोटा सा उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए रात को 13 दीपक जलाएं और उन्हें घर के सभी कोनों में रख दें। इसके बाद, आधी रात में हर एक कोने में एक-एक कौड़ी रखें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से पैसों की तंगी दूर हो सकती है और धन में वृद्धि के योग बनते हैं। साथ ही, घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती जाती है।

कौड़ी के इस उपाय से दरिद्रता हो सकती है दूर

इसके लिए धनतेरस को शाम के समय बरगद की एक जटा में गांठ बांध दें। इसके बाद, 5 कौड़ियों पर हल्दी का तिल लगाकर उसे अपने ऊपर से 8 बार उतारें और फिर, किसी गरीब को धन के साथ कौड़ियां दान कर दें। इस उपाय को करने से दरिद्रता दूर हो सकती है और अचानक धन लाभ होने के भी योग बनते हैं। जब आपको धन प्राप्त हो जाए तो बरगद के पेड़ पर बांधी गई जटा को खोल देना चाहिए।

नौकरी और कारोबार में सफलता का उपाय

धनतेरस के दिन तंत्र शास्त्र के अनुसार, 13 दीपक जरूर जलाने चाहिए। इसके लिए घी का प्रयोग करें और हर एक दीपक में 1-1 कौड़ी डाल दें। अब इन 13 दीयों को लेजाकर घर के आंगन में रख दें और फिर, रात को 13 कौड़ियों को दीपक से निकालकर घर के किसी कोने में चुपचाप दबा दें। इस उपाय को करने से आपको नौकरी और कारोबार में आ रही बाधाओं से निजात मिल सकती है। साथ ही, करियर में सफलता प्राप्त हो सकती है और आर्थिक परेशानियां भी दूर होने लगती हैं।

इस उपाय से मां लक्ष्मी की होगी प्राप्त

धनतेरस के दिन शाम के समय माता लक्ष्मी की पूजा के दौरान दीपक में एक कौड़ी भी अवश्य डाल दें। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा और आरती करें। कुछ समय बाद दीपक में कौड़ी को निकालें और इसे लेजाकर अपनी तिजोरी में रख दें। इस उपाय को करने से जातक को माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त हो सकती है और साथ ही, घर में कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होती है। इस उपाय को करने से जीवन में सुख-समृद्धि आने लगती है।

बालिका वधू ने बनाया घर-घर का हिस्सा, उस पर गर्व है : अविका गौर

टीवी अभिनेत्री अविका गौर ने हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी के साथ रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में शादी की। वह टीवी सीरियल 'बालिका वधू' के लिए आज भी याद की जाती हैं। इसमें उन्होंने आनंदी का किरदार निभाया था। उनका यह किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया। उन्होंने बातचीत में बताया कि इस किरदार को जो प्यार लोगों ने दिया, उस पर उन्हें गर्व है। इसकी वजह से ही वह घटीर-घर फेमस हुईं। जब उनसे पूछा गया कि लोग उन्हें अब भी आनंदी कहकर पुकारते हैं, तो उन्हें कैसा लगता है? इसका जवाब देते हुए अविका गौर ने कहा, सच कहूं तो, मुझे गर्व महसूस हो रहा है। अब यह मेरा दूसरा नाम जैसा लगता है। आज ही एयरपोर्ट पर एक अनजान महिला सामने आईं और मेरे गाल खींचते हुए मुझे आनंदी कहने लगीं। मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे यह नाम देना बंद करें क्योंकि यह एक ऐसी पहचान है जो मुझे इस देश के हर घर से जोड़ती है। उस शो और उस किरदार ने मुझे कई परिवारों की बेटी बना दिया। मैं इसे हमेशा संजोकर रखूंगी।

जब नेशनल टीवी पर अविका गौर की शादी होने जा रही थी, तब होस्ट सोनाली बेंद्रे ने उनसे एक सवाल पूछा था। सोनाली ने अविका से पूछा था, 'आपकी शादी सच में होने जा रही है? कैसा लग रहा है?'

अविका गौर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी ने मुझसे यह पूछा था। ऐसा लग रहा था जैसे उन्हें मेरी परवाह है और वह यह सब कैमरे या रियलिटी शो के लिए नहीं पूछ रही हैं, बल्कि उनका हर वाक्य दिल से निकल रहा है। सोनाली मैम के साथ वह मेरे लिए बहुत ही खास पल था। उस दौरान मुझे लगा जैसे मुझे देखा, समझा और सहारा दिया जा रहा है।

इसके बाद अविका गौर सोनाली बेंद्रे के गले लग गईं। उनको गले लगाने के बाद अविका गौर को लगा कि जैसे कोई फैमिली मेंबर उन्हें गले लगा रहा है। बता दें कि इस शादी में सारी रस्में निभाई गई थीं, शो के कंटेस्टेंट इसमें लड़के और लड़की के रिश्तेदार बनकर शामिल हुए थे।

गोलू गुप्ता की वापसी, श्वेता त्रिपाठी ने शुरू की मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने 'मिर्जापुर' सीरीज में गोलू गुप्ता का रोल प्ले किया था। यह किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया। अब इसी किरदार को वह 'मिर्जापुर' फिल्म में दोहराती दिखाई देंगी। उन्होंने फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू कर दी है। श्वेता त्रिपाठी ने दिए एक इंटरव्यू में बताया कि गजगामिनी गुप्ता उनका पसंदीदा किरदार है और वह फिल्म की शूटिंग शुरू होने से बहुत खुश हैं। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, मैं इस समय बहुत खुश हूं क्योंकि मैं अपने दूसरे घर, बनारस में अपने सबसे पसंदीदा और दिल के सबसे करीब प्रोजेक्ट्स में से एक 'मिर्जापुर' की शूटिंग कर रही हूं। मैं अपने गजगामिनी गुप्ता के किरदार को बहुत प्यार करती हूं और इसे फिर से प्ले करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

श्वेता ने कहा, इसकी शूटिंग रात में हो रही है। इसके लिए बहुत खूबसूरत सेटअप किया गया है। हम पूरी रात बढ़िया कुल्हड़ में चाय भी पिएंगे। मिर्जापुर के कलाकार भी बहुत खास हैं और आज सभी लोग वहां मौजूद हैं, इसलिए बातचीत तो होगी ही। गंगा आरती भी बहुत अच्छी रही, तो मेरे लिए दीपावली शुरू हो चुकी है।इस फिल्म में अली फजल एक पहलवान के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी। इस बार भी इसकी शूटिंग इन्हीं जिलों में हो रही है।फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज डेट तय नहीं हुई है, मगर इसे अगले साल तक रिलीज किया जाएगा।

मोहित सूरी ने अनीत पड्डा के जन्मदिन पर सोशल मीडिया के जरिए दी बधाई

अभिनेत्री अनीत पड्डा मंगलवार को अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्हें निर्देशक मोहित सूरी ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर अनीत के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इसे निर्देशक ने कैप्शन दिया, जन्मदिन की बधाई हो, मेरी स्टार अनीत पड्डा। तुम्हारी मासूमियत ने न सिर्फ 'सैयारा' को रोशन किया, बल्कि हमारी पूरी टीम के सपनों को नई उड़ान दी। 'सैयारा' की हेरोइन अनीत ने अपना खास दिन अहान पांडे के साथ बिताया, जो फिल्म 'सैयारा' में उनके ऑनस्क्रीन पार्टनर थे।

अहान ने इंस्टाग्राम पर कई अनदेखी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। एक क्लिक में दोनों कॉन्सर्ट के पास सेल्फी लेते दिखे। लेकिन सबसे ज्यादा हलचल एक छोटे वीडियो से मची, जहां अहान अनीत को एक रिंग पहना रहे हैं, जिससे फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि दोनों रिश्ते में हैं।

बता दें, अनीत पड्डा ने 'सलाम वेंकी' (2022) से छोटी भूमिका में डेब्यू किया, फिर 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' सीरीज से पहचान बनाई। लेकिन अभिनेत्री को पहचान मोहित सूरी की 'सैयारा' से मिली।

यश राज फिल्म्स की इस म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा में अनीत ने वाणी बत्रा का रोल निभाया था, जो एक महत्वाकांक्षी गीतकार होती है और उसे अल्जाइमर्स हो जाता है। वहीं, अहान ने फिल्म में कृष कपूर की भूमिका अदा की थी। फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि ओटीटी पर भी रिकॉर्ड बनाया।

फिल्म की कहानी दो ऐसे युवा कलाकारों के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने टूटे दिलों के साथ जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहते हैं। कृष कपूर (अहान पांडे), एक होनहार संगीतकार है जो अपने जज्बातों को सुरों और गीतों के जरिए दुनिया तक पहुंचाना चाहता है, जबकि वाणी बत्रा (अनीत पड्डा), एक लेखिका है जो कविताओं में अपने दर्द को शब्दों में ढालती है।

विद्या बालन ने बताया 'आकर्षण के नियम' की वजह से उन्हें मिली थी 'परिणीता'

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म 'परिणीता' कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं।

विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी।

इसमें उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म 'परिणीता' मिली। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता भी नहीं था कि ब्रह्मांड ने अपना जादू चलाना शुरू कर दिया है। कुछ साल बाद मुझे दादा के साथ एक विज्ञापन फिल्म मिली और फिर किस्मत से मुझे उनके तीन म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। सबसे खास बात यह थी कि 'किस्सों की चादर' एल्बम में काम करने का मौका मिला। इतना ही नहीं, आखिरकार दादा ने मुझे परिणीता में लॉन्च किया।

आकर्षण के नियम को श्रेय देते हुए विद्या ने अंत में कहा, मुझे नहीं पता कि इसे 'आकर्षण का नियम' कहा जा सकता है या नहीं, लेकिन मुझे पता है कि मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं, जैसे मैं जीवन में बहुत सी दूसरी चीजों के लिए हूं। प्रदीप सरकार की फिल्म 'परिणीता' को कुछ समय पहले ही रिलीज हुए 20 साल पूरे हुए। इस मौके पर मूवी को फिर से री-रिलीज किया गया था। यह फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के 1914 के प्रतिष्ठित बंगाली उपन्यास पर आधारित है। इस फिल्म में विद्या बालन और सैफ अली खान की जोड़ी नजर आई थी।

शाहरुख खान के साथ टीवी ऐड करना मेरे करियर का सबसे यादगार अनुभव : मीरा उमर

स्वीडन से बॉलीवुड की चकाचौंध में अपनी छाप छोड़ने वालीं मीरा उमर आज सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक प्रेरणा बन चुकी हैं। संगीत, नृत्य और कला के प्रति उनका जुनून ही पहचान बन गया है, जो सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे है। अफगानिस्तान में जन्मी, स्वीडन में पली-बढ़ी और भारत में अपने सपनों को आकार देती मीरा की कहानी संघर्षों से भरी है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपने करियर को लेकर बात की। काबुल से स्वीडन तक के सफर के सवाल पर मीरा ने कहा कि उनका स्वीडन आना एक लंबी यात्रा का हिस्सा था। उस वक्त वह काफी छोटी थीं, जिसके कारण उन्हें इस यात्रा के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं काबुल में पैदा हुई थी। यह 90 के दशक की शुरुआत की बात है, जब वहां युद्ध और तालिबान का बोलबाला था। हमें अपना देश छोड़ना पड़ा और हम शरणार्थियों के रूप में स्वीडन आए। मैं उस वक्त तीन साल की थी, इसलिए इस सफर की यादें काफी धुंधली हैं, लेकिन मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मेरे माता-पिता ने इतनी हिम्मत की, ताकि हम एक बेहतर जीवन पा सकें। स्वीडन एक अद्भुत देश है। मीरा ने आगे संगीत और नृत्य के प्रति अपने लगाव के बारे में बताया। वह कहती हैं कि उन्होंने गाना और नाचना उस समय शुरू किया, जब वह बोलना भी नहीं जानती थीं।

उन्होंने कहा, ''मेरे पापा अफगानिस्तान से हैं और हमारे कल्चर में म्यूजिक और डांस बहुत गहराई से जुड़े हैं। मेरी मां भी सिंगर रही हैं और उन्होंने बैले डांस भी किया है। तो ये सब मेरे खून में ही है। जब मैं बच्ची थी, तो मैं अपने घरवालों को लिविंग रूम में बुलाया करती और कहती थी, 'यहां बैठो, अब मैं तुम्हारे लिए परफॉर्म करूंगी,' और कभी-कभी तो मैं उनसे टिकट भी मांगती थी। इसी तरह के छोटे-छोटे लम्हों ने मेरे करियर की नींव रखी।''

मीरा ने आगे कहा, ''माता-पिता का साथ और समर्थन मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत रहा है। अगर मेरा परिवार मेरा साथ न होता, तो मैं शायद यहां तक नहीं पहुंच पाती। जब मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मैं इसे प्रोफेशनली करना चाहती हूं, तो वे सरप्राइज नहीं हुए, बल्कि उन्होंने शुरू से ही मेरा साथ दिया।''

मीरा ने बताया कि उनके करियर में दिलचस्प मोड़ तब आया, जब वह भारत आईं और यहां पांच साल रहीं। भारत में उन्होंने डांस इंडस्ट्री को करीब से देखा और कई ऑडिशन, कास्टिंग और शूटिंग्स का हिस्सा बनीं। लेकिन उनके लिए सबसे यादगार अनुभव एक टीवी कमर्शियल था, जो उन्होंने बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के साथ किया।

उन्होंने कहा, ''यह एक छोटा सा रोल था; मैं सिर्फ तीन सेकंड के लिए स्क्रीन पर हूं। लेकिन उन तीन सेकंड्स में मैं शाहरुख खान के साथ टैंगो डांस कर रही थी। उस दिन मैंने सोचा कि इससे बेहतर शायद कुछ नहीं हो सकता।''

700 किलोमीटर चलकर आया फैन

रुक्मिणी वसंत की मुस्कान ने जीता इंटरनेट का दिल

इंटरनेट पर इस वक्त बस एक ही कहानी छाई है – एक जबरा फैन राजू ने अपनी फेवरेट एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत से मिलने के लिए पूरे 700 किलोमीटर का सफर तय किया! दिल में बस एक ही ख्वाहिश, मोबाइल के लॉकस्क्रीन पर उनकी फोटो और जेब में ढेर सारी हिम्मत लेकर निकला ये फैन आखिरकार अपनी ड्रीम एक्ट्रेस से मिल ही गया – और अब सोशल मीडिया पर बस उसी मुलाकात की चर्चा है। कभी सोचा नहीं था कि ये दिन देखूंगा, राजू ने ट्वीट किया. वो इतनी सादगी से मिलीं, और जब उन्होंने मेरे लॉकस्क्रीन पर अपनी फोटो देखी तो जो रिएक्शन दिया, वो अभी तक दिमाग से नहीं गया. मुलाकात की तस्वीरों में रुक्मिणी को राजू के हाथ से गुलाबी फूल लेते और मुस्कुराते देखा जा सकता है – वही दिल जीत लेने वाली मुस्कान जिसने उनके फैन्स के दिलों में हमेशा के लिए जगह बना ली है। सोशल मीडिया पर लोग इसे साल का सबसे प्यारा फैन मोमेंट बता रहे हैं, तो कुछ यूजर्स मजाक में कह रहे हैं कि राजू को बेस्ट फैन अवॉर्ड मिलना चाहिए उसकी दिल से की गई मेहनत और 700 किलोमीटर की डेडिकेशन के लिए रुक्मिणी वसंत भले ही अपनी नई फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हों, लेकिन ये मुलाकात साबित कर गई कि असली फैनडम सिर्फ दीवानगी नहीं होता – ये जुड़ाव, अपनापन और एक गुलाबी फूल की कहानी है जो सीधा दिल छू जाती है।

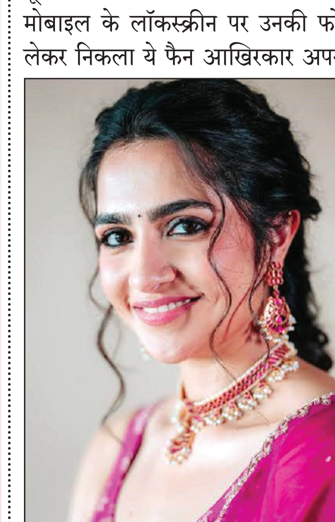

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते आप परेशान होगें आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और जरूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। परिवार के साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। ऐसे काम हाथ में लें, जो रचनात्मक प्रकृती के हैं। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 अक्टूबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 10:35 तक
नक्षत्र : पुष्य दोपहर 12:00 तक
योग : साध्य रात्रि 02:56 तक
करण : गर प्रातः 10:35 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 05:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:06 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 05:52 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 05:46 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल दोपहर 12:00 से , चातुर्मास व्रती को कार्तिक मास में उड़द दाल खाना वर्जित है, कार्तिक मासे दीप–दानम् विशेषः ,
भद्रा रात्रि 10:31 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आईपीएस वाई पूरण कुमार के घर पहुंचे राहुल गांधी

आत्महत्या मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग

चंडीगढ़ ,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को चंडीगढ़ में हरियाणा कैडर के आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार के घर जाकर उनके परिवार से मुलाकात की। वाई पूरण कुमार ने हाल ही में आत्महत्या कर ली थी। इस दौरान राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह एक सेवारत अधिकारी थे। देश समझता है कि उन पर किस तरह का दबाव बनाया जा सकता था। इन अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। अधिकारियों को गिरफ्तार करें और कार्रवाई शुरू करें। परिवार से एक सीधा संदेश मिल रहा है, और वे सिर्फ सम्मान चाहते हैं।

आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या पर राहुल गांधी ने कहा कि दलितों को गलत संदेश दिया जा रहा है कि चाहे आप कितने भी सफल क्यों न हों, अगर आप दलित हैं तो आपको कुचला जा सकता है। उन्होंने कहा कि आपने उनके पति का अनादर करने की कोशिश की, उनका करियर खत्म करने की कोशिश की और उन्होंने आत्महत्या कर ली। कम से कम उनकी मृत्यु के बाद उनका सम्मान तो करो, ऐसा अधिकारी की पत्नी ने कहा। यह एक परिवार के सम्मान का मामला नहीं है। यह देश के हर दलित परिवार का मामला है। मैं प्रधानमंत्री और सीएम सैनी से यही कह रहा हूं कि जल्द से जल्द कार्रवाई शुरू करें। दरअसल वाई पूरण कुमार ने हाल ही में चंडीगढ़ स्थित अपने घर पर आत्महत्या कर ली थी। राहुल गांधी का यह दौरा दिवंगत अधिकारी के परिवार को सांत्वना देने के लिए था।

इस बीच कांग्रेस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार ने हाल ही में जातिगत उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर ली थी। आज विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चंडीगढ़ में वाई पूरण कुमार जी के परिवार से मुलाकात की और उनका दर्द साझा किया। इसमें आगे कहा गया कि ऐसी घटनाएं देश और समाज पर कलंक हैं और इस बात का प्रमाण हैं कि वंचित वर्ग आज तेज़ी से उम्मीद खो रहा है। बीजेपी–आरएसएस की नफरत भरी और मनुवादी विचारधारा ने समाज में इस हद तक जहर घोल दिया है कि मानवता दम तोड़ रही है।

कांग्रेस की एक्स पर दूसरी पोस्ट में मुलाकात की तस्वीरें जारी की गई हैं। इसमें कहा गया है कि राहुल गांधी ने वाई पूरण कुमार (आईपीएस) के घर पर जाकर शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार को जाति आधारित भेदभाव का सामना करने के बाद आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

वाई पूरण कुमार 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी थे और हरियाणा में तैनात थे। 7 अक्टूबर को उनका शव सेक्टर 11 स्थित सरकारी आवास में मिला। शुरुआती जांच में सामने आया कि उन्होंने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से आत्महत्या की। मामला तब गंभीर हो गया जब उनकी ओर से लिखे गए कथित सुसाइड नोट में 14 अधिकारियों के नाम दर्ज पाए गए। इसमें मानसिक उत्पीड़न और जातिगत भेदभाव के आरोप लगाए गए हैं। घटना के दो दिन बाद, 9 अक्टूबर की रात 10:40 बजे चंडीगढ़ पुलिस ने सुसाइड नोट में नामित सभी 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। आरोपियों में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया शामिल हैं। उन पर आत्महत्या के लिए उकसाने और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएं 3(1)(r) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एफआईआर के बावजूद अधिकारी के परिजनों ने जांच पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस और हरियाणा सरकार पर अविश्वास जताते हुए पोस्टमॉर्टम की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इस कारण 7 अक्टूबर से अधिकारी का शव पोस्टमॉर्टम हाउस में रखा हुआ है। उनकी पत्नी अमनीत पी कुमार ने सोमवार को कुछ वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं से मुलाकात की। हालांकि, उन्होंने राज्य सरकार के कई प्रतिनिधियों से मिलने से इनकार कर दिया और कथित तौर पर 'राजनीतिक तुष्टीकरण' के प्रयासों को ठुकरा दिया। कांग्रेस पार्टी ने इस पूरे मामले को लेकर भाजपा शासित हरियाणा सरकार की आलोचना की है और इसे प्रशासनिक व कानून व्यवस्था की विफलता करार दिया है।

एक और पुलिस अधिकारी ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट; भ्रष्टाचारी थे पूरण कुमार

रोहतक,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा आईपीएस अधिकारी सुसाइड मामले में एक नया मोड़ आ गया है। असल में, एक और पुलिस अधिकारी की आत्महत्या का मामला सामने आया है और उसने सुसाइड नोट में कथित तौर पर दिवंगत आईपीएस वाई. पूरन कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक की पहचान असिस्टेंट सब–इंस्पेक्टर (एएसआई) संदीप लाठर के रूप में हुई है, जो वर्तमान में रोहतक के साइबर सेल में तैनात थे। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने शव को कब्जे में ले लिया।

संदीप लाठर ने अपने सुसाइड नोट और एक वीडियो मैसेज में आईपीएस वाई. पूरन कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नोट में उन्होंने लिखा है कि पूरन कुमार एक भ्रष्ट अधिकारी हैं, जिनके खिलाफ कई ठोस सबूत मौजूद हैं। संदीप ने दावा किया कि पूरन कुमार के स्टाफ के खिलाफ चल रही वसूली की जांच के दौरान उन्हें गिरफ्तारी का डर सता रहा था।सुसाइड नोट में लिखा, मैं इस दबाव को और सहन नहीं कर पाया। पूरन साहब ने मुझे फंसाने की साजिश रची थी।वीडियो मैसेज में भी संदीप ने अपनी बात दोहराई है, जो जांच एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

यह घटना आईपीएस वाई. पूरन कुमार केस में एक नया मोड़ ला रही है। पूरन कुमार पर वसूली, भ्रष्टाचार और अन्य आपराधिक गतिविधियों के आरोप हैं। 11 अक्टूबर को रोहतक में विशेष जांच टीम (एसआईटी) पहुंची थी, जो इसी मामले की तहकीकात कर रही है। सूत्रों के अनुसार, संदीप जांच के दौरान महत्वपूर्ण बयान देने वाले थे, लेकिन उनकी अचानक मौत ने पूरे केस को और जटिल बना दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। यह मामला आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार से जुड़े वसूली कांड से गहराई से संबंधित नजर आ रहा है।

नूंह में भ्रष्टाचार के मामले में फरार सरपंच रामपाल गिरफ्तार

7 लाख रुपए की रिश्वत मामले में शामिल

चंडीगढ़,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरूग्राम ने दिनांक 13 अक्टूबर 2025 को भ्रष्टाचार के गंभीर मामले में फरार आरोपी रामपाल, सरपंच ग्राम पंचायत करहेड़ा, खंड नगीना, नूंह को गिरफ्तार किया। आरोपी को आज 14 अक्टूबर 2025 को माननीय न्यायालय नूंह में पेश किया जाएगा। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह कार्यालय उपमंडल अधिकारी फिरोजपुर झिरका, जिला नूंह में कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। अपने कार्यकाल के दौरान उसने आरोप लगाया कि रामपाल सरपंच ने उसे कहा था कि उसकी विभागीय जांच को उसके पक्ष में कराने के लिए एस.डी.एम. से सिफारिश कर दी जाए।

इसके बाद शिकायतकर्ता ने एस.डी.एम. से संपर्क किया, जिन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जांच फाइल को क्लोज़ कराने के लिए 4 लाख रुपये नकद देने होंगे। घटना के सिलसिले में जब शिकायतकर्ता ने ग्राम सचिव हसिन से बात की, तो हसिन ने कहा कि ए.डी.एम. से बात करने के बाद रामपाल सरपंच ने जांच फाइल को क्लोज़ कराने के एवज में 4 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। इसके आधार पर रा.स. एवं भ्र.नि.ब्यूरो, गुरूग्राम ने ग्राम सचिव हसिन को 3 लाख रुपये नकद लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। इसके खिलाफ 6 फरवरी 2025 को धारा 7, 7ए, 8 और 13(1)(बी) सह 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

जांच में सामने आया कि आरोपी रामपाल सरपंच ने शिकायतकर्ता जुबेर अहमद, तत्कालीन स्टेनो उपमंडल अधिकारी, फिरोजपुर झिरका से कुल 7 लाख रुपये नकद रिश्वत प्राप्त की थी। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और न्यायिक प्रक्रिया अब तेजी से जारी है।

स्कूलों को 18 प्रतिशत जीएसटी के साथ जमा करवाना होगा सम्बद्धता शुल्क

चंडीगढ़,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी से संबद्ध सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी/ गुरूकुल/ विद्यापीठ परीक्षा शैक्षिक सत्र 2025–26 के लिए अराजकीय स्थाई मान्यता प्राप्त विद्यालय 18 प्रतिशत जीएसटी सहित ऑनलाइन गेटवे पेंमेट के माध्यम से सम्बद्धता शुल्क जमा करवा सकते हैं। उन्होंने आगे बताया कि शैक्षिक सत्र 2021–22, 2022–23, 2023–24, 2024–25 के सम्बद्धता शुल्क का केवल जीएसटी एवं शैक्षिक सत्र 2025–26 का सम्बद्धता शुल्क (जीएसटी सहित) जमा करवाया जाना है। बोर्ड के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बोर्ड द्वारा सम्बद्धता शुल्क पर लगाया गया जीएसटी भारत सरकार के द्वारा जारी दिशानिर्देशानुसार ही लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वित मंत्रालय (भारत सरकार) के राजस्व विभाग द्वारा जारी सर्कुलर नम्बर–151/07/2021–जीएसटी दि. 17 जून, 2021 के अनुसार केन्द्रीय ओर राज्य शैक्षिक बोर्डों को परीक्षा आयोजित करने के माध्यम से सेवाएं प्रदान करने के सीमित उद्देश्य के लिए शैक्षिक संस्थान माना गया है। उन्होंने आगे बताया कि बोर्ड द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य सेवाओं पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लागू होता है यानि किसी संस्थान या पेशेवर को मान्यता प्रदान करना (मान्यता शुल्क या पंजीकरण शुल्क) ताकि उन्हें अपनी संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए अधिकृत किया जा सके।

फायर सेफ्टी एवं अन्य सुरक्षा प्रबंधों में नहीं रहे कोई कमी

लापरवाही पर संस्थान प्रभारी होंगे जिम्मेदार : गजेन्द्र सिंह खींवसर

जयपुर,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में रोगियों एवं उनके परिजनों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि अधिकारी सभी चिकित्सा संस्थानों में फायर सेफ्टी सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसी भी चिकित्सा संस्थान में सुरक्षा प्रबंधों को लेकर कमी पाई गई तो संबंधित चिकित्सा संस्थान के प्रभारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी और किसी भी तरह की घटना पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। चिकित्सा मंत्री मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा प्रबंध, मौसमी बीमारियों, मानव संसाधन, जांच, दवा एवं उपचार की व्यवस्थाओं सहित अन्य विषयों पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विगत दिनों एसएमएसएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में हुई आग की घटना बेहद दुःखद है। ऐसी घटनाओं से सबक लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शत–प्रतिशत चिकित्सा संस्थानों में फायर सेफ्टी ऑडिट सुनिश्चित की जाए। न केवल राजकीय बल्कि निजी चिकित्सा संस्थानों में भी फायर सेफ्टी नियमों की पूर्ण पालना सुनिश्चित हो। खींवसर ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में फायर सेफ्टी उपकरण क्रियाशील हों और इस स्थिति में हों कि आवश्यकता होने पर उनका उपयोग किया जा सके। प्रभारी अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें। समय–समय इन उपकरणों की टेस्टिंग की जाए। साथ ही, अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर मॉक ड्रिल भी की जाए। उन्होंने कहा कि जिन अस्पतालों में इस वर्ष फायर सेफ्टी ऑडिट नहीं हुई है, वे तत्काल कराएं।

भजनलाल शर्मा की प्रस्तावित नदबई यात्रा की डीएम ने की समीक्षा

भरतपुर,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने मुख्यमंत्री की 18 अक्टूबर को नदबई में प्रस्तावित सभा की तैयारियों की विभागवार समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय पर करने के निर्देश दिये। वीसी के माध्यम से जिला कलेक्टर डीग, जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर दिगंत आनंद सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर ने कहा कि 18 अक्टूबर को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किसानों को सम्मान निधि की राशि डीबीटी के माध्यम से स्थानंतरित की जायेगी जिसमें भरतपुर सहित आसपास के जिलों के किसान भाग लेने के साथ ही प्रदेशभर के किसान वीसी के माध्यम से जुडेंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों को विभागवार दिये गये दायित्वों का समय पर निर्वहन करते हुये तैयारियों को मूर्तरूप देने के निर्देश दिये। उन्होंने सभा स्थल तक किसानों को लाने–लेजाने के लिये उपखण्डवार बसों की व्यवस्था को निर्धारित स्थान तय कर लाभार्थियों को सूचित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बसों के आवागमन का मार्ग निर्धारित कर उपखण्डवार चैकपोस्ट की व्यवस्था की जाए, स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समन्वय रखते हुये सभी आगन्तुक किसानों को सूचना दी जाये। उन्होंने सभा स्थल पर सुव्यवस्थित बैठक व्यवस्था, छाया–पानी, वाहन पार्किंग, सभा स्थल पर इन्टरनेट, वीसी की व्यवस्था समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग, डेयरी, पंचायती राज लाभार्थियों को ग्रामपंचायतवार सूचिबद्ध कर आपसी समन्वय से काम करें। जिला पुलिस अधीक्षक ने आवागमन के वाहनों का रूटचार्ट, वाहन पार्किंग के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि त्यौहारों के अवसर पर भीड को देखते हुये पूर्ण सुरक्षा के साथ लाभार्थियों को सभा स्थल तक लायें।

पर्यटन भारत की नई अर्थव्यवस्था का इंजन बनेगा : शेखावत

दो दिवसीय नेशनल टूरिज्म कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बोले केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

उदयपुर,14 अक्टूबर (एजेंसियां)। झीलों और प्राकृतिक सौंदर्य से ओतप्रोत अनुपम एवं रमणीय पर्यटन नगरी उदयपुर में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय पर्यटन कॉन्फ्रेंस का मंगलवार को केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत, पंजाब के राज्यपाल और चण्डीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित केंद्र शासित प्रदेशों के उप राज्यपाल तथा विभिन्न राज्यों के पर्यटन मंत्रियों की उपस्थिति में होटल मेरिएट में भव्य शुभारम्भ हुआ। कांफ्रेन्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वन स्टेट- वन ग्लोबल ट्यूरिज्म डेस्टिनेशन विजन की परिणिति के प्रारंभिक चरण में विभिन्न राज्यों के पर्यटन मंत्रियों ने अपने–अपने क्षेत्र में ग्लोबल डेस्टिनेशन की संभावनाओं और प्रस्तावों पर प्रजेंटेशन दिए।

प्रारंभ में पर्यटन मंत्रालय की सचिव वी विद्यावती ने सभी आंगुतकों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत में ग्लोबल डेस्टिनेशन के सभी तत्व मिलते हैं फिर भी यहां पर्यटन की अपेक्षित ग्रोथ के लिए कमियों की पहचान कर

उन्हें दूर करने के लिए कार्य करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार गत दिनों हुई बैठक में देश में 50 नए ग्लोबल ट्यूरिज्म डेस्टिनेशन विकसित करने को लेकर सभी राज्यों से प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया था। इसी क्रम में आयोजित यह कांफ्रेन्स देश के पर्यटन विकास की नई रूपरेखा तैयार करने में महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध होगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कांफ्रेन्स के लिए राजस्थान को चुनने पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री शेखावत का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी आंगतुकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमारे यहां हर किला महल अपनी कहानी कहता है, राजस्थान का गौरवपूर्ण इतिहास, विविध रंगों से परिपूर्ण विरासत, कला एवं संस्कृति समूचे विश्व में अपनी अनूठी पहचान रखते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान पर्यटन की दृष्टि से पूरी दुनिया में एक आइकोनिक डेस्टिनेशन है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने का विजन दिया है और इस और नियमित मार्गदर्शन कर रहें हैं। दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान को दुनिया में लीडिंग टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत राजस्थान से ही हैं और उनका हमें होम स्टेट होने के कारण राजस्थान को निश्चित ही लाभ रहता है।

बिहार विधानसभा चुनाव : रोहतास में जदयू को झटके

एनडीए बागियों को हाथी का सहारा, कई सीटों पर चौतरफा मुकाबला संभव

रोहतास (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में हुए सीट बंटवारे के बाद रोहतास जिले की कई विधानसभा सीटों पर मुकाबला अब काफी दिलचस्प होता दिख रहा है। एनडीए से टिकट पाने की होड़ में जुटे कई पूर्व विधायकों ने, सीटें अन्य घटक दलों के खाते में जाने से नाराज होकर बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) का दामन थाम लिया है और अब वे समीकरण बिगाड़ने में लगे हैं। हालांकि एनडीए और महागठबंधन, दोनों ही गठबंधनों की ओर से अभी तक उम्मीदव-ारों की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि जैसे ही उम्मीदवारों की घोषणा होगी, टिकट कटने वाले नेताओं की संख्या और बढ़ेगी। ऐसे में कई नेता अपनी राजनीतिक जमीन

बचाने के लिए निर्दलीय या अन्य दलों से चुनावी मैदान में उतर सकते हैं।

बता दें कि जिले की दिनारा और सासाराम विधानसभा सीटें उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम के खाते में जाने से जदयू के कई नेताओं में नाराजगी है।

दिनारा विधानसभा सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे पूर्व मंत्री और जदयू नेता जयकुमार सिंह ने सीट आरएलएम के खाते में जाने पर नाराजगी जताते हुए पार्टी छोड़ दी है। दो बार बिहार सरकार में मंत्री रह चुके जयकुमार सिंह अब बीएसपी के टिकट पर दिनारा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। उनके इस कदम से एनडीए के भीतर नई राजनीतिक हलचल मच गई है।

वहीं, सासाराम विधानसभा सीट से टिकट की उम्मीद लगाए बैठे पूर्व विधायक अशोक सिंह कुशवाहा ने भी आरएलएम के खाते में सीट जाने से असंतोष जताया और जदयू से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अब बीएसपी का दामन थाम लिया है। बीएसपी ने उन्हें सासाराम से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। गौरतलब है कि सासाराम क्षेत्र कुशवाहा समाज का मजबूत गढ़ माना जाता है। ऐसे में इस समाज से आने वाले डॉ. अशोक सिंह के बीएसपी टिकट पर चुनाव लड़ने से इस सीट पर मुकाबला और भी रोचक होने की संभावना है।

एनडीए के सीट बंटवारे के बाद रोहतास जिला जदयू में बिखराव के संकेत साफ दिखने लगे हैं। पूर्व मंत्री और पूर्व विधायक के पार्टी छोड़ने के बाद अब जदयू जिला अध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा ने भी इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने भाई डॉ. निर्मल कुशवाहा के साथ जन सुराज का दामन थाम लिया है। सूत्रों के मुताबिक, डॉ. निर्मल कुशवाहा जन सुराज के टिकट पर सासाराम से चुनाव लड़ सकते हैं। सीट बंटवारे से नाराज अन्य जदयू नेता भी पार्टी लाइन से अलग होने पर विचार कर रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार में जन सुराज की ताकत बढ़ने से इस बार कई सीटों पर अप्रत्याशित नतीजे देखने को मिल सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में जन सुराज के कार्यक्रमों में उमड़ती भीड़ को देखकर यह स्पष्ट है कि यह पार्टी इस बार एनडीए और महागठबंधन, दोनों के उम्मीदवारों को कड़ी टक्कर दे सकती है। वहीं, एनडीए के बागी नेता भी निर्दलीय या अन्य दलों के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। ऐसे में कई सीटों पर बहुकोणीय मुकाबले के आसार बन गए हैं, जिससे रोहतास समेत पूरे बिहार में सियासी समीकरण उलटने की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

भारी बारिश और तूफानी हवाओं से पेड़ उखड़ गए, बिजली आपूर्ति बाधित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ के मूडबिद्री तालुका के कई इलाकों में तेज हवाओं, गरज और बिजली के साथ भारी बारिश हुई। अलंगर में, मूडबिद्री-करकला राजमार्ग पर एक पेड़ गिर गया, जिससे कुछ देर के लिए वाहनों की आवाजाही बाधित रही।

समाज मंदिर के प्रवेश द्वार के पास, एक पेड़ की टहनी टूटकर एक बिजली के खंभे पर गिर गई, जिससे एक थिएटर का फ्लेक्स बोर्ड क्षतिग्रस्त हो गया। मूडबिद्री कस्बे में, एक बड़ी पेड़ की टहनी टूटकर समाज मंदिर के सामने ऑटोरिक्शा शेल्टर की टिन की छत पर गिर गई, जिससे काफी नुकसान हुआ। टहनी पास में ही सिया की एक दुकान पर भी गिर गई, जिससे दुकानदार उसके नीचे दब गया, जो बड़ी मुश्किल से बच निकला।

ऑटोरिक्शा चालकों ने पहले वन विभाग से सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए पेड़ को हटाने का अनुरोध किया था। अलंगर और उलिया इलाकों में भी तेज हवाएँ चलने की खबर है। अलंगर में सेंट थॉमस हाई स्कूल की छत उड़कर लगभग सौ मीटर दूर जा गिरी। कुछ बिजली के तार टूटकर जमीन पर गिर गए, और एक पेड़ एक घर पर गिर गया। जैन पीयू कॉलेज के पास एक और पेड़ गिर गया। थोडारू, बेलुवाई और आसपास के इलाकों में भी गरज और बिजली के साथ भारी बारिश की खबर है। तालुका के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई।

देवदुर्गा विधायक करेम्मा नायक की कार दुर्घटना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। देवदुर्गा निर्वाचन क्षेत्र से जेडीएस विधायक करेम्मा नायक रविवार सुबह रायचूर जिले के लिंगसुगुर तालुक के गोलापल्ली गाँव के पास हुई एक सड़क दुर्घटना में मामूली रूप से घायल हो गई।

यह घटना उस समय हुई जब विधायक सुबह लगभग 8 बजे एक निजी कार्यक्रम के लिए कार

से देवदुर्गा से हुब्बल्ली जा रही थी। विधायक की कार गोलापल्ली गाँव के पास चल रही थी।

उसी समय, एक कुत्ता उनके सामने चल रही एक अन्य कार से टकरा गया, जिससे चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। उसी समय, उनकी कार आगे चल रही कार से टकरा गई।

परिणामस्वरूप, उन्हें मामूली चोटें आईं। दुर्घटना में दोनों कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। बाद में, विधायक कार से हुब्बल्ली की ओर रवाना हुईं। खबर मिलने के बाद, हट्टी पुलिस स्टेशन ने घटनास्थल का दौरा किया, निरीक्षण किया और आगे की कार्रवाई की।

छपरा में ट्रक से टकराई तेज रफ्तार बाइक, तीन दोस्तों की मौके पर मौत

छपरा (एजेंसियां)। बिहार के छपरा में एक दर्दनाक हादसे में एक ही साथ तीन युवकों की मौत हो गई है। मामला छपरा-सीवान मुख्य मार्ग के एनएच-531 के दाउदपुर थाना क्षेत्र के नंदलाल सिंह कॉलेज के समीप का बताया जा रहा है। मृतकों की पहचान बनियापुर थाना क्षेत्र के सुहई शाहपुर के हरपुर छतवां गांव निवासी गणेश राय के पुत्र 25 वर्षीय सूरज कुमार राय, दाउदपुर थाना क्षेत्र के नसीरा गांव निवासी 19 वर्षीय अरविंद कुमार साह और रिविलगंज थाना क्षेत्र के सेमरिया गांव निवासी मुन्ना राय के पुत्र 22 वर्षीय विक्की राय के रूप में हुई है।

सूरज एक ऑर्केस्ट्रा संचालक था, जबकि विक्की कैटरिंग संचालक था। तेज रफ्तार से जा रही एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

हादसे की जानकारी मिलते ही दाउदपुर थाने के एएसआई अभिनंदन कुमार सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और ट्रक को जब्त कर तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, छपरा भेज दिया। साथ ही शव की शिनाख्त करने के बाद परिजनों को सूचना दी। घटना की खबर मिलते ही परिजन थाने पहुंचे और शव देखते ही कोहराम मच गया। बताया जाता है कि तीनों युवक एक बाइक पर सवार होकर दाउदपुर से एकमा की ओर जा रहे थे।

वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि तीनों दोस्त एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर छठियारी में जा रहे थे, जबकि अन्य के अनुसार वे सट्टे का पैसा लेने निकले थे। हालांकि घटना के पीछे की वास्तविक जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही इसकी तहकीकात की जाएगी।

आरएसएस के खिलाफ तीखे हमले के लिए प्रियांक खड़गे और बी.के. हरिप्रसाद पर भाजपा का पलटवार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरएसएस के खिलाफ उनके तीखे हमले के लिए मंत्री प्रियांक खड़गे और कांग्रेस नेता बी.के. हरिप्रसाद पर पलटवार करते हुए, भाजपा ने कहा कि ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने उन्हें विशेष रूप से संगठन को निशाना बनाने के लिए नियुक्त किया है। भाजपा ने सोशल मीडिया पर भी एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जो प्रियांक खड़गे के पिता हैं, 2002 में बेंगलूरु के नागवारा में आयोजित आरएसएस के 'समरसता समावेश' कार्यक्रम स्थल पर तत्कालीन गृह मंत्री के रूप में आयोजकों के साथ सहयोग करने के लिए गए थे। भाजपा ने पोस्ट किया आज आप आरएसएस के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। लेकिन क्या आप भूल गए हैं कि 2002 में, बेंगलूरु के नागवारा में आयोजित समरसता संगम कार्यक्रम के दौरान, आपके पिता खड़गे, जो उस समय गृह मंत्री थे, व्यक्तिगत रूप से उस शिविर में गए थे, आरएसएस के सामाजिक कार्यों की सराहना की थी और पूरा सहयोग दिया था? एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा आरएसएस शाखाओं से युवा और वृद्ध, दोनों द्वारा गूँजे जा रहे भारत माता की जय के नारे और कोरस ने उन लोगों को विचलित कर दिया है जो पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे सुनने के आदी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कांग्रेस सरकार, जिसे हमारे राज्य की सीमा पार से बम विस्फोटों की साजिश रचने वालों से कोई समस्या नहीं है, अब आरएसएस की गतिविधियों में अपराध देख रही है, जिसका एकमात्र उद्देश्य भारत की सर्वांगीण उन्नति है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सभी सरकारों ने बार-बार आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की योजना और षडयंत्र रचे, लेकिन राष्ट्रवाद और सामाजिक सुधारों की आरएसएस विचारधारा के कारण वे पूरी तरह विफल रहीं।

लेटर लिख घर से निकले चार बच्चे परिजनों में मची चीख-पुकार

सोनभद्र (एजेंसियां)। सीमा से सटे मप्र के सिंगरौली में परिजनों के नाम पत्र लिखकर चार नाबालिग बच्चों के घर छोड़ने से खलबली मच गई। सोमवार को बच्चों को 12 घंटे के भीतर पुलिस ने रीवा जिले के अमिहया से ढूंढ लिया, तब परिजनों को राहत मिली। घटना मोरवा थाना क्षेत्र की है।

बरगवां थाना क्षेत्र के भलुगड़ निवासी दंपती मोरवा के वार्ड क्रमांक तीन स्थित विमल कॉलोनी के समीप रह कर क्रमशः 13 और 8 वर्षीय बच्चों की शिक्षा दीक्षा करा रहे थे। रविवार को परिजन बच्चों को घर में बंद कर किसी समारोह में भलूगढ़ गांव चले गए।

इस दौरान घर के पास ही रह रहे उनके साले के दो बच्चे (13 वर्ष एवं 9 वर्ष) ने चाबी लेकर उनके घर का ताला खोल दिया था। इसके बाद सभी घर के आंगन में खेलने लगे। इसी दौरान योजना बनाया और घर से निकल गए।

उन्होंने परिजनों के लिए बाकायदा हस्ताक्षर पत्र छोड़ा था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि कोई चिंता ना करे, वह घूमने जा रहे हैं और दो महीने में लौट आएंगे। देर रात तक तलाश करने पर भी जब बच्चों की सूचना नहीं लगी तो परिजनों ने मोरवा थाने में इसकी सूचना दी। मोरवा निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह ने तत्काल सिंगरौली एसपी मनीष खत्री के निर्देश एवं अनुविभागीय अधिकारी गौरव पांडेय के मार्गदर्शन में मामला पंजीबद्ध कर एक पुलिस टीम का गठन कर बच्चों की तलाश शुरू कर दी। सोमवार सुबह बच्चों के हाथ में पड़ा मोबाइल चालू हुआ तो पुलिस को मालूम चला कि बच्चे रीवा पहुंच गए हैं। पुलिस ने तत्काल रीवा जिले की पुलिस से संपर्क साधा और बच्चों को कुशल बरामद कर लिया है।

मैथिली ठाकुर को मौका नहीं, बीजेपी ने बेनीपट्टी से फिर विनोद नारायण झा पर जताया भरोसा

(एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। इस सूची में गायिका मैथिली ठाकुर का नाम शामिल नहीं है। मधुबनी जिले की बेनीपट्टी सीट से बीजेपी ने एक बार फिर अपने वरिष्ठ नेता, पूर्व प्रवक्ता और मौजूदा विधायक विनोद नारायण झा को प्रत्याशी बनाया है। पार्टी ने उन पर दोबारा भरोसा जताया है।

एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था जिसमें बीजेपी के 21 मौजूदा विधायक का नाम था। कहा जा रहा था कि इस लिस्ट में शामिल विधायकों का नाम कटने वाला है। इस लिस्ट में बेनीपट्टी विधायक विनोद नारायण झा का भी शामिल था। उनके स्थान पर बीजेपी टिकट पर मैथिली ठाकुर के चुनाव लड़ने की चर्चा काफी तेज थी।

बीजेपी नेता विनोद तावड़े और नित्यानंद राय से मैथिली ठाकुर की मुलाकात और तावड़े के ट्वीट ने इन अटकलों को और हवा दी थी। लेकिन मंगलवार को जारी उम्मीदवार लिस्ट से यह साफ हो गया कि फिलहाल बीजेपी ने उन्हें बेनीपट्टी से उम्मीदवार नहीं बनाया है।

विनोद तावड़े ने मैथिली ठाकुर से मुलाकात की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा था, ङबिहार की बिटिया मैथिली ठाकुर बदलते बिहार की रफ्तार को देखकर फिर से अपने राज्य लौटना चाहती हैं। हमने उनसे आग्रह किया कि वे बिहार के विकास में अपना यो-गदान दे। इस ट्वीट के बाद से बिहार की सियासी फिजाओं में यह बात तैरने लगी कि मैथिली ठाकुर को बीजेपी बेनीपट्टी से टिकट दे सकती है।

विधायक विनोद नारायण झा ने पिछले 5 साल में सड़क, पुल, स्कूल, अस्पताल और विकास के कई काम करवाए हैं। इस कार्यकाल में उन्होंने कोर्ट, अनुमंडल अस्पताल, जेल, एएनएम स्कूल, सरकारी आईटीआई कॉलेज, फायर स्टेशन और कलुआही में अस्पताल जैसे प्रोजेक्ट्स पूरा करवाए।

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में विनोद नारायण झा के सुझाव पर शोभन से मकीया-अगरोपट्टी तक 37.5 किमी सड़क और बेनीपट्टी से दरभंगा एम्स को जोड़ने वाली सड़क की स्वीकृति मिली है। संस्कृत शोध संस्थान के जीर्णोद्धार के लिए 56.80 करोड़ रुपये का बजट मंजूर हुआ है। 66 सड़कों और चार बड़े पुलों की स्वीकृति के साथ क्षेत्र में विकास के कई काम हुए।

राजग की प्रेस वार्ता टली, एनडीए के सभी नेताओं को जुटना था एक साथ

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीट शेयरिंग की घोषणा के बाद से ही हलचल मच गई है। रविवार को जारी हुई घोषणा के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड दोनों समान सीटों पर चुनाव लड़ने वाली थी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक जनतांत्रिक मोर्चा के सीटों की भी घोषणा कर दी गई है। लेकिन घोषणा के तुरंत बाद ही उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी और जीतन राम मांझी की पार्टी ने सीट बंटवारे पर गहरी नाराज़गी ज़ाहिर कर दी है। उपेन्द्र कुशवाहा ने तो सोशल मीडिया पर भी अपने कार्यकर्ताओं की नाराजगी के साथ एक शायरी भी पोस्ट की। वहीं जीतनराम मांझी ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कम सीट देकर उनकी पार्टी की अहमियत कम आंकी गई है, जिसका असर एनडीए पर पड़ सकता है।

सोमवार को शाम 4 बजे भाजपा के प्रदेश कार्यालय में एनडीए की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस होनी थी, जिसमें सीट बंटवारे का औपचारिक ऐलान होना था, लेकिन अचानक इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि भाजपा और जदयू के बीच कुछ सीटों को लेकर मतभेद अब भी बना हुआ है। सीटों की अदला-बदली और उम्मीदवार चयन को लेकर अभी भी बातचीत अधूरी रह गई। हालांकि इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और जदयू नेता संजय झा की गुप्त बैठकें भी हुई, लेकिन समस्या अब तक बरकरार है।एलआरएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने अपनी नाराज़गी को शायराना अंदाज़ में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि, ङआज बादलों ने फिर साजिश की, जहां मेरा घर था वहीं बारिश की। अगर फलक की जिद है बिजली गिराने की, तो हमें भी जिद है वहीं पर आशियां बसाने की।ङ वहीं हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतनराम मांझी ने भी सीट बंटवारे के बाद असंतोष जाहिर किया। उन्होंने पहले कहा, ङमैं संतुष्ट हूंङ, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि, ङआलाकमान ने जो फैसला लिया है, वह स्वीकार है, लेकिन सिर्फ 6 सीट देकर हमारी अहमियत कम आंकी गई है। इसका असर एनडीए पर पड़ सकता है।

राजनीतिक गलियारों में इस बात की चर्चा है कि वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी फिलहाल महागठबंधन से कुछ नाराज हैं। उनकी नाराजगी सीट शेयरिंग और उनके उप मुख्यमंत्री की मांग पर है। इसी वजह से महागठबंधन में अब तक बात नहीं बन पाई। इस बात का इजहारको उन्होंने दिल्ली जाने से पहले भी बताया था। उन्होंने दिल्ली जाने के दौरान पटना एयरपोर्ट पर कहा कि, 'आप जो कह रहे हैं थोड़ा सा महागठबंधन अस्वस्थ हुआ है। अब हम भी दिल्ली जा रहे हैं, क्योंकि सभी डॉक्टर वहीं पर मौजूद हैं। वहां पर बेहतर उपचार हो जाएगा और स्वस्थ होकर हम सभी पटना वापस लौटेंगे। इधर एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर मामला स्पष्ट हो गया था कि एनडीए के घटक कितने सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

आज इसको लेकर प्रेस वार्ता भी होनी थी लेकिन यह प्रेस वार्ता कैंसिल कर दी गई। इसकी वजह यह है कि मुकेश सहनी का महा गठ बंधन में मैन मुताबिक़ समझौता नहीं होने पर वह भाजपा के कुछ नेताओं के संपर्क में आये और अब वह एनडी ए में शामिल हो सकते हैं। इस बात की चर्चा में यह बात भी अब सामने आ रही है कि मुकेश सहनी के एनडीए में शामिल होने के बाद जदयू व भाजपा से 3-3 सीट और लोजपा राम विलास से 1 सीट वीआईपी को देने की संभावना बन रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com